THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 117 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.14 2082 बुधवार, 23 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मणिपुर में सात उग्रवादी गिरफ्तार हथियारों का जखीरा बरामद

इंफाल, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने राज्यभर में समन्वित अभियान चलाकर सात सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया और भारी मात्रा में हथियार बरामद किए।

ये कार्रवाइयां मंगलवार को म्यांमार सीमा से सटे इलाकों और राज्य की संवेदनशील क्षेत्रों में की गई। जानकारी के मुताबिक सबसे बड़ी सफलता टैंग्नौपाल जिले के मोरेह थाना क्षेत्र के पंगल बस्ती में सीमा स्तंभ संख्या 79 के पास मिली। यहां कांगलेइपक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) के तीन सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया गया।

हंगामे की भेंट चढ़ी लोकसभा–राज्यसभा की कार्यवाही

> बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर संसद में विपक्ष का प्रदर्शन

> विपक्ष का एसआईआर पर हल्लाबोल > सरकार का पलटवार

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विपक्षी दलों के जोरदार हंगामे के चलते मंगलवार को पूरे दिन के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई। विपक्ष की मुख्य मांग थी बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा कराई जाए और इसे वापस लिया जाए। बता दें कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के बाद बार-बार स्थगित होने के कारण सोमवार को सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही नहीं चल सकी थी।

लोकसभा में आज क्या-क्या हुआ :

मंगलवार के दिन लोकसभा की कार्यवाही जैसे ही सुबह 11 बजे शुरू हुई, कांग्रेस समेत विपक्षी सांसदों ने जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। वे बिहार में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चर्चा की मांग कर रहे थे और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर भी बहस चाहते थे। इस दौरान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष से अपील की कि वे अपनी सीटों पर लौटें ताकि किसानों से जुड़े सवालों पर चर्चा की जा सके। स्पीकर ओम बिरला ने भी विरोध कर रहे सांसदों से अनुरोध किया कि वे नारेबाजी और तख्तियां दिखाना बंद करें क्योंकि इससे सदन की गरिमा को ठेस पहुंचती है। लेकिन हंगामा जारी रहने पर सदन को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

दोपहर 12 बजे और दो बजे भी विपक्ष का हंगामा :

दोपहर 12 बजे जब सदन फिर से शुरू हुआ तो स्थिति वैसी ही रही। इस बार बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल पीठासीन अधिकारी के रूप में थे। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे अपने मुद्दे लिखित रूप में बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में रखें। लेकिन हंगामा बढ़ता गया और कार्यवाही दोपहर दो बजे तक फिर स्थगित करनी पड़ी। जब दोपहर दो बजे सदन दोबारा चला, तो दिलीप सैकिया पीठासीन अधिकारी थे। उन्होंने भी विपक्ष से शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन विपक्षी सांसद वेल में पहुंच गए और नारेबाजी जारी रही। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के रवैये की निंदा की। उन्होंने कहा, एक ओर वे बहस की मांग कर रहे हैं >14

पीएम मोदी का आज से यूके-मालदीव दौरा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी यात्रा पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने विस्तार से जानकारी दी है। प्रधानमंत्री मोदी 23-24 जुलाई को यूनाइटेड किंगडम (यूके) के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इसके बाद 25-26 जुलाई को उनकी मालदीव यात्रा तय है। पीएम मोदी की यूके की आधिकारिक यात्रा पीएम कीर स्टारमर के निमंत्रण पर हो रही है। यह प्रधानमंत्री मोदी की यूके की चौथी यात्रा होगी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि यह यात्रा जरूर छोटी है, लेकिन दोनों नेताओं को द्विपक्षीय संबंधों के व्यापक पहलुओं की समीक्षा करने, इसे और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा करने और क्षेत्रीय तथा वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचार करने का अवसर देगी। विदेश सचिव ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में कहा कि भारत-यूके साझेदारी को 2021 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रूप में उन्नत किया गया था।

लोन के बदले रिश्वत मामले में चंदा कोचर दोषी करार

वीडियोकॉन ग्रुप को 300 करोड़ लोन अप्रूव करने के लिए 64 करोड़ रिश्वत ली थी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को 64 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने के मामले में दिल्ली की एक ट्रिब्यूनल ने दोषी करार दिया है। चंदा पर वीडियोकॉन ग्रुप को 300 करोड़ रुपये का लोन अप्रूव करने के एवज में यह रिश्वत लेने का आरोप था।

ट्रिब्यूनल ने कहा कि कोचर ने बैंक में अपने पद का दुरूपयोग किया और डिसक्लोजर नॉर्म्स का उल्लंघन किया। मामले की जांच करते हुए ईडी ने उनपर यह आरोप लगाया था। मामले की शुरूआत 2016 में हुई थी। ट्रिब्यूनल ने पाया कि वीडियोकॉन को लोन मिल जाने के एक दिन बाद रिश्वत का पैसा वीडियोकॉन की एक यूनिट एसईपीएल के खाते से कोचर के पति दीपक कोचर की एक कंपनी नूपावर रिन्यूएबल्स प्राइवेट लिमिटेड (एनआरपीएल) को दिया गया था। ट्रब्यूनल ने कहा कि कागजों पर नूपावर रिन्यूएबल्स प्राइवेट लिमिटेड (एनआरपीएल) का स्वामित्व वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत के पास दिखाया गया था, लेकिन इसका असल कंट्रोल दीपक कोचर के पास ही था। दीपक (एनआरपीएल) के मैनेजिंग डायरेक्टर भी थे। इसलिए अपीलकर्ताओं के आरोप सही हैं।

कांग्रेस को ट्रिब्यूनल से लगा बड़ा झटका

दान में मिले 199 करोड़ पर देना होगा टैक्स

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी को ट्रिब्यूनल कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने 2017-18 के एक टैक्स छूट मामले में कांग्रेस पार्टी की अपील खारिज कर दी है।

इस दौरान कांग्रेस को मिले 199 करोड़ रुपये के दान पर अब टैक्स देना होगा। यानी कांग्रेस को इनकम टैक्स मामले में राहत नहीं मिली है। बता दें कि कांग्रेस पार्टी को दान के तौर पर 199 करोड़ रुपये मिले थे। वहीं इसी रुपए को लेकर आयकर विभाग ने टैक्स भुगतान का नोटिस दिया था। इसका कांग्रेस पार्टी ने विरोध किया था। कांग्रेस पार्टी ने कहा था कि यह रुपये दान के तौर पर मिले हैं और इन्हें टैक्स फ्री होना चाहिए। कांग्रेस ने इनकम टैक्स विभाग के कदम को गलत बताया था। कांग्रेस पार्टी ने राजनीतिक दलों को दान में मिले पैसे पर टैक्स नहीं लगने का हवाला देकर टैक्स रिटर्न दाखिल ही नहीं किया। इसी को लेकर आयकर विभाग ने टैक्स मांगा था, जिसको अब ट्रिब्यूनल ने बरकरार रखा है। यानी अब डोनेशन के तौर पर कांग्रेस को जो 199 करोड़ रुपये मिले हैं और उस पर जो आयकर बनता है, वह पार्टी को देना होगा।

राष्ट्रपति मुर्मू से उप-सभापति हरिवंश ने की मुलाकात

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा के उप-सभापति हरिवंश ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की है। यह मुलाकात ऐस समय हो रही है, जब सोमवार शाम को जगदीप धनखड़ ने उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था।

राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर बैठक की एक तस्वीर भी साझा की। जिसमें लिखा गया है, राज्यसभा के उप-सभापति हरिवंश ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

> संसद भी नहीं पहुंचे, विदाई समारोह में शामिल नहीं होंगे

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस्तीफा मंजूर कर लिया। यह जानकारी राज्यसभा में पीठासीन घनश्याम तिवाड़ी ने दी। धनखड़ आज सदन की कार्यवाही में भी शामिल नहीं हुए।

सुबह 11 बजे अपर सदन की कार्यवाही की शुरूआत जेडीयू सांसद हरिवंश ने की। इससे पहले खबर आई थी कि जगदीप इस्तीफा वापस नहीं लेंगे। ना ही विदाई समारोह में शामिल होंगे। उधर, पीएम मोदी ने कहा कि मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। देश के 14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक का था। उन्होंने 10 जुलाई को एक कार्यक्रम में कहा था, ईश्वर की कृपा रही तो अगस्त, 2027 में रिटायर हो जाऊंगा।

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे की 2 थ्योरी

पहली : राष्ट्रपति को लिखे त्यागपत्र में धनखड़ ने पद छोड़ने की वजह स्वास्थ्य बताया था।

दूसरी : विपक्ष इस्तीफे पर सवाल कर रहा है। कह रहा है कि इसकी वजह कुछ और है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को बताया, 21 जुलाई को दोपहर 12:30 बजे जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की अध्यक्षता की। >14

भारतीय सेना को अपाचे हेलिकॉप्टर की पहली खेप मिली

> 3 हेलिकॉप्टर अमेरिका से हिंडन एयरबेस पर लाए गए > रेतीला रंग छिपने में मददगार

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सेना को अमेरिका से तीन अपाचे एएच-64ई हेलिकॉप्टरों की पहली खेप मिल गई। सेना ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इन्हें अमेरिका से एंटोनोव ट्रांसपोर्ट विमान में गाजियाबाद जिले के हिंडन एयर बेस लाया गया।

सेना के मुताबिक, सौदे के तहत 6 अपाचे गार्डियन हेलिकॉप्टर मिलने हैं। 3 आ चुके हैं। इन्हें रेत जैसे रंग से रंगा गया है, इससे रेगिस्तानी इलाकों में छिपने में मदद मिलती है। इन हेलिकॉप्टर्स से सेना के हमला करने और ऑपरेशनल क्षमता में काफी इजाफा होगा।

पाकिस्तान से सटी सीमा पर तैनात

अपाचे हेलिकॉप्टर को पाकिस्तान के साथ लगी पश्चिमी सीमा के पास जोधपुर में तैनात किया जाएगा। भारतीय थल सेना को पहली बार अपाचे हेलिकॉप्टर मिले हैं। ये हेलिकॉप्टर दुनिया के सबसे एडवांस लड़ाकू हेलिकॉप्टरों में से हैं। भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही 22 अपाचे हेलिकॉप्टर हैं। अपाचे अटैक हेलिकॉप्टर की दो स्काड्रन पाकिस्तान और चीन सीमा पर मोर्चे पर तैनात हैं। अमेरिका ने 2020 में वायुसेना को 22 अपाचे हेलिकॉप्टर डिलीवर किए थे। अपाचे हेलिकॉप्टर को "हवाई टैंक" कहा जाता है। भारतीय सेना ने भारत में अपाचे हेलिकॉप्टरों की पहली तस्वीरें शेयर करते हुए कहा, भारतीय सेना के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण, क्योंकि सेना के लिए अपाचे हेलिकॉप्टरों का पहला बैच आज भारत पहुंचा। ये अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म भारतीय सेना की ऑपरेशनल क्षमताओं को मजबूत करेंगे।

वायु सेना से होगी लड़ाकू विमान मिग-21 की विदाई

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना का सबसे प्रमुख लड़ाकू विमान मिग-21 अब विदाई के लिए तैयार हैं। 62 साल में हर छोटे बड़े सैन्य युद्ध में सेना की मदद करने वाला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान 19 सितंबर को औपचारिक तौर पर विदा हो जाएगा। लड़ाकू विमान के सम्मान में चंडीगढ़ एयरबेस पर विदाई समारोह का आयोजन किया जाएगा। मिग-21 मौजूदा समय में पैंथर्स 23 स्काड्रन का हिस्सा है।

रक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायु सेना इस साल सितंबर तक मिग-21 लड़ाकू विमानों को चरणबद्ध तरीके से हटा देगी। इस विमान का संचालन करने वाली स्काड्रनें वर्तमान में राजस्थान के नाल एयरबेस पर हैं। उन्होंने कहा कि एलसीए मार्क 1ए विमान भारतीय वायु सेना में मिग-21 विमानों की जगह लेगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिग के दौरान एयर इंडिया की फ्लाइट में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। हांगकांग से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान में मंगलवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर उतरते ही आग लग गई। एयरलाइन की तरफ से कहा गया कि विमान को कुछ नुकसान ज़रूर हुआ, लेकिन यात्री और क्रू मेंबर्स सामान्य रूप से उतर गए और सुरक्षित हैं।

22 जुलाई 2025 को हांगकांग से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली उड़ान संख्या एआई315 में लैंडिंग और गेट पर पार्किंग के तुरंत बाद एक असिस्टेंट इलेक्ट्रिक यूनिट में आग लग गई। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि यह घटना उस समय हुई जब यात्री उतरने लगे थे। इस बीच सिस्टम डिजाइन के अनुसार एपीयू अपने आप बंद हो गया। प्रवक्ता ने आगे कहा कि विमान को आगे की जांच के लिए रोक दिया गया है और नियामक को विधिवत सूचित कर दिया गया है।

कांग्रेस में अंदरूनी कलह : साथी मुरलीधरन के तंज पर शशि थरूर का पलटवार

> पूछा-जो सवाल उठा रहे हैं, वो हैं कौन?

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर की तरफ से राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर दिए गए बयान के चलते उनके खुद की पार्टी में ही उनके लिए नाराजगी बढ़ गई है। ऐसे में इसका सबसे ज्यादा असर केरल कांग्रेस में देखने को मिल रहा है। जहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद के मुरलीधरन और थरूर के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। इसी सिलसिले में जब बीते रविवार को मुरलीधरन ने थरूर पर तंज कसा तो मंगलवार को कांग्रेस सासंद थरूर ने पलटवार करते हुए कहा कि ये लोग हैं कौन? पार्टी में इनका पद क्या है?

बता दें कि थरूर के खिलाफ लगातार आग उगल रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री के मुरलीधरन ने रविवार को कहा था कि जब तक शशि थरूर राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर अपना रुख नहीं बदलते, उन्हें तिरुवनंतपुरम में किसी भी पार्टी कार्यक्रम में नहीं बुलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह अब हमारे साथ नहीं हैं, इसलिए उन्हें बहिष्कृत करने का सवाल ही नहीं उठता।

थरूर ने दी तीखी प्रतिक्रिया :

मुरलीधरन के बयान पर थरूर ने मंगलवार को तीखी प्रतिक्रिया दी। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि जो लोग ऐसे बयान दे रहे हैं, मैं जानना चाहता हूं कि वे कौन हैं और पार्टी में उनकी क्या भूमिका है? उन्हें ऐसा कहने का अधिकार किसने दिया? उन्होंने कहा कि कुछ लोग उनकी आलोचना इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने हाल ही में देश की सीमा पर हुई घटनाओं के संदर्भ में भारतीय सेना और केंद्र सरकार का समर्थन किया।

मैं अपने रुख पर कायम हूं :

थरूर ने साफ कहा कि मैं अपने रुख पर अडिग हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि देशहित सबसे ऊपर है। पार्टियां सिर्फ देश को बेहतर बनाने का माध्यम होती हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब कोई नेता राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर अन्य पार्टियों से सहयोग की बात करता है, तो उसकी अपनी पार्टी ही उसे अविश्वासी मान लेती है, जो बहुत बड़ी समस्या है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-हम शर्मिंदा हैं

> ओडिशा में नाबालिग लड़की को जिंदा जलाया गया था, हालत नाजुक

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा में 15 साल की नाबालिग को जिंदा जलाए जाने की घटना पर कहा, हम शर्मिंदा हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने सोमवार को कहा कि ग्रामीण इलाकों की स्कूली लड़कियों, घरेलू महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए।

कोर्ट ने केंद्र और सभी पक्षों से ठोस सुझाव मांगे हैं। कोर्ट ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और महिला सुरक्षा पर गंभीर चिंता जताई। इससे पहले, 12 जुलाई को ओडिशा के ही बालासोर जिले के फकीर मोहन कॉलेज में छात्रा ने आत्मदाह कर लिया था। छात्रा में कॉलेज फैकल्टी के खिलाफ सेक्शुअल हैरेसमेंट की शिकायत दी थी। ओडिशा के पुरी में 19 जुलाई को 15 साल की नाबालिग लड़की पर तीन लोगों ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। लड़की की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। उसे 20 जुलाई को भुवनेश्वर एम्स से एयरलिफ्ट करके दिल्ली एम्स लाया गया था। यहां उसे बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक के आईसीयू में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों की एक टीम उसकी हालत पर लगातार नजर रख रही है। लड़की को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। घटना पुरी जिले के बायाबर गांव में उस वक्त हुई जब पीड़ित लड़की अपनी सहेली के घर जा रही थी। तीन लोगों ने उसे रास्ते में रोका और पेट्रोल डालकर आग लगा दी। तीनों आरोपी फरार हैं। छात्रा को आग क्यों लगाई, अभी तक इसकी कोई वजह सामने नहीं आई है। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा कि इस घटना की मुझे बेहद पीड़ा है। दिनदहाड़े एक बच्ची को जलाने की कोशिश की गई, यह बेहद डरावनी बात है। एक हफ्ते पहले ही एफएम कॉलेज की छात्रा ने न्याय न मिलने पर खुद को आग लगा ली थी।

कांवड़ मार्ग पर सभी होटलों को लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट दिखाना होगा सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भोजनालयों के लिए क्यूआर कोड मामले पर सुप्रीम कोर्ट से उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ी राहत मिली है।

कोर्ट ने क्यूआर कोड संबंधी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी होटल मालिकों को लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने क्यू कोड अनिवार्य करने के मुद्दे पर कोई निर्देश नहीं दिया। अदालत ने कहा कि अभी क्यूआर कोड के मुद्दे पर विचार नहीं किया गया है और मुख्य याचिका पर सुनवाई के दौरान इस पर विचार किया जा सकता है। मुख्य याचिका अभी अदालत में लंबित है।

सर्वोच्च न्यायालय उत्तर प्रदेश सरकार के उस निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश को चुनौती दी गई, जिसमें सरकार ने कांवड़ मार्ग पर सभी खाने-पीने की दुकानों और भोजनालयों पर क्यूआर कोड स्टीकर प्रदर्शित करने और साथ ही दुकानों के बाहर बैनर लगाकर दुकान मालिक के नाम और पहचान को प्रदर्शित करने को कहा था। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तराखंड सरकार से जवाब मांगा था। सरकार के आदेश के खिलाफ याचिकाएं शिक्षाविद अपूर्वानंद झा, एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और अन्य ने दायर की थीं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के लिए कहना भेदभाव है।

सुप्रीम कोर्ट ने झंडे में तिरंगे के उपयोग को लेकर राजनीतिक दलों के खिलाफ दायर याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक जनहित याचिका (पीआईए) पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें राजनीतिक दलों द्वारा तिरंगे के समान दिखने वाले झंडों में पार्टी चिह्नों का उपयोग करने को लेकर कार्रवाई की मांग की गई थी।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने याचिकाकर्ता संजय भीमशंकर थोबडे की याचिका खारिज कर दी। थोबडे ने व्यक्तिगत रूप से अदालत में अपनी बात रखी थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि कुछ राजनीतिक दल अपने प्रचार अभियानों में ऐसे झंडों का उपयोग कर रहे हैं, जो राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे से मिलते-जुलते हैं और उसमें अशोक चक्र की जगह पार्टी के प्रतीक चिन्ह लगा दिए जाते हैं। >14

किरेन रिजिजू का हमला

देश की टैक्स मनी को हंगामा करके विपक्ष कर रहा बर्बाद

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र में विपक्षी दलों के लगातार हंगामे के बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कड़ी आलोचना की। उन्होंने विपक्ष पर "टैक्स का पैसा बर्बाद करने" और मौजूदा सत्र के दौरान जानबूझकर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। किरेन रिजिजू ने लोकसभा में मंगलवार को कहा कि बैठक में ये तय किया गया कि सबसे पहले 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा होगी। इसके लिए समय भी तय किया गया है। एक साथ सारे मुद्दे पर चर्चा संभव कैसे है? फिर भी, सहयोग करने के बजाय, वे तख्तियां लेकर आए और सदन की कार्यवाही में व्यवधान डाला। ये हर समय नियम के विरूद्ध तख्तियां लेकर प्रदर्शन करते हैं, यह निंदनीय है। जबकि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में यह तय हुआ था कि पोस्टर, बैनर लेकर सदन में नहीं आएंगे।

उन्होंने आगे कहा, पोस्टर-बैनर लेकर सदन को बाधित करना आपत्तिजनक है, वह (विपक्ष) चर्चा की मांग कर रहे हैं और हम इसके लिए तैयार हैं। फिर वह सदन क्यों नहीं चलने दे रहे? यह दोहरा मापदंड गलत है। अगर आप चर्चा चाहते हैं, तो ये हंगामा नहीं करें। सरकार ने बार-बार कहा है कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। लेकिन ये हंगामा क्यों कर रहे हैं, इसकी कौन जिम्मेदारी लेगा। देश की टैक्स मनी को आप हंगामा करके बर्बाद कर रहे हैं। इसका जवाब देना पड़ेगा।

भारत, अमेरिका ने व्यापार समझौते के लिए 5वें दौर की वार्ता पूरी की

संसद को दी गई जानकारी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत मार्च 2025 में शुरू की गई थी और अब तक पांच दौर की वार्ता हो चुकी है। यह जानकारी मंगलवार को संसद को दी गई। इसी प्रकार, प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच अब तक बारह दौर की वार्ता हो चुकी है।

अंतिम दौर 7-11 जुलाई को ब्रुसेल्स में आयोजित किया गया था। वाणिज्य व उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा, भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर वार्ता मार्च 2025 में शुरू की गई थी। वार्ता के पांच दौर हो चुके हैं, जिनमें से अंतिम वार्ता 14-18 जुलाई, 2025 को वाशिंगटन में हुई थी।

भूस्खलन से प्राथमिक स्कूल की छत टूटी, एक छात्र की मौत

पुंछ, 22 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के दूरदराज पहाड़ी क्षेत्र बैंछ कलसां में सरकारी प्राइमरी स्कूल पर आज सुबह भूस्खलन होने से एक बच्चे की मौत हो गई और चार बच्चे तथा एक शिक्षक घायल हो गए। यह हादसा सुबह लगभग 9:45 बजे तब हुआ जब स्कूल के पीछे की पहाड़ी से बड़ा पत्थर गिरा, जिसने स्कूल की छत और दीवार तोड़ते हुए उस कमरे में प्रवेश किया जहां बच्चे पढ़ाई कर रहे थे। इस घटना में 9 वर्षीय मोहम्मद हसन, पुत्र मोहम्मद रफीक की मौके पर ही मौत हो गई।

मुंबई ब्लास्ट केस: बॉम्बे हाई कोर्ट ने12 लोगों को बरी किया

महाराष्ट्र एटीएस ने एससी में दी चुनौती, कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

7/11 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस में बॉम्बे हाई कोर्ट ने सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। अब इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को महाराष्ट्र एटीएस ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और सुप्रीम कोर्ट मामले पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है।

गुरुवार को होगी मामले में सुनवाई

सीजेआई की बेंच में एसजी तुषार मेहता ने मामले पर सुनवाई की मांग करते हुए कहा कि इस मामले में जल्द सुनवाई की जरूरत है। सीजेआई ने कहा कि गुरुवार को मामले पर सुनवाई होगी। बता दें कि सोमवार को ही बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले में आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया है, जिसके खिलाफ महाराष्ट्र एटीएस ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है।

7/11 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस क्या है?

7/11 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस 11 जुलाई 2006 को मुंबई के उपनगरीय रेल नेटवर्क से जुड़ा है। यहां 11 मिनट में 7 बम विस्फोट हुए थे, जिसमें 189 लोग मारे गए थे और 827 लोग घायल हुए थे। बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस मामले में सोमवार को फैसला सुनाया और 12 आरोपियों को बरी कर दिया। इसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है।

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में क्या कहा था?

671 पन्नों के निर्णय में हाई कोर्ट ने कहा, ''किसी अपराध के वास्तविक अपराधी को सजा देना, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने, कानून के राज को बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा व संरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस और आवश्यक कदम है, लेकिन किसी मामले को हल करने का झूठा दिखावा करना, यह दिखाना कि आरोपियों को न्याय के कठघरे में लाया गया है,

केवल एक भ्रमपूर्ण समाधान की भावना पैदा करता है। ऐसा भ्रामक निष्कर्ष न केवल जनता के विश्वास को कमजोर करता है, बल्कि समाज को झूठी तसल्ली देता है, जबकि वास्तव में असली खतरा अब भी आजाद घूम रहा होता है। मूल रूप से, यही इस मामले की सच्चाई को दर्शाता है।''

'मराठी बोल नहीं तो बिहार भेज देंगे'

इनकार पर महिला से हाथ जोड़कर मंगवाई माफी

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में इन दिनों भाषा को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। उत्तर भारतीय लोगों को महाराष्ट्र में रहकर मराठी बोलने पर मजबूर किया जा रहा है। अब नया मामला मुंबई के घाटकोपर से सामने आया है, जहां एक उत्तर भारतीय महिला से एमएनएस के कुछ कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने को लेकर माफी मंगवाई। उन्होंने महिला को मजबूर किया। वहां मौजूद मराठी महिला उससे कहती हैं, "दो बार जय महाराष्ट्र बोल, नहीं तो बिहार भेज देंगे तेरे को..." इस दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उत्तर भारतीय महिला बेबस नजर आ रही है और मराठी महिलाओं के कहने पर माफी मांगती दिख रही है। करीब एक मिनट तक सभी महिलाएं उसे घेरकर खड़ी हुई हैं। उससे दो दिन पहले हुई बहस के बारे में बात करती हैं और कहती हैं कि तूने पॉवर दिखाई थी। दरअसल, दो दिन पहले इस महिला के साथ उसके होटल पर कुछ मराठी महिलाओं की बहस हो गई थी। उत्तर भारतीय महिला ने बहस के दौरान मराठी महिलाओं के सामने साफ तौर पर कहा था कि कुछ भी कर लो मैं मराठी नहीं बोलूंगी।

क्यों दी जाए आपको सुरक्षा

ये साबित करने के लिए रणदीप सुरजेवाला को देना होगा सबूत

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला की वाई+ सिक्योरिटी पर संकट मंडरा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुरजेवाला को दी गई वाई+ सिक्योरिटी वापस लेने का प्रस्ताव दिया है। इस पूरे मामले पर पंजाब- हरियाणा हाईकोर्ट ने कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला को निर्देश दिया है कि वो अपनी सिक्योरिटी जारी रखने के लिए आवश्यकता सिद्ध करने के लिए कोर्ट के समक्ष सबूत पेश करें।

कोर्ट की तरफ से ये निर्देश केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय की तरफ से दायर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आया है, जिसमें रणदीप सिंह सुरजेवाला पर खतरे की कोई धारणा नहीं होने का हवाला देते हुए उनकी सुरक्षा हटाने की अदालत से अनुमति मांगी गई है।

एक महीने में पेश करें सबूत-कोर्ट

हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि रणदीप सुरजेवाला 4 हफ्ते के अंदर सभी प्रासंगिक सामग्री संबंधित सक्षम प्राधिकरण को प्रस्तुत करें। ये आदेश जस्टिस कुलदीप तिवारी ने उस याचिका पर सुनवाई के बाद पारित किया है, जिसमें केंद्र सरकार की तरफ से सुरजेवाला को दी गई वाई+ श्रेणी की सुरक्षा वापिस लेने की अनुमति मांगी गई थी।

30 सितंबर को होगी मामले की अगली सुनवाई

गृह मंत्रालय की और से हाईकोर्ट को बताया गया कि केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से किए गए रिव्यू के अनुसार रणदीप सिंह सुरजेवाला को वर्तमान में कोई खतरा नहीं है। इससे साफ है कि उनकी वाई+ सुरक्षा हटा दी जाए। इस पूरे मामले में कोर्ट अगली सुनवाई 30 सितंबर को करेगा। इसके बाद ही फैसला होगा कि सुरजेवाला की सिक्योरिटी बचती है या फिर नहीं। इस मामले में कोर्ट में सुरजेवाला की वकील की तरफ से साफ कहा गया कि उन्हें अभी भी खतरा है।

ऐसे में सिक्योरिटी बनी रहने देने चाहिए। इसके साथ ही वकील की तरफ से कहा गया कि वे जल्द ही कोर्ट में इस मामले के संबंध में जल्द ही कोर्ट में सबूत पेश करेंगे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि यदि सिक्योरिटी की श्रेणी बदलने की मांग की जाती है तो अदालत से पूर्व अनुमति लेना आवश्यक है।

जितेंद्र आव्हाड और गोपीचंद पडलकर के समर्थकों को जमानत

विधान भवन परिसर में हाथापाई मामले में राहत

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई की एक अदालत ने पिछले हफ्ते महाराष्ट्र विधान भवन परिसर में हुई हाथापाई के मामले में गिरफ्तार लोगों को राहत दी। कोर्ट ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) विधायक जितेंद्र आव्हाड और भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर के दो समर्थकों को जमानत दे दी। कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रभारी) के एस झंवर ने आव्हाड के समर्थक नितिन देशमुख और पडलकर के समर्थक सरजेराव टाकले को जमानत दे दी। देशमुख के वकील नवनाथ देवकाटे ने बताया कि दोनों आरोपियों को 25-25,000 रुपये के जमानत मुचलके पर जमानत दी गई है।

इससे पहले 17 जुलाई को विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान विधान भवन के भूतल पर आव्हाड और पडलकर के समर्थकों के बीच मारपीट हुई थी। घटना 16 जुलाई को दोनों विधायकों के बीच हुई तीखी बहस के बाद हुई। एक अधिकारी ने पहले बताया था कि मरीन ड्राइव पुलिस ने 18 जुलाई को देशमुख और टाकले को गैरकानूनी रूप से एकत्रित होने, शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करने और मामले को शांम कराने के दौरान लोक सेवक पर हमला करने या उसे बाधित करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस रिमांड की समयसीमा पूरी होने पर सोमवार को उन्हें अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बाद में उनके वकीलों ने जमानत की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। पिछले हफ्ते हुई इस घटना के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दुख व्यक्त करते हुए कहा था कि संसदीय मर्यादा, आचरण और संवाद बनाए रखने की जिम्मेदारी हमारी है।

महाराष्ट्र विधानसभा में रमी खेल रहे थे कृषि मंत्री

महाविकास अघाड़ी के सांसदों ने शिवराज सिंह चौहान से की मुलाकात

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में महाविकास अघाड़ी के सांसदों ने आज केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मांग की कि महाराष्ट्र को ऐसा कृषि मंत्री नहीं चाहिए जो विधानसभा में (ताश) जंगली रमी खेले और लगातार किसान विरोधी भूमिका अपनाए। महाविकास अघाड़ी के सांसदों ने कहा कि महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे लगातार अपने विवादास्पद बयानों और व्यवहार के कारण चर्चा में रहे हैं। चाहे किसानों से दुर्व्यवहार करने की बात हो या कर्जमाफी को लेकर दिए गए बयान। उन्होंने अपने वक्तव्यों से महाराष्ट्र की संस्कृति को कलंकित किया है।

क्या बोले महाविकास अघाड़ी के सांसद

महाविकास अघाड़ी के सांसदों ने कहा कि उनके इस असंवेदनशील रवैये के कारण महाराष्ट्र को भारी नुकसान हो रहा है और राज्य की गौरवशाली परंपरा को भी ठेस पहुंच रही है। इसलिए उनकी तत्काल बर्खास्तगी की मांग करते हुए महाविकास आघाड़ी ने कहा कि उनकी जगह एक संवेदनशील और किसानों की समस्याओं को समझने वाला कृषि मंत्री महाराष्ट्र को दिया जाना चाहिए। दरअसल शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने एक वीडियो साझा किया है। पवार ने वीडियो शेयर करते हुए आरोप लगाया है कि इसमें माणिक राव कोकाटे मोबाइल पर रमी खेलने में व्यस्त थे।

रोहित पवार ने शेयर किया वीडियो

रोहित पवार ने कृषि मंत्री माणिकराव की कड़ी आलोचना की है कि वह विधानसभा में बैठक रमी खेल रहे हैं, क्योंकि उनके पास करने को कोई काम नहीं है। रोहत पवार द्वारा इस वीडियो को शेयर किए जाने के बाद से महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने भी इसे लेकर निशाना साधा है। बता दें कि दो दिन पहले ही महाराष्ट्र विधानमंडल का मॉनसून सत्र खत्म हुआ है। यह वीडियो उसी मॉनसून सत्र के दौरान का है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी जांच में जुटी एजेंसियां

अहमदाबाद, 22 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह धमकी क्राइम ब्रांच को एक ईमेल के जरिए दी गई है। इसके तुरंत बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। हालांकि, अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक, जांच के लिए पुलिस और दमकल विभाग मौके पर मौजूद हैं। इसकी जानकारी ज्वाइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस शरद सिंघल ने दी है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल से दी गई है। इस मेल के आते ही क्राइम ब्रांच के साथ-साथ पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें भी अलर्ट पर आ गईं। सूचना पाते ही तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच की गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुरुआती जांच में किसी तरह का कुछ संदिग्ध नहीं पाया गया है। बता दें कि इसके पहले भी राज्य में इस तरह की धमकियां मिल चुकी हैं।

किश्तवाड़ के जंगल में आतंकियों का नया अड्डा

हमला कर जंगलों में गायब हो जाते आतंकी, दच्छन-छात्रू बन रहा पनाहगार

जम्मू, 22 जुलाई (एजेंसियां)। किश्तवाड़ के दच्छन, नागसेनी, छात्रू के घने जंगल आतंकियों के लिए सुरक्षित पनाहगार बन रहे हैं। जिले में सक्रिय आतंकी, हमले के बाद इन्हीं जंगलों में गायब हो रहे हैं। सुरक्षाबलों के लिए इनकी खोज चुनौती और पहली बनती जा रही है। आतंकी सुरक्षित ठिकानों से बाहर निकलकर हमले करते हैं, फिर वापस वहां चले जाते हैं। किश्तवाड़ जिले में लंबे समय से आतंकी सक्रिय हैं। लंबे समय से इनका तलाश है, लेकिन सुरक्षाबलों को इसमें सफलता नहीं मिल रही है। इस साल अभी तक सुरक्षाबलों द्वारा जिले में ही आतंकियों की खोज के लिए एक दर्जन से अधिक सर्च अभियान चलाए हैं। इस बीच कई मुठभेड़ भी हुई, लेकिन जिले में आतंकियों की सक्रियता बनी हुई है। किश्तवाड़ में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी आतंकी संगठनों से जुड़े आतंकी सक्रिय हैं। अप्रैल से अभी तक तीन मुठभेड़ हो चुकी हैं, जिसमें आतंकी को मौत के घाट उतारा गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने जिले के घने जंगलों में सक्रिय आतंकियों की खोज के लिए ऑपरेशन छात्रू भी चलाया था। इसमें सुरक्षा एजेंसियों का संयुक्त दल ड्रोन, डॉग स्क्वायड और आधुनिक उपकरणों की मदद से जंगलों की खाक छान रहे हैं।क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति चुनौतीपूर्ण क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण है।

आतंकी फिर उन्हीं रूट का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिन्हें कभी 90 के दशक में इस्तेमाल किया जाता था। संवेदनशील इलाकों में सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ाई गई है। आतंकी हमले करने के बाद अपने सुरक्षित पनाह में दुबक जाते हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों को उनकी स्टीक जानकारी नहीं मिल पा रही है।

साध्वी लक्ष्मी दास 90 लाख की धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार

छिंदवाड़ा, 22 जुलाई (एजेंसियां)। 90 लाख रुपये की धोखाधड़ी और अदालत को गुमराह करने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहीं साध्वी लक्ष्मी दास (असली नाम रीना रघुवंशी) को छिंदवाड़ा पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी नर्मदापुरम जिले के चंद्रकलां गांव से की गई, जहां साध्वी धार्मिक अनुष्ठान के बहाने छिपकर रह रही थी। पुलिस को एक मुखबिर से सूचना मिली थी कि साध्वी लक्ष्मी दास गांव में मौजूद है। जैसे ही पुलिस टीम वहां पहुंची, साध्वी को गिरफ्तारी की भनक लग गई और उसने टॉयलेट जाने का बहाना बनाकर वहां से भागने की कोशिश की। इसके बाद वह पास ही की नदी पार कर एक अन्य गांव में छिप गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए नाव की मदद से पीछा कर उसे चारों ओर से घेर लिया और हिरासत में ले लिया।

धनखड़ के इस्तीफे पर संजय राउत ने जताई आशंका- 'यह कोई सामान्य घटना नहीं

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। जगदीप धनखड़ ने भारत के उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया और राजनीति में खलबली मच गई। मानसून सत्र के पहले ही दिन जगदीप धनखड़ के इस्तीफे ने विपक्ष को हैरान कर दिया। इसपर अब उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत का बड़ा बयान आया है। संजय राउत ने आशंका जताई है कि परदे के पीछे बहुत कुछ हो रहा है। दिल्ली की राजनीति में कुछ बड़ा होने वाला है।

संजय राउत ने कहा, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा होना कोई सामान्य घटना नहीं है। जहां तक मैं उनको जानता हूं, वह ऐसे मैदान छोड़ने वाले आदमी नहीं हैं। वह लड़ने वाले व्यक्ति हैं। उनकी हेल्थ बिल्कुल ठीक है, कल मैंने उनको देखा है।

सितंबर में बहुत कुछ होगा देखते जाइए। वहीं, शिवसेना यूबीटी के विधायक आनंद दुबे ने भी कुछ ऐसा ही कहै। उनका कहना है, जिस तरह से मॉनसून सत्र के पहले ही दिन उनका इस्तीफा सामने आया है, वह कई सवाल खड़े करता है। क्या यह सच में सिर्फ स्वास्थ्य कारण है, या फिर पर्दे के पीछे कुछ और चल रहा है? अहम संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का इस्तीफा किसी भी सत्र के ठीक पहले आना, खासकर तब जब सदन में कई संवेदनशील मुद्दों पर बहस की उम्मीद हो, एक संदेहास्पद परिस्थिति बनाता है।

वहीं, बीजेपी विधायक राम कदम ने कहा, उप राष्ट्रपति ने अपने स्वास्थ्य का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया है। इतिहास में यह संभवतः पहला उदाहरण है जब किसी व्यक्ति ने इतने उच्च पद पर रहते हुए भी खुद ही अपना इस्तीफा सौंप दिया हो। उन्होंने कहा, मेरे जैसे मेहनती कार्यकर्ता को इससे यही सीख मिलती है कि कोई भी पद व्यवस्था के लिए होता है और अगर हम स्वास्थ्य या किसी अन्य कारण से उस व्यवस्था के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं, तो उस पद को छोड़ देना ही उचित है।

रतलाम में पत्नी ने पति पर किया चाकू से हमला

रतलाम, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले से एक अजीबों-गरीब मामला सामने आया है। यहां पत्नी द्वारा अपने पति पर चाकू से हमला करने का लाइव वीडियो सामने आया है। इस घटना में पति के हाथ समेत दो स्थानों पर गंभीर चोट लगी है। जानकारी के मुताबिक, डॉक्टरों ने 18 जगहों पर टांके लगाए हैं। वहीं सैलाना पुलिस का कहना है कि आरोपी पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सैलाना थाना प्रभारी ने बताया कि पति पत्नी का पिछले चार साल से विवाद चल रहा था और पत्नी अपने मायके में रह रही थी। किसी बात को लेकर इनका विवाद हो गया था,

प्रफुल लोढ़ा के खिलाफ एक और दुष्कर्म का मामला दर्ज

पहले भी दो नाबालिगों के यौन उत्पीड़न का आरोप

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में पुलिस ने दुष्कर्म का एक मामला दर्ज किया है। यह मामला जलगांव निवासी प्रफुल लोढ़ा के खिलाफ दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि प्रफुल पर पहले भी मुंबई में दो नाबालिगों के यौन उत्पीड़न और एक महिला से दुष्कर्म का आरोप है। आरोपी ने महिलाओं को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनके साथ दुष्कर्म किया।

पति की नौकरी लगवाने का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म

पुलिस ने बताया कि एक 23 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि प्रफुल लोढ़ा ने मई माह में उसे एक होटल में बुलाया था। आरोपी ने शारीरिक संबंध बनाने के बदले पीड़िता को उसके पति की नौकरी लगवाने की पेशकश की। जब महिला ने इससे इनकार कर दिया तो आरोपी ने कथित तौर पर महिला से दुष्कर्म किया। पुलिस ने पिंपरी चिंचवाड़ इलाके के बवधान पुलिस थाने में मामला दर्ज किया है। आरोपी प्रफुल लोढ़ा के खिलाफ 17 जुलाई को भी दुष्कर्म और पीड़िता को डराने-धमकाने का मामला दर्ज हुआ था। उस मामले में जांच जारी है। 62 वर्षीय आरोपी प्रफुल लोढ़ा महाराष्ट्र के जलगांव का निवासी है और ऐसा कहा जा रहा है कि आरोपी के कई राजनेताओं से संबंध हैं।

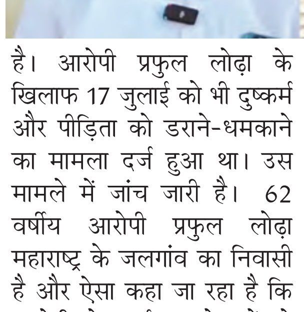

इस महीने की शुरुआत में मुंबई पुलिस ने भी लोढ़ा को 16 साल की दो लड़कियों के यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार किया था। दोनों नाबालिगों का भी आरोपी ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर उत्पीड़न किया। साथ ही एक अन्य महिला से भी दुष्कर्म किया। मुंबई पुलिस ने पोक्सो और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मामला दर्ज किया है। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने सोमवार को एक तस्वीर दिखाई, जिसमें आरोपी लोढ़ा भाजपा नेता और महाराष्ट्र सरकार के मंत्री गिरीश महाजन के साथ दिखाई दे रहा है। इस पर गिरीश महाजन ने कहा कि लोढ़ा के एनसीपी (एसपी), शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ भी तस्वीरें हैं। महाजन ने कहा कि किसी के साथ तस्वीर में दिखने का मतलब ये नहीं है कि नेता ने भी गलत किया है। महाजन ने संजय राउत पर बिना सबूत के गैर जिम्मेदाराना बयान देने का आरोप लगाया।

सिंगरौली में नौकरी दिलवाने के नाम पर ठगी, बेरोजगार युवाओं से ठगे 52 लाख रुपये

सिंगरौली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में बेरोजगारी इस हद तक बढ़ गई है कि अब युवा नौकरी पाने के लिए पैसे देने को भी तैयार हो जा रहे हैं। नौकरी के नाम पर युवाओं से अच्छी-खासी रकम वसूली जा रही है। जितनी अच्छी नौकरी उतनी अच्छी पैसों की वसूली। एक छोटी सी नौकरी के लिए भी लोग लाखों देने के लिए तैयार हो जा रहे हैं।

लेकिन नौकरी के नाम पर लोगों से पैसे वसूलना अब एक तरह का धंधा हो गया है। नौकरी दिलाने के नाम पर भोले-भाले लोगों को शातिर ठग अपना निशाना बना रहे हैं और उनसे लाखों रुपए वसूल रहे हैं। ऐसा ही ठगी का मामला मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले से आया है। जहां एक-दो नहीं बल्कि 34 युवाओं को नौकरी देने के नाम पर चूना लगा दिया है। ठगों ने नौकरी के नाम पर 34 युवाओं से करीब 52 लाख रुपए ठग लिए हैं।

गुजरात हाईकोर्ट ने पुलिस को लगाई फटकार

कहा- ऐसे अधिकारी समाज के लिए खतरा

अहमदाबाद, 22 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात में ऐसा कई बार हुआ है जब पुलिस की भूमिका पर सवाल उठे हैं। अहमदाबाद से ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां गुजरात हाईकोर्ट ने पुलिस प्रशासन के रवैये पर गंभीर सवाल उठाए हैं। हाईकोर्ट ने चांदखेड़ा पुलिस इंस्पेक्टर को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि ऐसे पुलिस अधिकारी समाज के लिए खतरा साबित हो सकते हैं।

क्या है पूरा मामला?

मामला एक मां और उसकी चार साल की बेटी से जुड़ा है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस की मनमानी के चलते एक महिला को उसकी मासूम बच्ची से मिलने नहीं दिया गया। इस मामले में जब परिवार हाईकोर्ट पहुंचा तो अदालत ने पुलिस अधिकारी के रवैये को 'गैर-जिम्मेदाराना और अमानवीय' करार दिया।

हाईकोर्ट ने क्या बोला?

हाईकोर्ट ने अपने तीखे शब्दों में कहा कि कोई भी महिला अपराधी हो, फिर भी उसे अपने परिवार से मिलने का अधिकार है, खासकर अपने बच्चे से मिलने का पूरा हक है।

अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि आखिर क्यों ऐसी घटनाओं पर विभागीय जांच नहीं की जाती है। इतना ही नहीं, अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि आखिर चांदखेड़ा के पीआई उन आठ मामलों की जांच क्यों नहीं कर रही, जिनमें दस साल या उससे अधिक की सजा का प्रावधान है। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर सरकार ऐसे अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं करती है, तो हाईकोर्ट खुद आदेश पारित करेगा।

पहले भी आए ऐसे मामले

ये पहली बार नहीं है जब गुजरात हाई कोर्ट को पुलिस प्रशासन की लापरवाहियों और गैर-जिम्मेदार रवैये के लिए फटकार लगानी पड़ी हो। ये मां-बेटी के इस संवेदनशील मामले ने एक बार फिर से यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या आम नागरिकों की संवेदनाएं पुलिस तंत्र में कहीं खो गई हैं?

सु वि चा र
हिसाब रखा करो
आजकल लोग पूछते हैं
कि तूने मेरे लिए किया
ही क्या है

42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर पोन्नम प्रभाकर ने की भाजपा सांसदों से इस्तीफे की मांग

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मंगलवार को तेलंगाना के भाजपा सांसदों से इस्तीफा देने की मांग की ताकि राज्य के 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत कोटा बढ़ाना संभव है। उन्होंने राज्य के भाजपा सांसदों से आग्रह किया कि वे केंद्र में भाजपा नीत एनडीए सरकार पर दबाव बनाने के लिए इस्तीफा दे दें। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने राज्य भाजपा अध्यक्ष एन रामचंदर राव पर कड़ा प्रहार किया, क्योंकि राव ने कथित तौर पर कहा था कि संविधान की नौवीं अनुसूची में 42 प्रतिशत

पिछड़ा वर्ग आरक्षण शामिल करना संभव नहीं है।

प्रभाकर ने कहा, रामचंदर राव ने एक बार फिर यह कहकर अपना असली रंग दिखाया है कि बीसी आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल करना संभव नहीं है। मंत्री ने पूछा कि कुल आरक्षण को 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने के लिए तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित कानूनों को नौवीं अनुसूची में कैसे शामिल किया गया। इस वर्ष मार्च में तेलंगाना विधानसभा ने शिक्षा, नौकरियों और स्थानीय निकायों में पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने के लिए दो विधेयक पारित किए थे और उन्हें राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए केंद्र के पास भेजा था। प्रभाकर ने मांग की कि केंद्र सरकार पिछड़ा वर्ग कोटा बढ़ाने पर तुरंत निर्णय ले।

उन्होंने तर्क दिया कि राज्य ने अनुभवजन्य आंकड़ों और जाति जनगणना के आधार पर पिछड़ा वर्ग आरक्षण बढ़ाया है और कैबिनेट, विधानसभा और राज्यपाल से अनुमोदन के बाद विधेयकों को आगे बढ़ाया है। उन्होंने चेतावनी दी, अगर पिछड़े वर्ग के साथ अन्याय हुआ, तो हम चुप नहीं बैठेंगे। इस बीच, रामचंदर राव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार पिछड़ा वर्ग आरक्षण के वादे को लेकर स्पष्टता का अभाव रखती है। उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस वादे करती है, वहीं दूसरी तरफ अपने ही फैसलों पर अमल नहीं करती।

उन्होंने कहा, यह नीति पिछड़े समुदायों के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाती है। केवल भाजपा ही पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में व्यावहारिक निर्णय ले रही है। सोमवार को दिल्ली में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए रामचंदर राव ने तेलंगाना सरकार की आलोचना की थी कि उसने पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण विधेयक केंद्र को भेजने से पहले कानूनी राय नहीं ली। उन्होंने कहा कि न्यायिक समीक्षा के बिना ऐसे मामलों को नौवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने तर्क दिया कि सर्वोच्च न्यायालय ने 1973 में केशवानंद भारती मामले और आईआर कोएलो मामले में स्पष्ट कर दिया था कि नौवीं अनुसूची में शामिल किसी भी कानून की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। भाजपा नेता ने कहा कि तमिलनाडु में आरक्षण से संबंधित मामला अभी भी सर्वोच्च न्यायालय में है। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण को नौवीं अनुसूची से जोड़े बिना लागू करे। उन्होंने आरोप लगाया कि चूंकि पार्टी स्थानीय निकायों के चुनाव कराने में ईमानदार नहीं है, इसलिए वह इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग कर रही है।

केसीआर, केटीआर ने दशरथी कृष्णमाचार्य को उनकी शताब्दी पर अर्पित की श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को क्रांतिकारी कवि दशरथी कृष्णमाचार्य को उनकी जन्मशती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने कवि को तेलंगाना का गौरवशाली पुत्र बताया, जिन्होंने अपने शब्दों के माध्यम से क्षेत्र के संघर्षों को अमर कर दिया।

कवि और लेखक की प्रसिद्ध पंक्ति 'ना तेलंगाना... कोटि रत्नाला वीणा' को याद करते हुए, चंद्रशेखर राव ने कहा, दशरथी ने उत्पीड़ितों के दर्द को आवाज़ दी और दुनिया भर में तेलंगाना की सांस्कृतिक पहचान को भी उजागर किया। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने दशरथी कृष्णमाचार्य साहित्य पुरस्कार की स्थापना की थी और आने वाली पीढ़ियों को उनकी विरासत याद रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए आधिकारिक तौर पर उनकी जयंती मनाई थी।

भट्टी ने सामाजिक-आर्थिक जाति सर्वेक्षण के बारे में मीडिया को जानकारी दी

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने आज राज्य सचिवालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की और तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा हाल ही में किए गए सामाजिक-आर्थिक जाति सर्वेक्षण के बारे में मीडिया को जानकारी दी। अपने संबोधन के दौरान, उप-मुख्यमंत्री ने सर्वेक्षण से पहले की घटनाओं के घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की और सरकार द्वारा अपनाए गए पारदर्शी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि जाति-आधारित सामाजिक-आर्थिक आंकड़े एकत्र करने का "तेलंगाना मॉडल" अब अपनी समावेशी और आंकड़ा-आधारित कार्यप्रणाली के लिए देशव्यापी ध्यान और प्रशंसा आकर्षित कर रहा है। भट्टी विक्रमार्क ने इस सर्वेक्षण की संकल्पना का श्रेय कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में इस तरह का सर्वेक्षण शुरू करने का विचार राहुल गांधी का था, और अब इसका राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रभाव पड़ा है, जिससे केंद्र सरकार आगामी राष्ट्रीय जनगणना में जाति-संबंधी आंकड़े शामिल करने पर विचार कर रही है। उन्होंने मीडिया को यह भी बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल, जिसमें स्वयं मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे, गुरुवार को नई दिल्ली आएगा। प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य तेलंगाना में जाति सर्वेक्षण की कार्यप्रणाली और कार्यान्वयन के बारे में कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को जानकारी देना है। इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल सभी दलों के सांसदों से मिलकर प्रस्तावित कानून के लिए समर्थन जुटाएगा, जो राष्ट्रीय जनगणना में जातिगत आंकड़ों को शामिल करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार व्यापक आंकड़ों पर आधारित सूचित नीति निर्माण के माध्यम से सामाजिक न्याय और समतामूलक विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

साइबराबाद पुलिस ने कंपनियों को घर से काम करने की दी सलाह

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के आईटी कॉरिडोर और उसके आसपास चल रही भारी बारिश को देखते हुए, साइबराबाद पुलिस ने एक आधिकारिक सलाह जारी की है जिसमें आईटी और कॉर्पोरेट कंपनियों से 22 जुलाई को अपने कर्मचारियों के लिए वर्क-फ्रॉम-होम (डब्ल्यूएफएच) व्यवस्था लागू करने पर विचार करने का आग्रह किया गया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) द्वारा जारी परामर्श में सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता देने, उत्पादकता बनाए रखने, यातायात की भीड़ को कम करने और आपातकालीन सेवाओं तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

एडवाइजरी में कहा गया है, साइबराबाद इलाके में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। कंपनियां मंगलवार, 22 जुलाई को वर्क फ्रॉम होम (डब्ल्यूएफएच) मोड अपनाने पर विचार कर सकती हैं। इस मामले में आपकी समझ और सहयोग के लिए हम आभारी हैं। इस कदम का उद्देश्य शहर के बुनियादी ढांचे पर बोझ को कम करना था, जो पहले से ही लगातार बारिश के कारण जलभराव और धीमी गति से चलने वाले यातायात से जूझ रहा है। यात्रियों से अनावश्यक यात्रा से बचने का आग्रह किया गया है तथा पुलिस ने आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त बढ़ा दी है।

तेलंगाना के 5727 डाकघरों में उन्नत डाक प्रौद्योगिकी की शुरुआत

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना डाक परिमंडल ने तेलंगाना परिमंडल के सभी 5727 डाकघरों में उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (APT) 2.0 परियोजना शुरू की है, जिसमें 32 प्रधान डाकघर, 689 उप डाकघर और 5006 शाखा डाकघर शामिल हैं। तेलंगाना परिमंडल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल डॉ. पी. वी. एस. रेड्डी ने मंगलवार को हैदराबाद जीपीओ में 2.0 के शुभारंभ में भाग लिया। उन्नत डाक प्रौद्योगिकी 2.0 का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करना है, डिजिटल उपकरणों और इंटरफेस का लाभ उठाकर तेज़, पारदर्शी और घर-द्वार तक पहुँच वाली डाक सेवाएँ सुनिश्चित करना है।

CLASSIFIEDS
CHANGE OF NAME

I, SUDAMA, F/O: HAV BABHULKAR YOGESH SUDAMA R/O: ZADEGAON, SHEGAON, BULDHANA, MAHARASHTRA – 444203 have changed my name from SUDAMA to SUDAMA DOLLAT BABHULKAR and my DOB is 01-01-1958 vide Affidavit dt.22-07-2025.

I, SANGEETA, M/O: HAV BABHULKAR YOGESH SUDAMA R/O: ZADEGAON, SHEGAON, BULDHANA, MAHARASHTRA – 444203 have changed my name from SANGEETA to SANGEETA SUDAMA BABHULKAR and my DOB is: 30-07-1969 vide Affidavit dt.22-07-2025.

I, HAV BABHULKAR YOGESH SUDAMA R/O: ZADEGAON, SHEGAON, BULDHANA, MAHARASHTRA – 444203 have changed my Daughter's name from RIYA to RIYA YOGESH BABHULKAR vide Affidavit dt.22-07-2025.

I, HAV BABHULKAR YOGESH SUDAMA R/O: ZADEGAON, SHEGAON, BULDHANA, MAHARASHTRA – 444203 have changed my Daughter's name from AAYUSHI to AYUSHI YOGESH BABHULKAR vide Affidavit dt.22-07-2025.

I, PUJABEN , W/O: EP ROAJASARA ASHOKBHAI DHANJIBHAI , R/O. 1 VALI BAZAR 1, ROJASAR, LIMBDI, SURENDRA NAGAR, GUJARAT-363427 have changed my name from PUJABEN to ROJASARA POOJABEN ASHOKBHAI vide Affidavit dt.21-07-2025 AT Hyderabad.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पड़ोसी ने 6 साल की बच्ची से किया बलात्कार

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगर शमशाबाद में छह साल की एक बच्ची के साथ उसके पड़ोसी ने कथित तौर पर बलात्कार किया। जानकारी के अनुसार, गुजरात निवासी एक दिहाड़ी मज़दूर ने कथित तौर पर घर के सामने खेल रही बच्ची को खाने का लालच दिया और उसे एक सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। अपराध को अंजाम देते समय वह शराब के नशे में था। बाद में बच्ची की माँ ने उसे खून बहता हुआ देखा और पूछताछ की। तब जाकर उसने बताया कि क्या हुआ था। शिकायत के आधार पर, आरजीआईए पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरार संदिग्ध को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

कतलापुर में किसानों ने दिया महाधरना

गोदावरी जल छोड़े जाने की मांग

जगतियाल, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कतलापुर मंडल के किसानों ने मंगलवार को महा-धरना दिया, जिसमें मांग की गई कि राज्य सरकार कालेश्वरम परियोजना से रिवर्स पंपिंग के माध्यम से गोदावरी नदी का पानी उठाकर बाढ़ प्रवाह नहर में छोड़े। कतलापुर के बस स्टैंड इलाके में विरोध प्रदर्शन किया गया, जिससे यातायात ठप हो गया। मंडल के सभी गांवों के किसानों ने इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया और देर से हुई बारिश के कारण जल संकट पर चिंता व्यक्त की। विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए, किसानों ने कहा कि खेती का मौसम शुरू होने के बावजूद, अपर्याप्त वर्षा और नहरों में पानी की कमी ने कृषि गतिविधियों को बुरी तरह प्रभावित किया है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह चल रहे कृषि कार्यों को सहारा देने के लिए कालेश्वरम परियोजना से पानी छोड़कर तत्काल कार्रवाई करे। बीआरएस नेताओं ने आंदोलनकारी किसानों को अपना समर्थन दिया।

कांग्रेस नेता पर नारायणखेड़ बीसी छात्रावास की लड़कियों से अनुचित व्यवहार का आरोप

संगारेड्डी, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणखेड़ स्थित बीसी आवासीय बालिका छात्रावास से यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के गंभीर आरोप सामने आए हैं, जिसमें छात्राओं और उनके अभिभावकों ने एक कांग्रेस नेता (जो वार्डन का बेटा भी है) पर बार-बार अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया है। सोमवार रात नारायणखेड़ पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत में छात्राओं ने आरोप लगाया कि हॉस्टल वार्डन सारदा के बेटे और नारायणखेड़ नगरपालिका के पूर्व कांग्रेस पार्षद राजेश चव्हाण नियमित रूप से हॉस्टल में घुसते थे, उन्हें अनुचित तरीके से छूते थे और सोते समय उनकी तस्वीरें लेते थे।

कई बार शिकायत के बावजूद, शारदा या छात्रावास के कर्मचारियों ने कथित तौर पर राजेश के राजनीतिक प्रभाव के कारण कोई कार्रवाई नहीं की। शिकायत के अनुसार, वह अक्सर नशे की हालत में परिसर में घुस जाता था, जिससे छात्रावास में रहने वाले, आस-पास के पॉलिटेक्निक और डिग्री कॉलेजों के छात्र, सदमे में और भयभीत हो जाते थे। छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने राजेश के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, तो हॉस्टल की कर्मचारी लक्ष्मी और रेणुका ने उनके साथ गाली-गलौज की। यह मामला तब प्रकाश में आया जब लड़कियों ने अपने माता-पिता को अपनी आपबीती बताई, और फिर उनके माता-पिता भी शिकायत दर्ज कराने में उनके साथ शामिल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और वार्डन सारदा को पूछताछ के लिए बुलाने की तैयारी कर रही है। छात्राओं के बयान दर्ज करने के लिए मंगलवार को छात्रावास का निरीक्षण किया गया।

फ्रिज में रखा मांस खाने से एक की मौत, सात बीमार

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर में एक दुखद घटना घटी। फ्रिज में रखे मांस को गर्म करके खाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात लोग अस्पताल में भर्ती हैं। यह घटना वनस्थलीपुरम थाना क्षेत्र के चिंतलकुंटा में हुई। पुलिस के अनुसार, चिंतलकुंटा आरटीसी कॉलोनी निवासी श्रीनिवास यादव रविवार को बोनालु के दौरान अपने घर मटन और बोटी लाए थे। उन्होंने रात में इसे पकाया और अपने परिवार के सदस्यों के साथ खाया।

बचा हुआ मांस फ्रिज में रखा था। सोमवार को परिवार के सदस्यों ने फ्रिज में रखे मांस को दोबारा गर्म करके खाया। खाना जहरीला था और उन्हें उल्टी और दस्त होने लगे। उन्हें तुरंत पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। श्रीनिवास यादव की हालत बिगड़ती गई और सोमवार सुबह उनकी मौत हो गई।

परिवार के बाकी सात सदस्यों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है।

कार्यक्रम में मासिक धर्म अपशिष्ट और स्वास्थ्य जोखिमों पर डाला गया प्रकाश

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मासिक धर्म अपशिष्ट और मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर इसके प्रभाव पर केंद्रित एक कार्यक्रम 'पीरियड. प्लैनेट. पावर. - इको एडिशन' सेंट ऐन्स कॉलेज फॉर विमेन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में इस वास्तविकता पर चर्चा हुई कि पारंपरिक सैनिटरी पैड प्लास्टिक से भरे होते हैं (लगभग चार प्लास्टिक बैग प्रति पैड के बराबर) और इन्हें सड़ने में सदियां लग जाती हैं। भारत में हर साल 1,00,000 टन से ज़्यादा मासिक धर्म अपशिष्ट उत्पन्न होता है, इसलिए प्रतिभागियों ने पर्यावरण के अनुकूल और शरीर के लिए सुरक्षित विकल्पों की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

यह कार्यक्रम वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजुला अनागानी द्वारा शुरू किए गए 'नो प्लास्टिक ऑन प्राइवेट' अभियान का हिस्सा था। इसे महिला स्वास्थ्य और मासिक धर्म जागरूकता पर काम करने वाले एनजीओ मरहम की संस्थापक डॉ. नबात लखानी का समर्थन प्राप्त था।

डॉ. मंजुला ने कहा कि यह पहल महिलाओं में बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं से प्रेरित है, जिनमें से कई सैनिटरी उत्पादों में प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों से जुड़ी हैं। डॉ. नबात लखानी ने कहा कि इस पहल के माध्यम से, हम सिर्फ मासिक धर्म के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम स्वस्थ, सुरक्षित और अधिक टिकाऊ विकल्पों की वकालत कर रहे हैं।

आर्थिक विवाद के बाद हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफनगर पुलिस ने रविवार रात किशननगर में एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। फर्नीचर वर्कशॉप में काम करने वाले शेख कबुला की 10,000 रुपये के भुगतान को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपी समीर और वसीम ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, कबूला ने अप्रैल में वसीम से किसी काम के लिए 10,000 रुपये उधार लिए थे, लेकिन वह पैसे नहीं चुका पाया, जिसके चलते उनके बीच विवाद चल रहा था। पिछले कुछ हफ़्तों में, कबूला और वसीम के बीच बकाया रकम को लेकर कई बार झगड़ा हुआ। हालांकि कुछ लोगों ने बीच-बचाव किया और कबूला से पैसे वापस करने का आग्रह किया, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया, जिससे रिश्ते और बिगड़ गए।

20 जुलाई को, समीर और वसीम ने कबूला को फोन किया और उसे आसिफनगर के नमक फ़ैक्टरी इलाके में मिलकर मामला सुलझाने के लिए बुलाया। आसिफनगर के एसीपी बी किशन कुमार ने बताया, कबूला ने उन्हें बताया कि वह जल्द ही आ जाएगा, क्योंकि वह झिरा की छोटी गली में कुछ लोगों के साथ था। यह बात पता चलने पर, समीर और वसीम छोटी गली गए, कबूला को देखा और उसे चाकू मारकर और उस पर पत्थर फेंककर मार डाला। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच के बाद समीर और वसीम को गिरफ्तार कर लिया।

तेलंगाना पॉलीसेट के अंतिम चरण में प्रवेश आज से

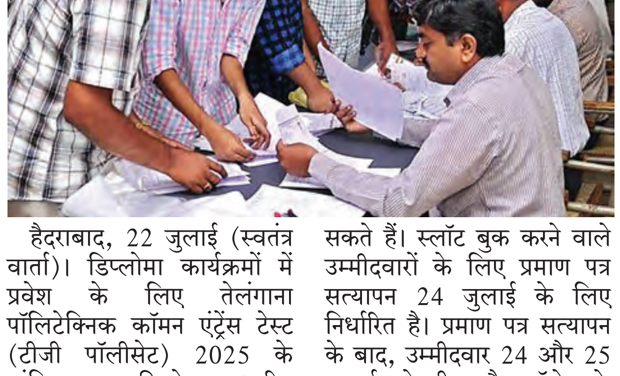

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्लोमा कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए तेलंगाना पॉलिटेक्निक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी पॉलीसेट) 2025 के अंतिम चरण की वेब-आधारित काउंसलिंग बुधवार से शुरू होने वाली है। टीजी पॉलीसेट 2025 योग्य उम्मीदवार वेबसाइट पर पंजीकरण कर सकते हैं, प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान कर सकते हैं और 23 जुलाई को प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए स्लॉट बुक कर सकते हैं। स्लॉट बुक करने वाले उम्मीदवारों के लिए प्रमाण पत्र सत्यापन 24 जुलाई के लिए निर्धारित है। प्रमाण पत्र सत्यापन के बाद, उम्मीदवार 24 और 25 जुलाई को सीट और कॉलेज के आवंटन के लिए वेब विकल्प का प्रयोग कर सकते हैं। अनंतिम सीट आवंटन 28 जुलाई को या उससे पहले किया जाएगा। उम्मीदवारों को वेबसाइट पर ऑनलाइन स्व-रिपोर्टिंग करके अपनी सीट आवंटन की पुष्टि करनी होगी और 28 या 29 जुलाई को शुल्क का भुगतान करना होगा।

अभ्यर्थियों को 28 से 30 जुलाई के बीच आवंटित कॉलेज में रिपोर्ट करना होगा, जबकि शैक्षणिक सत्र 28 जुलाई से शुरू होगा, तथा अभिविन्यास सत्र 28 से 30 जुलाई तक निर्धारित है। कक्षाएं 31 जुलाई से शुरू होंगी। अंतिम चरण के बाद, केंद्रीकृत आंतरिक स्लाइडिंग (एक ही कॉलेज के भीतर पाठ्यक्रम में परिवर्तन) दौर के लिए वेब विकल्प 2 और 3 अगस्त को खोले जाएंगे, और सीटें 5 अगस्त को या उससे पहले आवंटित की जाएंगी। जिन उम्मीदवारों को नई सीट आवंटित की जाती है, उन्हें 6 अगस्त को उसी कॉलेज में नई शाखा में रिपोर्ट करना होगा। सरकारी और निजी पॉलिटेक्निकों में तत्काल प्रवेश के लिए दिशानिर्देश 5 अगस्त को वेबसाइट पर डाल दिए जाएंगे और प्रवेश 11 अगस्त तक पूरा करना होगा।

सीएम योगी बोले-यूपी में वर्तमान कृषि उत्पादन से तीन गुना अधिक करने की क्षमता

लखनऊ, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज भी यूपी में सर्वाधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र कृषि है। लगभग तीन करोड़ किसान कृषि पर निर्भर करते हैं। इसके बाद सर्वाधिक रोजगार एमएसएमई दे रहा है। इसके माध्यम से 1.65 करोड़ लोग रोजगार प्राप्त करते हैं। सीएम ने कहा कि कृषि पलायन का नहीं, बल्कि खुशहाली का माध्यम बने। यह तभी संभव है, जब इस क्षेत्र में किए जाने वाले अनुसंधान का लाभ किसानों को दे पाएंगे। सीएम ने कहा कि यूपी विकसित होता है तो भारत को विकसित होने से कोई ताकत रोक नहीं सकती। हर व्यक्ति अपने क्षेत्र में ईमानदारी से प्रयास करता है तो उस लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के 36वें स्थापना दिवस में शिरकत की। सीएम ने प्रदर्शनी का अवलोकन और पुस्तिकाओं-न्यूज लेटर का विमोचन किया। उन्होंने राष्ट्रीय संगोष्ठी 'विकसित कृषि-विकसित उत्तर प्रदेश@ 2047' में अपने विचार भी रखे। सीएम ने कृषि वैज्ञानिकों, युवा प्रतिभाओं, एफपीओ आदि का सम्मान भी किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कृषि व कृषि अनुसंधान की दृष्टि से यूपी प्रकृति व परमात्मा की कृपा वाला प्रदेश है। हमारे पास विस्तृत और उर्वरा कृषि भूमि, पर्याप्त जल संसाधन है। दुनिया में यूपी एकमात्र ऐसा राज्य होगा, जिसका 86 फीसदी से अधिक भूभाग सिंचित है।

यहां केंद्र व राज्य सरकार के कृषि विश्वविद्यालयों का बेहतरीन संजाल है। यूपी सरकार पहले से चार कृषि विवि संचालित कर रही है। पांचवां विवि भी स्थापित हो रहा है। केंद्र सरकार द्वारा भी प्रदेश में पहले से ही कृषि विवि संचालित हो रहे हैं और कृषि अनुसंधान के लिए 15 से अधिक संस्थान कार्यरत हैं। 89 कृषि विज्ञान केंद्र भी अपनी विशेषज्ञता का लाभ किसानों को प्रदान करते हैं। इसके बावजूद किसानों की स्थिति चौंकाने वाले तथ्य प्रस्तुत करती है। प्रदेश के बमुश्किल 25 से 30 फीसदी किसान ही ऐसे हैं, जो वैज्ञानिक शोध व अनुसंधान के कार्यों को प्रभावी ढंग से खेती में लागू कर पा रहे हैं।

यूपी की भूमि से तीन गुना अधिक लिया जा सकता उत्पादन

उन्होंने कहा कि देश की आबादी का 16 फीसदी हिस्सा यूपी में निवास करता है। देश के कृषि योग्य कुल भूमि का केवल 11 फीसदी यूपी में है। इस भूमि पर देश का 20 फीसदी से अधिक खाद्यान्न उत्पादन हो रहा है। हालांकि यूपी की भूमि के समतलीकरण, उर्वरता, जल संसाधन को देखते हुए इससे तीन गुना अधिक उत्पादन लिया जा सकता है, लेकिन इसके लिए कृषि शोध, विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। सीएम ने कहा कि वही देश विकसित हुए हैं, जिन्होंने अधिकाधिक शोध और विकास पर ध्यान दिया। उनका क्षेत्र अलग हो सकता है। जिसने जिस क्षेत्र में कार्य किया, वह वहां आगे बढ़ा।

मथुरा में महिला सिपाही से गैंगरेप

तैनात दरोगा और उसके दोस्त ने नशीला जूस पिलाकर की दरिंदगी, विडियो बनाया-सस्पेंड

मथुरा, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मथुरा में महिला सिपाही के साथ दरोगा और उसके साथी ने गैंगरेप किया। सिपाही का आरोप है कि दरोगा ने उसे फार्म हाउस में मिलने के लिए बुलाया। वहां नशीला जूस पिलाकर उसके साथ रेप किया और न्यूड वीडियो बना लिए। आरोपियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़ित सिपाही को झांसी और मुरादाबाद बुलाया। यहां भी उसके साथ दरिंदगी की। आरोपी दरोगा झांसी के चिरगांव थाने में तैनात है। महिला कॉन्स्टेबल ने जमुनापार थाने में बागपत निवासी दरोगा रविकांत और उसके साथी मुरादाबाद निवासी दीक्षांत के खिलाफ गैंगरेप का मुकदमा दर्ज कराया है।केस दर्ज होने के बाद आरोपित दरोगा को सस्पेंड कर दिया गया है।

'जीवन में उतार-चढ़ाव होता रहता है अपना गम-शिकवा शेयर किया'

सीएम योगी से मुलाकात पर बोले बृजभूषण

गोंडा,, 22 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने बताया कि इस मुलाकात के दौरान उनके बीच क्या बात हुई. बृजभूषण के मुताबिक, वो 31 महीने बाद योगी से मिले. इसमें कुछ भी पॉलिटिकल नहीं था. बस अपना गम-शिकवा शेयर किया. वैसे भी मेरे मुख्यमंत्री से 56 साल से संबंध हैं।

मीडिया से बातचीत में बृजभूषण शरण सिंह ने कहा- जीवन में उतार चढ़ाव होता रहता है. करीब 31 महीने बाद योगी जी से मिला हूं. 2023 जनवरी में मुझपर आरोप लगा था तब से सीएम से कोई बात नहीं हुई थी. जब मुझपर आरोप लगा था तभी तय कर लिया था कि ये लड़ाई मेरी है और मैं ही इसे लड़ूंगा. बृजभूषण ने आगे कहा कि जनवरी 2023 में सीएम का कार्यक्रम रद्द हुआ था, तब से मैं उनसे दूर हुआ. मैंने तभी कहा था जब वो बुलायेंगे तो ही मिलने जायेंगे, अब जब उन्होंने मुझे बुलाया तो मैं मिलने पहुंच गया. आप कह सकते हैं मुलाकात में परिवार के दो लोगों ने अपना गम-शिकवा शेयर किया, इसमें कुछ भी पॉलिटिकल नहीं है।

गौरतलब है कि बृजभूषण और योगी की इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट कहा जा रहा है, मगर सियासी गलियारों में इसे एक बड़े राजनीतिक डेवलपमेंट के तौर पर देखा जा रहा है. पूर्वांचल की राजनीति और 2027 के चुनावी समीकरणों के लिहाज से ये मुलाकात बेहद अहम मानी जा रही है. कहा जा रहा है कि यह मुलाकात दोनों नेताओं के बीच काफी टाइम से बंद संवाद को फिर जारी कर सकती है. यह भी कहा जा रहा है कि दोनों को करीब लाने की कोशिश केंद्रीय नेतृत्व के इशारे पर हुई है. ताकि, 2027 के चुनाव में पार्टी में एकजुटता का संदेश जाए। मालूम हो कि बृजभूषण बीजेपी के कई बार के सांसद रहे हैं।

कुरौता स्टेशन के पास अज्ञात युवती का शव बरामद, पुलिस मामले की जांच में जुटी

लखीसराय, 22 जुलाई (एजेंसियां)। लखीसराय नगर थाना क्षेत्र के कुरौता स्टेशन के पास मंगलवार सुबह एक अज्ञात युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

शव मिलने की सूचना स्थानीय लोगों ने 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को दी, जिसके बाद नगर थानाध्यक्ष सुनील साहनी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस के अनुसार, शव पानी में पड़ा हुआ था, जिसे ग्रामीणों ने निकालकर सड़क किनारे रख दिया था। युवती की उम्र लगभग 15 से 20 वर्ष के बीच बताई जा रही है। घटनास्थल पर एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है, जो तकनीकी साक्ष्य जुटाने में जुटी हुई है।

हालचाल पूछा, फिर पत्नी के सामने पति की हत्या

बेगूसराय, 22 जुलाई (एजेंसियां)। बेगूसराय में सोमवार रात अपराधियों ने पत्नी के सामने उसके पति की गोली मारकर हत्या कर दी। हरेराम पासवान उर्फ हरिया (42) के सिर में 3 गोलियां लगी हैं। घटना रात 8 बजे डंडारी थाना क्षेत्र की है। परिजनों के मुताबिक, हरेराम पासवान अपनी पत्नी के साथ मछली खरीद कर घर लौट रहा था। इस दौरान पहले से घात लगाए अपराधियों ने राजोपुर गांव में बूढ़ी गंडक के पास हाल-चाल पूछने के बहाने रोका। फिर सिर में गोली मारकर फरार हो गए। वारदात के बाद परिजन और ग्रामीणों ने हंगामा किया। लोगों ने मौके पर पहुंची डंडारी थाने की पुलिस पर हमला कर दिया। पत्थरबाजी में थानाध्यक्ष विवेक कुमार को चोट लगी है। बताया जा रहा है मछली मारने के धंधे में विवाद के बाद हत्या को अंजाम दिया गया।

वाराणसी में चाचा को जमीन पर पटककर मार डाला

वाराणसी, 22 जुलाई (एजेंसियां)। वाराणसी में 2 भाइयों ने चाचा को जमीन पर पटक कर मार डाला। साथ ही चचेरे भाई को भी जमीन पर गिरा-गिराकर पीटा। पड़ोसियों ने बीच-बचाव किया। दोनों के बीच विवाद घर के सामने दीवार खड़ी करने को लेकर शुरू हुआ था। मारपीट की घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बुजुर्ग की बहू की तहरीर पर पुलिस ने दोनों भाइयों पर केस दर्ज कर दो आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

बिहार विधानसभा में मार्शल-विपक्ष के विधायकों में धक्का-मुक्की

टेबल पलटने की कोशिश की-नीतीश कुमार खड़े होकर ताली बजाने लगे

पटना, 22 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में मानसून सत्र के दूसरे दिन जोरदार हंगामा हुआ। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के विधायक हंगामा करने लगे। विपक्षी विधायक वेल में आकर प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान 'नीतीश कुमार मुर्दाबाद', नीतीश कुमार हाय-हाय', 'नीतीश कुमार चुप्पी तोड़ो' के नारे लगे।

सदन में विधायकों और मार्शल में धक्का-मुक्की हुई। टेबल पलटने की कोशिश की गई। विपक्षी विधायकों के ताली बजाने पर सीएम नीतीश ने उठकर हंसते हुए ताली बजाने लगे। ये सब कुछ सदन के अंदर चलता रहा, लेकिन इसके फुटेज उपलब्ध नहीं हैं। स्पीकर बार-बार विपक्ष को अपनी जगह पर बैठने के लिए बोलते रहे। विपक्ष के विधायक नहीं माने और हंगामा जारी रहा। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही महज 21 मिनट ही चली। सदन को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्ष लॉ एंड ऑर्डर और वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है।

स्पीकर बोले-आपका मकसद केवल हंगामा करना है

स्पीकर ने कहा, 'मैं विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति देता हूं, लेकिन आप लोग पहले बैठिए।' इसके बाद भी हंगामा कर रहे विधायक नहीं माने और नारेबाजी जारी रही। इसके बाद स्पीकर ने कहा, 'आपके पास कोई मुद्दा नहीं है।' विपक्ष के विधायक काले कपड़ों में सदन पहुंचे। कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा के पोर्टिको के बाहर जमकर नारेबाजी की। मेन गेट को जाम कर दिया। स्पीकर नंदकिशोर यादव समेत सत्ता पक्ष के विधायकों को अंदर जाने से रोका गया। इसके बाद बैक गेट का ताला तोड़ा, जहां से सीएम नीतीश, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी समेत सत्ता पक्ष के विधायक सदन के अंदर गए। विपक्ष एसआईआर पर विधानसभा में चर्चा चाहता है, लेकिन सरकार फिलहाल इससे बच रही है।

भाई वीरेंद्र बोले-जाति देखकर एनकाउंटर हो रहा

राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा, 'हमलोग वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ नहीं हैं। गरीब-दलितों का नाम काटा जा रहा है, उसके खिलाफ हैं। हम लोकतंत्र की हत्या होने नहीं देंगे।' वहीं आरा में हुई मुठभेड़ पर कहा, 'सरकार और पुलिस जाति देखकर गोलियां चलवा रही है।' कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा, 'सरकार को समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करें।' उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर कहा कि 'सदन में जेपी नड्डा के व्यवहार से आहत होकर उन्होंने ऐसा कदम उठाया है।'

सांसद इकरा हसन पर आपत्तिजनक टिप्पणी का विरोध

कुशीनगर में सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, एडीएम को ज्ञापन सौंपा

पडरौना, 22 जुलाई (एजेंसियां)। कुशीनगर के रविन्द्र नगर स्थित कलेक्ट्रेट पर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन कैराना की सांसद इकरा हसन के खिलाफ करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में किया गया। प्रदर्शनकारियों ने एडीएम वैभव मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। उनका कहना था कि सांसद के खिलाफ की गई टिप्पणी अमर्यादित है। यह महिलाओं के सम्मान और संवैधानिक मूल्यों का अपमान है। प्रदर्शनकारियों ने इस बयानबाजी को समाज में विभाजन पैदा करने वाला बताया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इकरा हसन एक शिक्षित और लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सांसद हैं। उनके खिलाफ की गई टिप्पणी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और सशक्तिकरण के विरुद्ध है। उन्होंने मांग की कि आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

जिम संचालक को गोलियों से भूना

बेटी बोली-जिन्हें पापा ने छुड़ाया उन्होंने ही मार डाला, मां ने कहा-आरोपियों का एनकाउंटर हो

मुगलसराय, 22 जुलाई (एजेंसियां)। चंदौली में जिम संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। चार बाइक पर आए 8 बदमाशों ने जिम संचालक को नीचे मिलने के लिए बुलाया। बाहर आते ही उस पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी।

कारोबारी के सिर, गर्दन और पीठ पर कुल 8 गोली लगी। जिम संचालक लहूलुहान हालत में जमीन पर गिरकर तड़पने लगा। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग भागकर मौके पर पहुंचे। लोगों को आते देख बदमाश फायरिंग करते हुए फरार हो गए। सूचना पर पुलिस और परिजन पहुंचे। गंभीर रूप से घायल जिम संचालक को पुलिस हॉस्पिटल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना सोमवार रात साढ़े 11 बजे मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के धरना गांव की है। पुलिस ने घटना स्थल से 7 खोखे और 5 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। सुरक्षा को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई है।

पाकिस्तानी वीडियो शेयर कर कहा-मुस्लिमों को काट रहे

> यूपी में कांवड़ यात्रा में साजिश, 3 गिरफ्तार > डीआईजी बोले-आईएसआई से कनेक्शन

मुजफ्फरनगर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर पुलिस ने कांवड़ यात्रा में एक बड़ी साजिश का खुलासा किया है। पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनका मकसद सावन के दूसरे सोमवार को कांवड़ यात्रा के दौरान सांप्रदायिक दंगा फैलाना था। पुलिस के मुताबिक, इन तीनों ने पाकिस्तान का एक पुराना वीडियो मुरादाबाद जिले का बताकर वायरल किया। वीडियो में एक शख्स अपने बच्चों और पत्नी की हत्या करता दिख रहा है। वीडियो के साथ एक ऑडियो भी लगाया गया है। जिसमें कहा गया कि मंसूरपुर गांव में बजरंग दल के लोग मुसलमानों के घरों में घुसकर हत्या कर रहे हैं। 50 से ज्यादा मुस्लिमों की हत्या हो चुकी है।

बड़ी साजिश के तहत वीडियो वायरल किया गया

पुलिस के अनुसार, यह वीडियो एक बड़ी साजिश को अंजाम देने के तहत वायरल किया गया है। कांवड़ यात्रा के दौरान इस वीडियो का सामने आना इसी ओर इशारा कर रहा है। इसमें पाकिस्तानी कनेक्शन की भी जांच की जा रही है। इनका इरादा लोगों को भड़काकर आतंकी हमलों को अंजाम देना था। इस साजिश में शामिल इनके अन्य साथियों के नाम भी सामने आए हैं। सहारनपुर के डीआईजी अभिषेक सिंह ने बताया कि यह वीडियो सोच-समझकर खास समुदाय के खिलाफ भड़काने और दंगा फैलाने के उद्देश्य से वायरल किया गया। 4 वॉट्सऐप ग्रुप की पहचान की गई है, जिसमें सैकड़ों सदस्य जुड़े हैं। पुलिस अन्य राज्यों और जिलों में भी छापेमारी कर रही है, ताकि इस गिरोह के बाकी सदस्यों को गिरफ्तार किया जा सके। यह वीडियो पाकिस्तान का है। इस घटना का आईएसआई से भी कनेक्शन हो सकता है. डीआईजी ने बताया-थाना ककरौली पुलिस को सूचना मिली कि गांव ककरौली के कुछ युवक वॉट्सऐप ग्रुप पर एक संदिग्ध और खतरनाक वीडियो और ऑडियो वायरल कर रहे हैं। इसमें एक घर में महिला और छोटे-छोटे बच्चों की खून से सनी लाशें पड़ी हैं।

सड़क हादसा में दो कांवड़ियों की मौत

छपरा, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सारण जिले में सावन माह की पवित्र कांवड़ यात्रा के दौरान एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो कांवड़ यात्रियों की मौत हो गई। यह हादसा सोमवार की देर रात रिविलगंज थाना क्षेत्र के एनएच-19 पर हुआ। मृतकों की पहचान जनता बाजार थाना क्षेत्र के दयालपुर गांव निवासी दीपक कुमार साह और दीपक कुमार मांझी के रूप में हुई है। दोनों आपस में गहरे दोस्त थे और एक साथ बिहार पुलिस की तैयारी कर रहे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सावन के पवित्र अवसर पर श्रद्धालुओं का जत्था सेमरिया घाट स्थित सरयू नदी से जल लेकर जनता बाजार स्थित बाबा ढोढनाथ मंदिर जलाभिषेक के लिए रवाना हुआ था।

अंतिम चरण में 'मेरा प्रखंड, मेरा गौरव' प्रतियोगिता

पर्यटन विभाग की पहल से हुई थी शुरू; अब तक क्या हुआ

पटना, 22 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित मेरा प्रखंड, मेरा गौरव प्रतियोगिता अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है।

इस प्रतियोगिता का मकसद राज्य के अलग-अलग प्रखंडों में मौजूद उन खास पर्यटन स्थलों की पहचान करना है, जो अब तक अनदेखे या कम चर्चित रहे हैं, लेकिन ऐतिहासिक, धार्मिक या सांस्कृतिक रूप से बेहद अहम हैं। इस प्रतियोगिता के तहत अब तक बिहार के 13 प्रखंडों से चुने गए खास पर्यटन स्थलों की सूची तैयार की जा चुकी है। इन स्थलों का चयन ज्यूरी ने किया है। अब जनता को मौका दिया गया है कि वे इनमें से अपने पसंदीदा स्थल को वोट देकर "पिपुल्स चॉइस अवॉर्ड" का विजेता बना सकते हैं। वोटिंग की प्रक्रिया 8 अगस्त तक खुलेगी। कोई भी व्यक्ति पर्यटन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने मनपसंद पर्यटन स्थल को वोट कर सकता है। दरअसल, यह

प्रतियोगिता पिछले वर्ष 2 अक्तूबर से 1 नवंबर के बीच आयोजित की गई थी। इसमें प्रतिभागियों से उनके प्रखंड के ऐसे स्थल के बारे में जानकारी देने को कहा गया था, जो कम प्रसिद्ध होते हुए भी पर्यटन की दृष्टि से अहम हो सकते हैं। प्रतिभागियों को उस स्थल से जुड़ी तमाम जानकारी देनी थी।

फिर हर जिले में बनी चयन समिति ने प्रखंड स्तर की प्रविष्टियों की जांच की और उनमें से बेहतर प्रविष्टियों को पर्यटन विभाग को भेजा गया। इसके बाद विषय विशेषज्ञों की एक ज्यूरी ने 13 स्थलों का चयन किया, जिन्हें अब जनता के सामने प्रस्तुत किया गया है।

बहू ने आटे में मिलाया जहर-पूरे परिवार के खात्मे का था प्लान

कौशांबी, 22 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के कौशांबी जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। करारी क्षेत्र के मलकिया गांव में रविवार रात एक महिला अपने ही परिवार के जान की दुश्मन बन गई। आरोप है कि उसने आटे में जहर मिला दिया। पति की शिकायत पर पुलिस ने महिला सहित उसके भाई व पिता के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। तीनों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया। मलकिया (बजहा खुर्रमपुर) निवासी बृजेश कुमार मौर्य सऊदी अरब में हेल्पर है।

ढाई माह पूर्व वह घर आया था। बृजेश ने बताया कि रविवार शाम करीब सात बजे उसकी पत्नी मालती खाना बना रही थी। आरोप है कि आटा गूंथते समय बृजेश को जहरीले पदार्थ की

एक चूक से पकड़ी गई

दुर्गंध आई। उसने देखा कि आटे का रंग थोड़ा काला है। सूंघने पर पूरा माजरा समझ में आ गया। बृजेश कुमार के अनुसार, मालती से पूछा तो उसने कहा कि वह परिवार से तंग आ गई है। सभी को जहरीला खाना खिलाकर मारना चाहती है। यह सलाह उसके पिता कल्लू प्रसाद व भाई बजरंगी निवासी मनौरी ने फोन पर दी है।

पिता कल्लू व भाई बजरंगी भी हिरासत में

बृजेश ने फौरन डॉयल-112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तहरीर लेकर मालती सहित उसके मायके में छापा मारकर पिता कल्लू व भाई बजरंगी को हिरासत में लिया। इंस्पेक्टर विनीत सिंह ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सोमवार को न्यायालय में पेश कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। इसके अलावा गूंथे हुए आटे के सैंपल को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा।

मोबाइल पर बातचीत को लेकर पति से होता था झगड़ा

बृजेश कुमार मौर्य ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2014 में प्रयागराज जिले के पूरामुफ्ती कोतवाली के मनौरी बाजार में मालती देवी के साथ हुई थी। उसके दो बच्चे हैं। वह सऊदी अरब में ही रहता था। जबकि, पत्नी व बच्चे संयुक्त परिवार के साथ रहते हैं। बृजेश का आरोप है कि उसकी गैर मौजूदगी में मालती देवी फोन पर घंटों किसी से बात करती थी। मना करने पर वह झगड़ा करती थी।

अमरोहा-संभल और मुरादाबाद-अब रामपुर, ड्रोन के शोर में गांवों में चेक हो रहीं आईडी; रातभर पहरा दे रहे ग्रामीण

मुरादाबाद, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मुरादाबाद मंडल के सैकड़ों गांवों में ड्रोन की दहशत बराबर है। गांव-गांव युवाओं ने टोलियां बना ली हैं और बाहर से आने वाले लोगों की आईडी चेक करने के बाद ही एंट्री दे रहे हैं। पुलिस भी लगातार गांव-गांव घूम कर लोगों को जागरूक कर रही है कि बेवजह परेशान न हों और सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो और पोस्ट शेयर करने से बचे जिससे माहौल खराब हो रहा है। मुरादाबाद मंडल के अमरोहा जिले में सबसे पहले ड्रोन उड़ने की चर्चा शुरू हुई थी। अमरोहा से संभल और फिर मुरादाबाद से होते हुए ड्रोन उड़ने की अफवाह रामपुर तक पहुंच गई। पिछले दो दिन से शहर के मोहल्लों में ड्रोन उड़ने के दावे किए गए। कांठ, छजलैट, पाकबड़ा, मैनाठेर, भोजपुर, भगतपुर मझोला, मूंढापांडे, कुंदरकी और कटघर क्षेत्र के गांवों में लोगों के बीच दिनभर ड्रोन उड़ने की चर्चा रहती और रात होते ही फिर ड्रोन उड़ रहे हैं का शोर मचने लगता है। इससे बचने के लिए कई गांवों में पुलिस के साथ ही लोग भी गश्त कर रहे हैं। बाहर से आने वाले लोगों से पूछताछ की जा रही है। उनकी आईडी चेक करते हैं। अगर आईडी नहीं दिखा पा रहे हैं तो उन लोगों से फोन पर बात करते हैं जिनके घर यह बाहरी लोग जा रहे हैं। मूंढापांडे, कुंदरकी, पाकबड़ा और सिविल लाइंस में तो अफवाह की वजह से कई लोगों के साथ मारपीट की जा चुकी है। डीआईजी मुनिराज जी ने बताया कि मंडल के सभी जिलों में पुलिस अलर्ट हैं और लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि ड्रोन को लेकर अफवाह न फैलाई जाए। ड्रोन रखने वालों का पुलिस सत्यापन करेगी। इसके लिए डीआईजी मुनिराज जी ने मंडल के सभी जिलों के पुलिस कप्तानों को निर्देश दिए हैं। डीआईजी ने बताया ड्रोन को लेकर अफवाह ज्यादा है जिसको शांत करने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है और जहां-जहां सूचनाएं आ रही हैं।

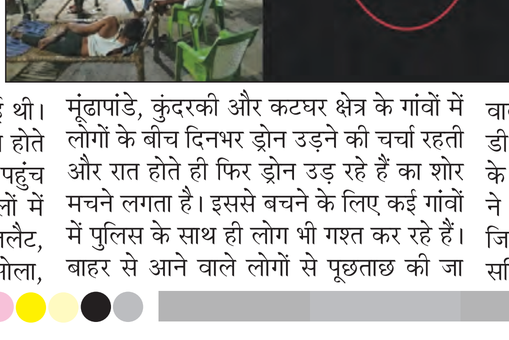

दुष्कर्म की झूठी शिकायत दर्ज कराने पर मुकदमा

पुणे, 22 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस ने एक आईटी पेशेवर के खिलाफ दुष्कर्म की झूठी शिकायत करने पर मुकदमा दर्ज किया है। महिला ने झूठा दावा किया था कि पुणे में उसके अपार्टमेंट में एक व्यक्ति ने उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने तीन जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि एक डिलीवरी एजेंट उसके फ्लैट में घुस आया। उसने कोई रसायन छिड़ककर उसे बेहोश कर दिया। इसके बाद दुष्कर्म किया। महिला ने दावा किया था कि उस व्यक्ति ने उनके फोन से एक सेल्फी ली और एक संदेश लिखकर धमकी दी कि अगर उन्होंने इस घटना के बारे में बताया तो वह उनकी तस्वीरें वायरल कर देंगे। पुलिस को जांच में पता चला कि डिलीवरी एजेंट उस महिला का मित्र था जो उसकी सहमति से फ्लैट पर आया था।

कौन है सैमुएल जिसने आखिरी वक्त में नर्स निमिषा को दिया धोखा

35 लाख का चंदा कर गया हजम

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। निमिषा प्रिया को बचाने में जुटे निमिषा सेव इंटरनेशनल काउंसिल के लोग आपस में ही सिरफुटौव्वल करने लगे हैं। चंदा और क्रेडिट की लड़ाई ने काउंसिल के भीतर बवाल खड़ा कर दिया है। तलाल अब्दो महदी के परिवार ने काउंसिल के सदस्य सैमुएल जेरोम पर चंदा खाने का आरोप लगाया है। मुताबिक तलाल अब्दो के भाई ने फेसबुक पर पोस्ट लिखकर सैमुएल पर ब्लड मनी के लिए 35 लाख रुपए फर्जी तरीके से वसूलने का आरोप लगाया है। इन पैसों के बारे में निमिषा के परिवार को भी नहीं बताया। सैमुएल काउंसिल का मुख्य सदस्य है, जो यमन की राजधानी सना में रहता है।

सैमुएल पर काउंसिल ने एक्शन लिया

तलाल के भाई ने जैसे ही सैमुएल पर पैसा खाने का आरोप लगाया है, वैसे ही निमिषा इंटरनेशनल काउंसिल हरकत में आ गई। काउंसिल के लीगल एडवाइजर के मुताबिक सैमुएल को काउंसिल से हटा दिया गया है। सैमुएल से दूतावास के जरिए गलत तरीके से पैसे लेने का आरोप है। सैमुएल ही अब तक पीड़ित अब्दो परिवार से बातचीत में अहम भूमिका निभा रहा था। सैमुएल फिलहाल यमन में ही मौजूद है। अब्दो परिवार के मुताबिक उसने खून के नाम पर दलाली की है, जिसका उनके पास ठोस सबूत है। सैमुएल तामिल मूल का है और यमन में ही रहता है। निमिषा के जेल जाने के बाद ही वो इस केस में एक्टिव हो गया। कई बार उसने निमिषा से जेल में मुलाकात की। निमिषा केस में सबसे मुखर वक्ता सैमुएल ही था।

पूरे केस में सैमुएल की अलग ही थ्योरी

सैमुएल ने अपने ऊपर लगे आरोपों पर सफाई देते हुए कहा है कि पूरा विवाद ग्रांड मुफ्ती की एंट्री के बाद शुरू हुआ है। अबूबकर भारत से ही इस मामले को हैंडल करना चाहते हैं, जिसके कारण केस की स्थित और कमजोर हो गई है। सैमुएल के मुताबिक ग्राउंड पर कोई एक्शन नहीं दिख रहा है। उन्होंने पूरे मामले में जांच कराने की भी बात कही है।

वहीं सैमुएल और इंटरनेशनल काउंसिल के बीच की अदावत ने निमिषा प्रिया की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ा दी है। निमिषा प्रिया की जान ब्लड मनी पर बातचीत को लेकर बची है। कहा जा रहा है कि जिस तरीके से सैमुएल केस के जरिए तलाल के परिवार ने निशाना साधा है, उससे आगे की राह और कठिन नजर आ रहा है।

निमिषा प्रिया का पूरा केस क्या है

केरल की नर्स निमिषा प्रिया पर साल 2017 में अपने बिजनेस पार्टनर तलाल अब्दो की हत्या का आरोप लगा। पुलिस के चार्जशीट के मुताबिक निमिषा ने तलाल को पहले इंजेक्शन देकर मारा और फिर उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए।

2020 में निमिषा को पहली बार फांसी की सजा सुनाई गई। हूती की सर्वोच्च इकाई ने निमिषा को फांसी देने के लिए 16 जुलाई की तारीख भी मुकर्रर की थी, लेकिन ग्रांड मुफ्ती अबूबकर के हस्तक्षेप की वजह से उस वक्त निमिषा की जान बच गई। यमन कानून के मुताबिक निमिषा की जान तभी बच पाएगी, जब ब्लड मनी को लेकर तलाल परिवार से उसकी बातचीत फाइनल हो जाएगी।

बुजुर्ग महिला के साथ फ्रॉड, साइबर ठगों ने लूटे 7.88 करोड़ रुपये

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। महानगर की 62 वर्षीय एक महिला को शेयर बाजार में भारी लाभ के लिए निवेश करने का लालच देकर साइबर ठगों ने कथित तौर पर 7.88 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। पश्चिम क्षेत्र साइबर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि ठगों ने खुद को एक प्रसिद्ध वित्तीय सेवा कंपनी का प्रतिनिधि बताकर बांद्रा क्षेत्र की निवासी महिला को से पिछले दो महीनों में यह ठगी की। महिला ने पुलिस में की गई शिकायत में बताया कि उसे एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप पर मैसेज प्राप्त हुआ था। मैसेज भेजने वाले ने खुद को महिला बताया और पीड़िता से कहा कि वह कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी की सहायक है और उसने शेयर निवेश के बारे में बातचीत शुरू की।

इसके बाद महिला को कंपनी अधिकारी का संपर्क नंबर और एक वेबसाइट का लिंक भेजा गया। उसे एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया और फिर एक और व्यक्ति से परिचय कराया गया, जिसने भी खुद को वित्तीय कंपनी से जुड़ा हुआ बताया। पुलिस ने बताया कि महिला के आग्रह पर पीड़िता ने कुछ समय में कई बैंक खातों में कुल 7,88,87,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब उसने अपनी रकम निकालने की कोशिश की, तो उससे 10 प्रतिशत अतिरिक्त जमा करने को कहा गया।

कुछ संदिग्ध लगने पर, महिला ने पूछताछ करने का फैसला किया, जिससे धोखाधड़ी का पता चला। अधिकारी ने बताया कि ऑनलाइन साइबर शिकायत पोर्टल पर दर्ज कराई गई महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पाकिस्तानी महिला ने फरीदाबाद के अस्पताल में जुड़वा बच्चों को दिया जन्म

फरीदाबाद, 22 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे हरियाणा के फरीदाबाद स्थित बादशाह खान सिविल अस्पताल में एक पाकिस्तानी महिला ने जुड़वा बच्चों (एक बेटे और एक बेटी) को जन्म दिया है। यह महिला अपने पति और बच्चों के साथ कुछ महीनों पहले टूरिस्ट वीजा पर पाकिस्तान से भारत आई थी।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, फिलहाल महिला और दोनों नवजात स्वस्थ हैं और डॉक्टरों की निगरानी में हैं। महिला की पहचान दुर्गा के रूप में हुई है। दुर्गा अस्पताल के बेड पर अपने नवजात बच्चों के साथ दिखाई दी। दुर्गा का कहना है कि वह चार-पांच महीने पहले पाकिस्तान से अपने पति और दो बेटियों के साथ भारत आई थी। हालांकि, उसके पति पुरुषोत्तम ने बताया कि उनकी पहले से ही पांच बेटियां हैं और अब जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद कुल सात बच्चे हो गए हैं। दुर्गा का कहना है कि पाकिस्तान में हिंदू समुदाय पर अत्याचार बढ़ते जा रहे थे, इसी कारण वह टूरिस्ट वीजा लेकर भारत आई। वह भारत में मिल रही सुरक्षा और सुविधाओं से संतुष्ट है और अपने बच्चों का भविष्य यहीं देखती है। दुर्गा ने यह भी कहा कि उसके नवजात भारत में पैदा हुए हैं, इसलिए उन्हें भारत की नागरिकता मिलनी चाहिए।

जब दुर्गा से यह पूछा गया कि हाल ही में भारत सरकार ने भारत-पाक युद्ध के समय पाकिस्तान से आए नागरिकों को वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू की है, तो उसने साफ किया कि वह और उसका परिवार अब पाकिस्तान नहीं जाना चाहते। वहीं, दुर्गा के पति पुरुषोत्तम ने भी भारत में ही बसने की इच्छा जताई है। उन्होंने बताया कि वह भाटी माइंस इलाके में अपने परिवार के साथ रहते हैं, जहां कई अन्य पाकिस्तानी परिवार भी वर्षों से रह रहे हैं।

भारी बारिश से हालात खराब, इन जिलों में बंद किए गए स्कूल

जम्मू, 22 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर के रियासी जिले में पिछले 12 घंटों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जिला प्रशासन ने मंगलवार (22 जुलाई) को सभी सरकारी और निजी स्कूलों को बंद रखने का फैसला किया है। यह निर्णय छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। रियासी के मुख्य शिक्षा अधिकारी ने कहा, खराब मौसम की स्थिति को देखते हुए जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूल 22 जुलाई को बंद रहेंगे। राजौरी जिले में भी हालात ऐसे ही हैं। भारी बारिश से निचले इलाकों में पानी भर गया है। धरहाली और साकतोह नदियों के जलस्तर में वृद्धि के कारण कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। राजौरी के जिला मजिस्ट्रेट ने घोषणा की है कि खराब मौसम के कारण राजौरी जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूल मंगलवार को बंद रहेंगे।

पुलिस कांस्टेबल के साथ टॉर्चर मामले में एससी का फैसला- 50 लाख रुपये का मुआवजा दें

जम्मू, 22 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर में एक मामला सामने आया है। जम्मू-कश्मीर के पुलिस कांस्टेबल के साथ टॉर्चर हुआ। इसी के बाद हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद कांस्टेबल ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को कांस्टेबल को हिरासत में प्रताड़ित करने के मामले की जांच अपने हाथ में लेने का निर्देश दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने जम्मू-कश्मीर सरकार को निर्देश दिया कि वो खुर्शीद अहमद चौहान को उनके साथी राज्य कार्यकर्ताओं की हिरासत में "जानलेवा चोटों" के लिए 50 लाख रुपये का मुआवजा दे। कोर्ट ने केंद्रीय एजेंसी को जांच करने और अपराधियों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। कथित घटना 17 फरवरी, 2023 की है, जब चौहान को कुपवाड़ा के पुलिस उपाधीक्षक ने ड्रग्स पदार्थों से जुड़े एक मामले में कुछ दिन बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में उपस्थित होने के लिए बुलाया था। जब चौहान कार्यालय पहुंचे, तो उन्हें हिरासत में ले लिया गया और प्रताड़ित किया गया। उन्हें बेहोशी की हालत में अस्पताल ले जाया गया। कांस्टेबल चौहान की पत्नी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मामला दर्ज करने की अपील की थी। लेकिन, उनकी शिकायत को अनसुना कर दिया गया। इस बीच, उनके पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई।

एचसी से नहीं मिली थी राहत

हाई कोर्ट में उनकी अपील विफल रही। हाईकोर्ट ने टॉर्चर की जांच का काम उसी पुलिस अधिकारी को सौंप दिया जिसने चौहान को कुपवाड़ा जाने के लिए कहा था। साथ ही हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था।

एससी ने स्वीकार की तीनों मांगें

इसी के चलते कांस्टेबल चौहान ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। उन्होंने उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने के लिए कहा था जिन्होंने उन्हें प्रताड़ित किया था, साथ ही मामला सीबीआई को सौंपने और उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी।

इस मामले में फैसला सुनाने वाले जस्टिस मेहता ने उनकी तीनों मांगें स्वीकार कर लीं। कोर्ट ने केंद्र शासित प्रदेश द्वारा उठाए गए इस तर्क को खारिज कर दिया कि कांस्टेबल चौहान को लगी चोटें ड्रग्स मामले में पूछताछ से बचने के लिए आत्महत्या की कोशिश के दौरान खुद लगी थीं।

डिवाइडर से टकराया ट्रक, दो की मौत

ठाणे, 22 जुलाई (एजेंसियां)। ठाणे में मंगलवार आधी रात के बाद लोहे की छड़ें और पाइप ले जा रहा एक ट्रक एक पुल पर डिवाइडर से टकराने के बाद स्ट्रीट लाइट के खंभे से जा भिड़ा। इससे ट्रक चालक और सहायक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घोड़बंदर रोड स्थित पाटलीपाड़ा पुल पर ट्रक नवी मुंबई से गुजरात जा रहा था। यातायात पुलिस ने स्थानीय नियंत्रण कक्ष को रात 12.35 बजे बताया कि ट्रक हादसा हो गया है। उन्होंने कहा कि पाटलीपाड़ा पुल पार करते समय चालक ने ट्रक पर से नियंत्रण खो दिया। वाहन डिवाइडर और एक स्ट्रीट लाइट के खंभे से टकरा गया, जिससे ट्रक का केबिन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने कहा कि क्रेन की मदद से केबिन से चालक और सहायक को बाहर निकालने में लगभग 45 मिनट का समय लगा।

मराठी भाषा विवाद पर जेएनयू की वाइस चांसलर ने कहा मातृभाषा को प्राथमिकता दूंगी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मराठी भाषा विवाद पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की वाइस चांसलर प्रोफेसर शांतिश्री धुलीपुडी पंडित का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, मैं सबसे पहले मातृभाषा को प्राथमिकता दूंगी क्योंकि मातृभाषा सबसे महत्वपूर्ण है। अन्य दो भाषाएं आपकी बाजार की भाषा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, आप जहां भी रहें, स्थानीय भाषा और अपने करियर की भाषा सीखें। यह काम प्रत्येक नागरिक पर छोड़ देना चाहिए। भारत की सभी भाषाएं अच्छी हैं। बहुभाषिकता में संख्या महत्वपूर्ण नहीं है। भाषा घृणा या श्रेष्ठता का साधन नहीं होनी चाहिए।

बल्कि यह संचार का माध्यम होनी चाहिए। मैं सभी को भारत की प्रत्येक भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित करती हूं, जहां साहित्य और संपदा का इतना विशाल भंडार है। हालांकि भारतीय साहित्य विभिन्न भाषाओं में लिखा गया है, फिर भी हम एक ही हैं। प्रो। शांतिश्री धुलिपुडी पंडित ने कहा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय ने 1 जुलाई को मराठी भाषा, साहित्य और संस्कृति के लिए कुसुमाग्रज विशेष केंद्र के लिए रुचि व्यक्त की है। मराठी, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत घोषित शास्त्रीय भाषाओं में से एक है। जेएनयू एमए स्तर पर भारतीय भाषाओं को एक शिक्षण विषय के रूप में लागू करने, गैर-हिंदी भाषियों के लिए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करने, डॉक्टरेट की पढ़ाई करने, और साहित्यिक कृतियों सहित उल्लेखनीय मराठी कृतियों का अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने का प्रयास कर रहा है।

इसका नाम महान कवियों और आलोचकों में से एक, कुसुमाग्रज के नाम पर रखा गया है, जिन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। वे मुक्ति, सामाजिक समानता और सामाजिक आलोचना पर आधारित अपनी कविताओं के लिए भी जाने जाते हैं।

एमपीपीएससी परीक्षा पर हाईकोर्ट सख्त मांगा मुख्य परीक्षा से पहले पूरा शेड्यूल

जबलपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस संजीव कुमार सचदेवा और जस्टिस विनस सराफ की युगलपीठ ने राज्य सेवा परीक्षा 2025 को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए मप्र लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) को निर्देश दिए हैं कि वह मुख्य परीक्षा का पूरा कार्यक्रम (शेड्यूल) न्यायालय में प्रस्तुत करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शेड्यूल प्रस्तुत किए जाने के बाद ही मुख्य परीक्षा आयोजन की अनुमति से संबंधित राज्य सरकार के आवेदन पर विचार किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 5 अगस्त को होगी। भोपाल निवासी सुनीत यादव और अन्य की ओर से दायर याचिका में आरोप लगाया गया कि मप्र लोक सेवा आयोग ने 158 पदों के लिए 5 मार्च 2025 को प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम जारी किए, लेकिन इसमें वर्गवार कट-ऑफ अंक सार्वजनिक नहीं किए गए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि पहले सभी परीक्षाओं में वर्गवार कट-ऑफ अंक घोषित किए जाते थे, लेकिन इस बार आयोग ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के विभिन्न फैसलों को नजरअंदाज करते हुए यह जानकारी छिपा ली।

याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि आयोग ने अनारक्षित (ओपन) पदों के विरुद्ध आरक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए चयनित नहीं किया। इससे पहले कोर्ट ने निर्देश दिया था कि आयोग वर्गवार कट-ऑफ मार्क्स जारी करे और न्यायालय की अनुमति के बिना मुख्य परीक्षा आयोजित न की जाए।

फरीदाबाद में सुबह-सुबह आया भूकंप, रिक्टर स्केल पर 3. 2 तीव्रता थी

फरीदाबाद, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारत समेत पूरी दुनिया में भूकंप की घटनाएं बढ़ती ही चली जा रही हैं। हाल के दिनों में म्यांमार समेत कई देशों में भूकंप के कारण हजारों लोगों की मौत हुई है। वहीं, बीते कुछ समय से राजधानी दिल्ली समेत देश के विभिन्न हिस्सों में भी लगातार भूकंप की घटनाएं सामने आ रही हैं। ताजा मामला हरियाणा के फरीदाबाद जिले से आया है।

यहां मंगलवार को सुबह-सुबह भूकंप के झटके लगे हैं जिससे लोगों के अंदर खौफ फैल गया है। नेशनल सेंटर फोर सिस्मोलॉजी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, हरियाणा के फरीदाबाद में मंगलवार को आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.2 दर्ज की गई है। फरीदाबाद में भूकंप मंगलवार को सुबह-सुबह 6 बजे आया है। इस भूकंप का केंद्र फरीदाबाद में बही धरती से 5 किलोमीटर भीतर था। बीते दो हफ्ते से भी कम समय में हरियाणा में भूकंप की ये 5वीं घटना है।

12 साल की बच्ची की रहस्यमयी मौत से फैली सनसनी, मां ने सुनाई आखिरी घड़ी की कहानी

इंदौर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के लसूड़िया क्षेत्र स्थित ओमेक्स सिटी-1 में रहने वाली 12 वर्षीय अंजलि लश्करी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन के अनुसार, बच्ची को अचानक घबराहट और सीने में दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद उसकी मां बबीता उसे पास के एक डॉक्टर के पास लेकर गई। डॉक्टर ने प्राथमिक जांच के बाद अंजलि को एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया,

जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बबीता एक घरेलू सहायिका का कार्य करती हैं, उन्होंने बताया कि वह काम से घर लौटीं तो अंजलि घबराई हुई थी। उसकी हालत देखकर वह तुरंत उसे अस्पताल लेकर गईं। बबीता ने बताया कि अस्पताल पहुंचने के कुछ ही देर बाद अंजलि ने दम तोड़ दिया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट से ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा। जानकारी के अनुसार, अंजलि अपनी मां और दो बहनों के साथ रहती थी। पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी, जिससे परिवार की जिम्मेदारी पूरी तरह मां बबीता पर थी। अंजलि तीन बहनों में सबसे छोटी थी और घटना के समय उसकी दोनों बड़ी बहनें भी घर पर ही मौजूद थीं। अचानक हुए इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है।

ड्रग रैकेट का भंडाफोड़, साबुन के डिब्बों में छिपाई थी 14.69 करोड़ की कोकीन

बेंगलूरू, 22 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में राजस्व आसूचना निदेशालय की टीम ने बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। यहां साबुन के डिब्बों में 14.69 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की गई। बेंगलुरु के कॉटनपेट के पास पूर्वोत्तर भारत की दो महिलाओं को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपी महिलाएं साबुन के डिब्बों में सात किलोग्राम कोकीन की तस्करी कर ले जा रही थीं। आरोपी महिलाओं की पहचान मणिपुर की लालजामलुवाई और मिजोरम की लालथांगलियानी के रूप में हुई है। डीआरआई अधिकारियों ने दोनों आरोपी महिलाओं की गिरफ्तारी की और नशीले पदार्थों को जब्त किया। शुरुआती जांच में एक उच्च-स्तरीय अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह का पता चला है। ड्रग्स के साथ पकड़ी गई महिलाओं से पूछताछ में कई नए खुलासे हो सकते हैं, जिसके आधार पर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकती है।

हनीमून से जेल तक: सोनम रघुवंशी की कैसे हुई ऐसी हालत? मेरठ की मुस्कान से कई बातें कॉमन

इंदौर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के कारोबारी की राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम रघुवंशी और मेरठ में एयरफोर्स कर्मी सौरभ राजपूत की पत्नी मुस्कान रस्तोगी की जेल की जिंदगी में कई बातें कॉमन हैं। दोनों ही अपने पति की हत्या के जुर्म में जेल में हैं। दोनों को अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है। दोनों पर अपने आशिक संग मिलकर पति को मारने की साजिश सजने का आरोप है। दोनों में जेल जाने के बाद मिलने कोई नहीं आया। सोनम रघुवंशी और मुस्कान रस्तोगी में कुछ बातें अलग भी हैं। मुस्कान में अभी भी प्रेमी साहिल शुक्ला के मिलने की तलब रहती है। वे दोनों सुनवाई के दौरान चंद मिनट के ही सही, मिल देते हैं, लेकिन सोनम ने कभी किसी से मिलने को नहीं कहा। सोनम रघुवंशी शिलांग में जिस जेल में बंद है, उसमें 492 कैदी विभिन्न अपराध के मामले में सजा काट रहे हैं। इनमें से 20 महिला कैदी हैं। सोनम को जब से जेल में भेजा गया है, तब से लेकर आज तक उसके घर से कोई उसे मिलने नहीं आया। रिपोर्ट के मुताबिक, सोनम उस शिलांग जेल में दूसरी ऐसी महिला हवालाती हैं जो कत्ल के आरोप में वहां पर बंद हैं।

शिलांग जेल में सोनम को रहते एक महीना बीत चुका है। रिपोर्ट बताती है कि सोनम ने जेल की जिंदगी में खुद को एडजस्ट कर लिया है। वह दूसरी महिला कैदियों के साथ घुलमिलकर रहती हैं। हालांकि अभी तक किसी महिला कैदी के साथ उसने अपने क्राइम या निजी लाइफ को शेयर नहीं किया। सीसीटीवी से उसकी हर गतिविधि पर जेल प्रशासन की नजर है। रोजाना सुबह उठने के बाद वह जेल मेन्युल को लो करती हैं। अभी तक जेल प्रशासन की ओर से उसे कोई स्पेशल टास्क नहीं दिया गया। वह सिलाई सीख रही है।

लीला की जिद ने किया सिस्टम को मजबूर

बदली गांव की किस्मत, विधायक के निजी खर्च पर शुरू हुआ सड़क निर्माण

सीधी, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सीधी जिले के खड्डी खुर्द गांव की 22 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लीला साहू ने असाधारण जज्बा दिखाते हुए अपने गांव की बदहाल सड़क के मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया और आखिरकार निर्माण कार्य शुरू करवाने में सफलता पाई है। लीला ने गर्भवती होने के बावजूद वीडियो बनाकर सोशल मीडिया के जरिए सरकार से सड़क की मांग की।

उनकी इस मुहिम ने शासन-प्रशासन को झकझोर कर रख दिया। लीला ने जुलाई 2024 में पहला वीडियो पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने बगैया टोला से गजरी तक की 10 किलोमीटर लंबी कच्ची सड़क की हालत दिखाते हुए सड़क निर्माण की मांग की थी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री मोहन यादव और अन्य जनप्रतिनिधियों को टैग किया। वीडियो वायरल हुआ लेकिन प्रशासन की ओर से ठोस कदम नहीं उठाया गया।

जुलाई 2025 में लीला ने दूसरा वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वे 9वें महीने की गर्भवती हैं और गांव की अन्य छह महिलाओं को भी सड़क की बदहाली के कारण समय पर अस्पताल पहुंचने की चिंता सता रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई अनहोनी होती है तो इसकी जिम्मेदारी प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की होगी।

यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और कई टीवी चैनलों ने इसे प्रमुखता से दिखाया। लीला की मुहिम पर सांसद राजेश मिश्रा का बयान विवादों में घिर गया। उन्होंने कहा, डिलीवरी की तारीख बताओ, एक हफ्ते पहले अस्पताल में भर्ती करा देंगे। लीला ने पलटवार करते हुए पूछा, क्या हर गर्भवती महिला के लिए हेलीकॉप्टर भेजेंगे?

दोस्त के घर बर्थडे का केक काटने जा रही थी युवती, दो आरोपियों ने रास्ते में किया गैंगरेप

जगतसिंहपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां सोमवार रात एक युवती के साथ दो आरोपियों ने कथित रूप से गैंगरेप किया। हादसे के बाद, पीड़िता खून से लतपथ हालत में अपने घर पहुंची और अपने परिजनों को पूरी बात बताई। यह शर्मनाक घटना उसके घर से केवल 400 मीटर की दूरी पर घटी थी। फिलहाल पीड़िता जिला मुख्यालय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़िता के पिता ने जगतसिंहपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। जानकारी के मुताबिक, पीड़िता अपनी एक महिला दोस्त के साथ रात करीब 8 बजे अपने घर से पास के गांव में एक रिश्तेदार के बर्थडे पार्टी में शामिल होने के लिए निकली थी।

छोटे के साथ रहने के लिए भाभी ने बनाया देवर की हत्या का प्लान, दे डाली 5 लाख की सुपारी

हरिद्वार, 22 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के हरिद्वार में देवर की हत्या मामले में पुलिस ने उसी की भाभी को गिरफ्तार किया है। मामला हरिद्वार के सिडकुल थाना क्षेत्र के डालूवाला मजबता गांव का है। बीते 18 जुलाई को इलाके में सड़क किनारे एक युवक का शव मिला था। पहचान के बाद मृतक के घर में चीख-पुकार मच गई।

मृतक के भाई ने पुलिस में शिकायत दी और हत्या की आशंका जताई। शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही थी। अब मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक भाभी का किसी दूसरे युवक के साथ चक्कर चल रहा था। हालांकि, देवर उसके रास्ते का कांटा बना हुआ था। इस कांटे को निकालने के लिए भाभी ने अपने आशिक के साथ मिलकर देवर को ठिकाने लगा दिया। हत्या के बाद भाभी के पूरे खेल का खुलासा होने पर पूरा परिवार हैरान हो गया। मृतक युवक का उसकी भाभी के साथ जमीन का भी विवाद था। देवर के जमीन पर कब्जा कर आशिक के साथ रहने के चक्कर में महिला ने प्रेमी और उसके साथी के साथ मिलकर देवर को रास्ते से हटा दिया।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 23 जुलाई - 2025

बिहार में अगड़ी जातियों को साधने का खेल शुरू!

अशोक भाटिया

बिहार की राजनीति में एक बार फिर जातीय समीकरणों की गूंज सुनाई देने लगी है। इस बार केंद्र में हैं अगड़ी जातियां। अगड़ी जातियों की जिनकी आबादी हाल ही में जारी जातिगत जनगणना के अनुसार 15.52% है। अब तक राजनीतिक चर्चा में शांत मानी जाने वाली यह आबादी अचानक से चुनावी रणनीतियों की धुरी बन गई है। चुनावों में अगड़ी जातियों को साधने का खेल अब खुलकर शुरू हो चुका है।एनडीए बिहार विधानसभा चुनाव को जीत की मंजिल तक पहुंचाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। लंबे समय बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए को सवर्ण वोट बैंक की अहमियत दोबारा समझ में आई है। यही वजह है कि अगड़ी जातियों को साधने के लिए विशेष योजनाओं और घोषणाओं पर काम चल रहा है। संभावना है कि चुनाव से पहले सवर्ण समुदाय के लिए नई घोषणाओं का पिटारा खोल सकती है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 2025 बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 225 सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया है। गठबंधन इस बार अपने मजबूत वोट बैंक में किसी भी प्रकार की सेंधमारी से बचना चाहता है, इसलिए वोटरों को कंसोलिडेट करने के लिए वर्ग विशेष पर केंद्रित रणनीति तैयार की जा रही है।दलित समुदाय की तरह ही अब गरीब सवर्णों के लिए भी कल्याणकारी योजनाएं लाने की तैयारी चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, इन योजनाओं पर गंभीर विमर्श जारी है, और संभवतः चुनाव से पहले इन्हें नीतिगत रूप में लागू किया जा सकता है। एनडीए को उम्मीद है कि इससे न सिर्फ अगड़ी जातियों का समर्थन और मजबूत होगा, बल्कि विपक्ष को इस वर्ग में पैठ बनाने का मौका भी नहीं मिलेगा। बिहार सरकार ने 14 साल बाद फिर से सवर्ण आयोग का गठन कर गरीब सवर्णों के कल्याण के लिए नई पहल शुरू कर दी है। आयोग ने सक्रियता दिखाते हुए तीन उप समितियों का गठन किया है। जो अलग-अलग मुद्दों पर काम कर रही हैं। इनमें से एक उप समिति को अपनी रिपोर्ट एक महीने के भीतर सरकार को सौंपनी है। जिस पर सरकार जल्द कार्रवाई करेगी। बिहार की जातीय जनगणना के अनुसार, राज्य में कुल 2 करोड़ 76 लाख 68 हजार 930 परिवार हैं, जिनमें से करीब 94 लाख 42 हजार 786 परिवार गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं, जो कुल परिवारों का लगभग 34.13% है। विशेष रूप से सामान्य वर्ग यानी सवर्ण परिवारों की संख्या 43 लाख 28 हजार 282 है। जिनमें से लगभग 25.09% परिवार गरीबी रेखा के नीचे हैं।तकरीबन 10 लाख 85 हजार सवर्ण परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं और उन्हें कल्याणकारी योजनाओं की जरूरत है। 10 लाख 85000 गरीब सवर्ण परिवारों को राहत देने के लिए सरकार योजना पर काम कर रही है। महादलित छात्रों के तर्ज पर गरीब सवर्ण के बच्चों को नौकरियों में आयु सीमा में छूट देने पर विमर्श चल रहा है।

इसके अलावा गरीब सवर्ण के बच्चों के लिए छात्रावास की सुविधा दी जाने की योजना है। इसके अलावा जिस तरीके से दलित छात्रों को कोचिंग की सुविधा सरकार के द्वारा दी जाती है उसी तरीके से गरीब सवर्ण के बच्चों को कोचिंग की सुविधा मिले इसके लिए सरकार एक्सरसाइज कर रही है।

ज्ञात हो कि बिहार की राजनीति यही कोई तीन दशक से गैर सवर्ण जातियों के इर्द-गिर्द घूमती आई है। ख़ास तौर पर पिछड़ा वर्ग का प्रभुत्व इतना बढ़ा कि इस तबके से आने वाले लालू यादव-राबड़ी देवी-नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होते आए हैं। हालांकि एक दौर वह भी रहा है, जब मुख्यमंत्री अगड़ी जातियों के ही होते थे। 90 के दशक में जब मंडल-कमंडल की राजनीति ने अपने पांव फैलाए, तो देश के तमाम दूसरे राज्यों की तरह बिहार की सियासत का नक़्शा भी बदल गया। लेकिन हाल के दिनों में, बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अचानक वहां अगड़ी जातियों की अहमियत बढ़ गई है। राज्य में इस साल परशुराम जयंती का आयोजन बहुत भव्य स्तर पर किया गया, जिसमें तेजस्वी यादव ने शिरकत की। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कुंवर सिंह का विजय उत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस समारोह में अमित शाह शामिल हुए। और तो और, जदयू ने अपनी पार्टी में सवर्ण प्रकोष्ठ बना दिया है। अमूमन राजनीतिक दलों में पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ हुआ करते हैं, लेकिन नीतीश कुमार ने यह नया प्रयोग किया है।

बिहार में मुख्य रूप से चार बड़ी अगड़ी जातियां हैं- भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और लाला। राजनीतिक गलियारों में उन्हें सांकेतिक भाषा में 'भूराबाल' कहा जाता है।

बिल्कुल वैसे ही जैसे मुस्लिम-यादव समीकरण को 'एमवाई' कहते हैं। नब्बे के दशक में जब बिहार की राजनीति में लालू युग शुरू हुआ, तो उनको लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हुआ था। कहा यह गया कि लालू ने बिहार की राजनीति में 'भूराबाल' को साफ़ करने की बात कही है। हालांकि लालू यादव इसे अपने ख़िलाफ़ एक बड़ी राजनीतिक साजिश बताते रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर कहा कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया था। खैर, सच्चाई जो भी रही हो, लेकिन इस विवाद के बाद वहां लालू यादव की छवि 'एंटी अपर कास्ट' नेता के रूप में उभरी। लालू यादव ने भी इसकी परवाह किए बिना यादव, मुस्लिम और अति पिछड़ा वर्ग-दलित वर्ग की कुछ अन्य जातियों को गोलबंद कर अपने को मजबूत बनाए रखा।

बिहार में अगड़ी जातियों की आबादी 15 से 20 प्रतिशत के बीच है। एक वक्त यह कांग्रेस का वोट बैंक हुआ करती थीं, लेकिन बाद में भाजपा के साथ आईं। नीतीश कुमार के भाजपा के साथ गठबंधन में होने की वजह से इनका समर्थन जदयू को मिलता रहा। लेकिन पिछले चुनाव में यह देखा गया कि सवर्ण जातियों ने भाजपा को तो वोट किया, लेकिन जदयू को नहीं। यही वजह रही कि जदयू को पहली बार भाजपा से कम सीट मिलीं और राज्य विधानसभा में सीटों की संख्या के क्रम में तीसरे पायदान पर पहुंच गई। राजनीति में बिना मकसद कुछ भी नहीं होता। अगर बिहार में अगड़ी जातियों की पूछ बढ़ गई है, तो उसकी वजह भी है। बिहार में जिस तरह से भाजपा तनकर खड़ी हुई है और जीतनराम मांझी, मुकेश सहनी जैसे अपनी-अपनी जातियों के नेताओं का प्रभाव बढ़ना शुरू हुआ है, उसमें आरजेडी को लगने लगा है कि 'एमवाई' समीकरण के सहारे राज्य की सत्ता में वापसी मुश्किल है। तेजस्वी यादव ने पिछले चुनाव के मौके पर कहा भी था कि अब हम 'एमवाई' की पार्टी नहीं बल्कि ए टू जेड की पार्टी होंगे। इसी कोशिश में वह अगड़ी जातियों के साथ अपनी दोस्ती बढ़ा रहे हैं। मार्च महीने में स्थानीय निकाय चुनाव में प्रत्याशियों के चयन में यह बात साफ़ दिखी भी। बिहार के सियासी गलियारों में यह कहा भी जाने लगा है कि लालू यादव जिस 'भूराबाल' को साफ़ करने की बात करते थे, तेजस्वी यादव उसी 'भूराबाल' को साथ लेकर चलने की बात करने लगे हैं।

उधर, पिछले चुनावी नतीजों से झटका खाए नीतीश कुमार को लगता है कि अगर वह ख़ुद अपने पांव पर नहीं खड़े हुए और भाजपा ने अपनी बैसाखी छीन ली, तो फिर उनके सियासी लड़ाई मुश्किल हो जाएगी। अपने पांव पर खड़े होने की कवायद में ही वह अगड़ी जातियों में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में हैं। राज्य में पिछड़ा वर्ग की नुमाइंदगी करने वाले आरजेडी और जेडीयू, दोनों को अब यह अहसास हो चला है कि अगड़ी जातियों का साथ लेकर ही वे अपने वोट बैंक का विस्तार कर सकते हैं।बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 58 एआईसीसी (अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी) पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, जो राज्य में चुनावी गतिविधियों की निगरानी और सांगठनिक मजबूती के काम को सुनिश्चित करेंगे। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक इन पर्यवेक्षकों में विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) अनूमा आचार्य, अली मेहंदी, अशोक चांदना, मनोज यादव, नदीम जावेद, शोएब खान, अखिलेश यादव, वीरेन्द्र यादव जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।

पड़ोसी देशों से घनिष्टता

पिछले एक वर्ष में भारत ने मालदीव और श्रीलंका के साथ अपने संबंधों में काफी सुधार किए हैं और इसमें मजबूती भी आई है। भारत की इस सफलता से चीन व पाकिस्तान तक हैरान व परेशान हैं। अब भारत अपने परंपरागत सहयोगी नेपाल पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। दोनों मुल्कों के नेताओं के एक-दूसरे के यहां उच्च स्तरीय दौरे की योजनाएं बनायी जा रही हैं। दूसरी बार नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली आने वाले कुछ महीनों में भारत आने की योजना बना रहे हैं। नई दिल्ली आकर वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी काठमांडू आने का निमंत्रण देने वाले हैं। सबकुछ ठीक रहा तो संभवतः साल के अंत तक पीएम मोदी भी नेपाल का दौरा करेंगे। ओली अब भारत के साथ अपने मतभेदों को नकारने में कोई कोताही भी नहीं बरत रहे हैं। उन्होंने यह कहने से भी कोई गुरेज नहीं किया कि दोनों देशों के बीच किसी तरह का कोई मनमुटाव नहीं है। उनका कहना है कि 'भारत यात्रा कोई बड़ी बात नहीं है, जैसा कि कुछ लोग बताते हैं, लेकिन यह आवश्यक भी है। मैं भारत जा रहा हूं, यह दोनों ओर से तैयारी के बाद होगा। कुछ प्रधानमंत्री भारत दौरे के लिए आवेदन देते थे, लेकिन यह उचित तरीके से होना चाहिए। मैंने मोदी जी को भी बुलावा दिया है। नेपाल के प्रमुख अखबार 'द काठमांडू पोस्ट' के समाचार के मुताबिक ओली सितंबर महीने में दो दिनों की यात्रा पर भारत जा सकते हैं। अखबार ने विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री का हवाला देकर कहा, 'दौरा तय है। उन्होंने ये भी कहा, 'तारीख बाद में बताई जाएगी,मंत्रालय की ओर से दौरे की तैयारी शुरू कर दी गई है।' वैसे पिछले साल भी ओली दो बार पीएम मोदी से न्यूयॉर्क और बैंकॉक में मिल चुके हैं। वैसे इन यात्राओं से पहले भारत और नेपाल के गृह सचिव स्तर की बातचीत मंगलवार को शुरू हो गई है। यह बातचीत नौ वर्ष बाद हो रही है। इसमें प्रत्यर्पण संधि, कानूनी सहायता और खुफिया जानकारी साझा करने जैसे मामलों को लेकर बात हो रही है। सीमा पर बने हुए ढांचे, सीमा के खंभों के रखरखाव और देखभाल के साथ-साथ नशीली दवाओं की तस्करी जैसे मसलों पर भी चर्चा होगी। बता दें कि नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली अपने पिछले कार्यकाल में पूरी तरह से चीन की गोद में बैठे थे। तब नेपाल की आम जनता में इसको लेकर कई तरह के संदेह पैदा होने शुरू हो गए थे। जिसकी वजह से ओली को अपना पद तक छोडना पडा था। उस समय उन्होंने चीन को खुश करने के लिए कुछ भारत-विरोधी बयान भी दिए थे। लेकिन, अबकी बार उन्हें पिछली गलतियों का एहसास हो चुका है। वहीं, भारत के साथ चीन के बहकावे में कुछ समय के लिए मतभेद उभारने के बाद नेपाल से पहले श्रीलंका और मालदीव भी अपने सुर नरम कर लिए हैं। इस तरह से इस क्षेत्र में चीन को लगातार झटके लग रहे हैं। यही वजह है कि पीएम मोदी जल्द ही मालदीव का दौरा कर वहां के राष्ट्रीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

योगी की सख्ती से यूपी छोड़ रहे हैं दिग्गज ब्यूरोक्रेट्स

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में प्रशासनिक तंत्र हमेशा चर्चा में रहा है। योगी सरकार की कार्यशैली, जिसमें सख्ती और जवाबदेही पर जोर है, ने न केवल नीतिगत फैसलों को प्रभावित किया, बल्कि ब्यूरोक्रेसी के ढांचे और अधिकारियों की भूमिका को भी नया आकार दिया। पिछले कुछ वर्षों में कई दिग्गज भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को महत्वपूर्ण पदों से हटाकर कम प्रभावशाली भूमिकाओं में भेजा गया, जिसे नौकरशाही हलकों में हाशिए पर धकेलने के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही, सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति और लगातार प्रशासनिक फेरबदल ने यूपी की ब्यूरोक्रेसी को एक नया चेहरा दिया है।

गौरतलब हो 2022 में सत्ता हासिल करते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रशासनिक अधिकारियों पर सख्त नजर आये थे और यह सिलसिला आज तक जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली में नौकरशाहों से त्वरित परिणाम और पारदर्शिता की अपेक्षा रही है। इस कारण कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से हटाया गया। उदाहरण के लिए, 2006 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को 2025 में भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई योगी सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त नीति का हिस्सा थी। अभिषेक प्रकाश जैसे अधिकारियों का निलंबन न केवल उनके करियर पर प्रभाव डालता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि सरकार किसी भी स्तर पर अनियमितता बर्दाश्त नहीं करेगी। इसी तरह, 2011 बैच के आईएएस अधिकारी देवेंद्र कुमार पांडेय, जो उन्नाव में जिलाधिकारी के रूप में कार्यरत थे, को वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में निलंबित किया गया। हालांकि, बाद में उनकी बहाली हुई, लेकिन इस तरह की कार्रवाइयों ने उनकी प्रशासनिक छवि को प्रभावित किया।वैसे प्रशासनिक हलकों में यह भी चर्चा छिड़ी रहती है कि योगी जी के राज में एक खास बिरादरी के अधिकारियों पर ज्यारा विश्वास जताया जा रहा है,भले ही उनकी छवि साफ सुथरी नहीं हो। वैसे ऐसे ही आरोप विपक्ष के नेताओं खास कर सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी लगाते रहे हैं कि योगी सरकार में क्षत्रियवाद बुरी तरह से हावी है।

वैसे यहां यह भी नहीं भूलना चाहिए कि यूपी की ब्यूरोक्रेसी में वरिष्ठ अधिकारियों की कमी भी एक बड़ा मुद्दा रहा है। पिछले साल एक समाचार पत्र में रिपोर्ट आई थी,जिसके अनुसार यूपी में अपर मुख्य सचिव (एसीएस) स्तर के 16 स्वीकृत पदों में से केवल 11 पर ही अधिकारी तैनात थे। इसी तरह, प्रमुख सचिव स्तर पर 36 में से 29 और सचिव स्तर पर 96 में से 58 अधिकारी ही कार्यरत थे। कुल मिलाकर, यूपी में 652 आईएएस अधिकारियों की जरूरत के मुकाबले केवल 560 अधिकारी उपलब्ध हैं। इस कमी का एक कारण यह भी माना जाता है कि कई वरिष्ठ अधिकारी केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर चले गए हैं। 1989 बैच के भुवनेश कुमार चतुर्वेदी केंद्रीय कृषि विभाग में सचिव बनकर चले गए, जबकि 1991 बैच के कामरान रिजवी और निवेदिता केंद्र में अतिरिक्त सचिव के पद पर हैं। कुछ नौकरशाही हलकों में यह चर्चा है कि योगी सरकार की सख्त कार्यशैली के कारण कई अधिकारी केंद्र की नौकरी को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे यूपी में वरिष्ठ अधिकारियों की कमी और गहरा रही है।

प्रशासनिक फेरबदल योगी सरकार की एक और विशेषता रही है। हाल के वर्षों में सैकड़ों आईएएस और पीसीएस अधिकारियों के तबादले हुए हैं। इसी वर्ष 22 पीसीएस अधिकारियों को प्रोन्नति देकर आईएएस बनाया गया, जिन्हें जल्द ही नई जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। इनमें से कुछ को जिलाधिकारी के पद पर तैनात किया जा सकता है। इसके अलावा, 2024 और 2025 में कई बड़े पैमाने पर तबादले हुए, जिनमें 5 से 15 आईएएस अधिकारियों को एक साथ बदला गया।

प्रशासनिक नाकामी है धर्मांतरण गिरोहों की मौजूदगी

मनोज कुमार अग्रवाल

अभी एक सप्ताह पहले यूपी में धर्मांतरण गिरोह चलाने वाले जमालुददीन उर्फ छांगुर बाबा का मामला ठंडा भी नही हुआ कि आगरा में इससे भी बड़ा धर्मांतरण गिरोह बेनकाब हो गया है। आपने सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित फिल्म 'द केरला स्टोरी' तो देखी ही होगी। इस फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे हिंदू लड़कियों का ब्रेनवॉश कर धर्मांतरण का खेल खेला जाता है, कैसे एक हिंदू परिवार में ही हिंदूओं के खिलाफ नफरत भरी जाती है और ऐसा ही खेल आगरा में खेला जा रहा था। आरोप है कि इस गैंग के सदस्य लड़कियों को मुजाहिदा और आत्मघाती हमले के लिए भी तैयार कर रहे थे।

हिंदू लड़कियों को टारगेट कर धर्मांतरण की साजिश का पर्दाफाश कई राज्यों के अलग-अलग जिलों में हो चुका है। मध्य प्रदेश के इंदौर, उत्तर प्रदेश के बलरामपुर और शाहजहांपुर के बाद अब आगरा में धर्मांतरण का खुलासा हुआ है। आगरा का ये धर्मांतरण गैंग बलरामपुर के जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा से भी दो हाथ आगे है। आगरा से गुमशुदा हुई लड़की के पिता ने इसका खुलासा किया है। पिता ने बताया कि फिल्म द केरला स्टोरी की तरह ही पूरा माहौल बना दिया गया था।

आगरा में सामने आए धर्मांतरण गैंग के कनेक्शन कनाडा, यूएसए, कतर, यूएई और बांग्लादेश सहित कई इस्लामिक देशों से जुड़े हुए थे। विदेशों से फंडिंग लाने और भारत में गैंग के लोगों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी गोवा से गिरफ्तार हुई आयशा के पास थी। आयशा का पति शेखर राय उर्फ हसन अली गैंग के सदस्यों से जुड़ा हुआ था और कोलकाता कोर्ट में काम करता था। वो गैंग के लिए लीगल एडवाइजर का काम करता था।

पीड़ित पिता ने बेटियों के धर्म परिवर्तन पर बताया कि ₹इसकी शुरुआत 2021 से हुई थी। हमारी बड़ी बेटी पीएचडी की कोचिंग ले रही थी, वहां जम्मू-कश्मीर की युवतियां भी पढ़ने आती थी। उसमें से एक युवती ने बड़ी बेटी को इस्लाम के प्रति पढ़ाती और लिखाती रही और अपने साथ जोड़ लिया।₹ आरोप है कि उस लड़की ने उनकी पत्नी से भी कई बार फोन करके इस्लाम की तारीफें की। उसका मकसद था कि पूरे परिवार का ब्रेनवॉश करके धर्म परिवर्तन किया जाए।पुलिस ने पता लगाया कि हिंदू लड़कियों को कनवर्ट करने का पूरा सिंडिकेट एक्टिव है। कहा जा रहा है कि अभी तो सिर्फ झांकी सामने आई है।

हिंदू परिवारों का धर्म परिवर्तन, लव जिहाद और देश विरोधी गतिविधियों के आरोप में एटीएस के शिकंजे में में आए जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के मंसूबे भी बेहद घातक थे, ऐसा उसकी अलग-अलग गतिविधियों से पता चलता है। इसलिए सवाल है कि उत्तरप्रदेश में पिछले 8 सालों से योगी सरकार होने के बावजूद जिस तरह से हिंदू परिवारों का धर्म परिवर्तन कराया गया, यह प्रशासन और खुफिया इकाई के मुंह पर किसी तमाचे से कम नहीं है। वास्तव में यह उनकी विफलता का द्योतक है। इसलिए आशंका तो यह है कि इस पूरे स्कैंडल में कुछ बड़े अधिकारी भी शामिल रहे होंगे अन्यथा इस बात के खुलासे में इतना विलंब नहीं होता। दबी जुबान में लोगों के इशारे हैं कि यदि केंद्रीय गृह मंत्रालय इस एंगल से भी जांच करवाए तो योगी प्रशासन के दूरगामी हित के लिए बेहतर रहेगा। यहां के सियासी हल्के में जो लोग बार-बार मुख्यमंत्री बदलने की मांग कर रहे थे, संभव है कि उनके तार भी ऐसे गिरोह से जुड़े हों। ऐसा इसलिए कि अमेरिका-चीन के इशारे पर और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के सहयोग से भारत के इस्लामीकरण की जो देशव्यापी साजिश कुछ भारतीय राजनीति दलों के परोक्ष समर्थन से जारी है, उसका बहुत छोटा सा इलाकाई प्यादा जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा है जो कि धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जो व्यक्ति अपना धर्म बदलता है वो केवल अपना धर्म नहीं बदलता बल्कि वो अपने समाज और देश से भी कट जाता है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने धर्मांतरण को देश के लिए बड़ा खतरा बताया था और सरकारों को इसके खिलाफ कदम उठाने को कहा था। धर्मातरण के बाद व्यक्ति अपना परिवार और अपनी संस्कृति छोड़ देता बंद है, अपना खानपान और पहनावा बदल लेता है। धर्मांतरित मुस्लिम इस्लाम के प्रति अपनी वफादारी साबित करने के लिए आतंकी संगठनों के साथ भी चले जाते हैं। यही कारण है कि धर्मांतरण देश की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा बनता जा रहा है। दुनिया में कई देश हैं, जहां धर्मातरण के कारण डेमोग्राफी बदलने से दंगों की आग में जलना पड़ रहा है। धर्मांतरण के बाद व्यक्ति अपना परिवार और अपनी संस्कृति छोड़ देता है, अपना खानपान और पहनावा बदल लेता है। धर्मावरित मुस्लिम इस्लाम के प्रति अपनी वफादारी साबित करने के लिए आतंकी संगठनों के साथ भी चले जाते हैं। यही कारण है कि बड़ा धर्मांतरण देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा बनता जा रहा है। दुनिया में कई देश हैं, जहां धर्मातरण के कारग डेमोग्राफी बदलने से दंगों की आग में जलना पढ़ रहा है। आपको बता दें कि किसी भी मुस्लिम देश में धर्मांतरण विरोधी कानून नहीं है क्योंकि मुस्लिमों की उसकी जरूरत ही नहीं है लेकिन गैर-मुस्लिम देशों की इसकी जरूरत इसलिए पड़ती है क्योंकि मुस्लिम समुदाय पूरी आक्रामकता के साथ धर्मातरण की कोशिश करता है। ये अजीब बात है कि मुस्लिम बहुल देशों में सभी नागरिकों को धीरे-धीरे मुस्लिम बना दिया जाता है लेकिन जहां मुस्लिम अल्पसंख्यक होते हैं, वहां भी वो धीरे-धीरे बहुसंख्यक समाज को इस्लाम में शामिल कर लेते हैं। इस तरीके से कई देशों को इस्लामिक मुल्क बना दिया गया है और भारत को भी 2047 तक मुस्लिम संगठन इस्लामिक मुल्क बनाने का संकल्प लेकर धर्मांतरण के अभियान में जुटे हुए हैं। ज्यादातर मुस्लिम संगठन दावा करते हैं कि वो धर्मांतरण नहीं करवाते हैं बल्कि लोग अपनी खुशी से इस्लाम धर्म अपनाते हैं। सवाल यह है कि अगर लोगों को अपनी खुशी से इस्लाम अपनाना है तो वो खुद मस्जिद में जायेंगे न कि उनका धर्मांतरण करवाने के लिए करोड़ों रुपये की फंडिंग लानी लानी पड़ेगी और गैंग बनाने पड़ेंगे। वास्तव में धर्मांतरण करवाने के के लिए लालच, भय और धोखे का सहारा लिया जाता है। हमारा संविधान अपने धर्म का प्रचार करने का अधिकार देता है और व्यक्ति को अपनी मर्जी से धर्म बदलने का भी अधिकार देता है। दूसरी तरफ यही संविधान कहता है कि किसी भी व्यक्ति को लालच, भय और धोखे से धर्मांतरित नहीं किया जा सकता। वास्तव में हमारे देश में लोगों को धोखा भय और लालच देकर ही धर्मांतरित किया जा रहा है।

सावन शिवरात्रि : कैलाशपति की कृपा का अमृत पर्व

योगेश कुमार गोयल

भारत में सर्वाधिक महत्व जिस देव का है, वो देवाधिदेव भगवान शिव ही हैं, जो आज भी समूचे भारतवर्ष में उतने ही पूजनीय और वंदनीय हैं, जितने सदियों पहले। देशभर में भगवान शिव की पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है, इसीलिए 'शिवरात्रि' पर्व को भारत में राष्ट्रीय पर्व का दर्जा प्राप्त है। वैसे तो शिवरात्रि हर माह मनती है किन्तु इनमें से फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि की महत्ता सर्वाधिक है। सावन शिवरात्रि प्रायः माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को मनाई जाती है, जिसे भगवान शिव के प्रति भारतीयों की आस्था की प्रतीक 'कांवड़ यात्रा' का समापन दिवस भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है, जो इस वर्ष 23 जुलाई को मनाई जा रही है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 23 जुलाई को सुबह 4 बजकर 39 मिनट पर हो रही है और यह तिथि अगले दिन यानी 24 जुलाई को अर्धरात्रि में 2 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में श्रद्धालु शिवरात्रि पर ब्रह्म मुहूर्त में भी भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकते हैं। सावन शिवरात्रि पर इस बार सर्वार्थ सिद्धि, गजकेसरी, नवपंचम राजयोग का शुभ संयोग बन रहा है।

धार्मिक ग्रंथों में 'शिव' और 'रात्रि' के शाब्दिक अर्थ को परिभाषित करते हुए बताया गया है, जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो भगवान नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं। 'रात्रि' शब्द 'रा' दानार्थक धातु से बना है अर्थात जो सुखादि प्रदान करती है, वह 'रात्रि' है। रात्रि सदा आनन्ददायिनी होती है, अतः सबकी आश्रयदात्री होने के कारण उसकी स्तुति की गई है। इस प्रकार शिवरात्रि का अर्थ है, वह रात्रि, जो आनंद देने वाली है, जिसका शिव नाम के साथ विशेष संबंध है।

भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात 'महादेव' कहा गया है। देव-दानव, मानव-प्रेत, भगवान शिव इन सभी के आराध्य देव रहे हैं। 'भोले बाबा' के रूप में सर्वत्र पूजनीय भगवान शिव को समस्त देवों में अग्रणीय और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वह अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न हो जाते हैं तथा उनकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। भगवान शिव को भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता का प्रतीक माना गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में यही उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने भगवान शिव की अनुकम्पा प्राप्त करने के लिए उन्हें अपनी एक आंख समर्पित कर दी थी। इस बारे में कहा गया है कि भगवान विष्णु जब शिव को प्रसन्न करने के लिए 1008 कमल के फूलों से उनका अभिषेक कर रहे थे, तब आखिर में एक कमल कम रह गया। इस पर भगवान विष्णु ने तुरंत कटार से अपनी एक आंख निकाली और कम रहे कमल के स्थान पर शिव को अपनी आंख अर्पित कर दी। इससे शिव विष्णु पर इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने भगवान विष्णु को अपना दिव्य मंत्र प्रदान कर दियाः-

ॐ त्रयम्बकं यजामहे
सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारूकमिव बन्धनात।
मृत्योर्मुक्षीय मामृतात।।

भगवान शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है। इसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया।

राजकीय हास्य राहत योजना

रामविलास जांगिड़

जब दल बदल पार्टी ने चुनावी प्रचार में यह अनोखा वादा किया कि हर गरीब और मुसीबत में फंसा व्यक्ति हंसेगा, तो लोगों ने तालियों से उनका स्वागत किया। हमारी जिम्मेदारी, हर चेहरे पर हंसी करे सवारी! बस, फिर क्या था? सरकार ने राजकीय हास्य राहत योजना का आगाज़ कर दिया। इस योजना के तहत सरकारी शिक्षकों को हंसाने की जिम्मेदारी मिली, क्योंकि अंततः पढ़ाई तो पहले ही छोड़ चुके थे। पढ़ाना-पढ़ना हंसी मजाक से और ज्यादा क्या है! गणित के शिक्षक रामलाल को बाढ़ प्रभावित गांव में भेजा गया। वहां लोग कीचड़ में बैठे थे। रामलाल ने अपने चुटकुलों की शुरुआत की, भाइयों, पानी तो आया है, लेकिन मच्छरों ने वोट मांगने की हिम्मत नहीं की है! पहले तो लोग अवाक रहे, फिर शिक्षक की बातें सुनकर सभी रोने लगे। एक बुजुर्ग ने चिल्लाया, हंसने से पहले हमें रोटी दो, बेटा! रामलाल ने धड़कते दिल से जेब टटोली, वही पुरानी चॉक का टुकड़ा उसके पास था। सरकार ने हंसी को और प्रभावी बनाने के लिए शिक्षकों को एक हफ्ते का प्रशिक्षण दिया। हंसाने की तीन तकनीकें सिखाई गईं। हल्की चुटकुला तकनीक- जिससे गरीबों की मुश्किलों को मजाक समझा जा सके। जोरदार ठहाका तकनीक- जो बाढ़ में फंसे लोगों को सरकार के साथ खड़े होने का भरोसा दिलाए; और मूक हंसी तकनीक- उन शिक्षकों के लिए जो थक चुके थे, लेकिन संतोषजनक मुस्कान देना चाहते थे। शिक्षकों ने एक 'हंसी ऐप' बनाने का सुझाव दिया, जिसमें लोग ऑनलाइन चुटकुले सुन सकें, और एक शिक्षक दंपती ने मांग की कि हंसाने की ड्यूटी उन्हें एक ही गांव में दी जाए। हालांकि ऐसे शिक्षक दंपति वहां हंसने की बजाए स्वयं रोने लग गए। हंसी का भत्ता भी शिक्षकों के लिए सिरदर्द बन गया। सरकार ने पहले नकद भुगतान किया, फिर 'हंसी प्रमाण पत्र' भरवाना शुरू किया जिसमें सवाल थे- 1. कितने लोगों को हंसाया (सटीक संख्या)? 2. हंसी की तीव्रता (हल्की, मध्यम, जोरदार)? 3. क्या हंसने वाले ने आपको हंसाने योग्य माना (उनका हस्ताक्षर संलग्न करें)? स्कूलों में 'हंसी मीटर' लगे, जो ठहाकों की आवाज मापते थे। एक बार रामलाल का मीटर खराब हो गया और उनकी हंसी को 'अपर्याप्त' करार दिया गया, जिसके लिए उन्हें अगले दिन दोगुना हंसाने का दंड मिला। हंसाने के बाद रामलाल पूरी रात भर रोता रहा। एक दिन शिक्षकों ने हंसते-हंसते हड़ताल कर दी। वे मुख्यमंत्री आवास पहुंचे, जहां एक शिक्षक ने जोरदार ठहाका लगाया और कहा, हम दिन-रात हंसाते हैं, लेकिन हमारा भत्ता हंसी के ठहाकों में उड़ गया! हंसने के बाद हम रात भर रोते ही रहते हैं। मीडिया ने जब कवर किया, तो शिक्षकों ने रोते हुए चुटकुले सुनाना शुरू कर दियाः सरकार ने कहा, हंसो और हंसाओ, मगर भत्ता मांगो तो मुंह मत दिखाओ! जनता ने तालियां बजाईं, और सरकार ने अचानक आदेश निकाला- जो शिक्षक हंसाने में असमर्थ हों उन्हें अपने खर्चे पर प्रशिक्षण लेना होगा। कुछ खूंखार शिक्षकों ने इसे नया धंधा बना लिया।

अरावली की वादियों के बीच विराजे बालेश्वर महादेव

नीमकाथाना.अरावली की वादियों में स्थित प्राचीन बालेश्वर महादेव मंदिर श्रद्धा और भक्ति का केंद्र है। सावन शुरू होते ही यहां भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। इस शिवधाम में हर सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। पंडित कौशलदत्त शर्मा के अनुसार बालेश्वर महादेव को शिव का बालस्वरूप में माना जाता है।

मंदिर परिसर की उत्तरी दीवार पर गणेश प्रतिमा के नीचे प्राकृत भाषा में अंकित एक शिलालेख भी मिला है, जो मंदिर की प्राचीनता का प्रमाण है। मान्यता है कि सूर्यवंशी राजाओं ने इस भव्य मंदिर का निर्माण करवाया था।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर:

बालेश्वर धाम पहाड़ियों के बीच हरियाली से आच्छादित क्षेत्र में स्थित है। यहां तक पहुंचने वाले रास्ते सुंदर प्राकृतिक दृश्यों से भरपूर हैं। मंदिर परिसर में शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और प्रकृति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

शिवलिंग की गहराई आज तक नहीं मापी गई

मंदिर में स्थापित शिवलिंग को लेकर मान्यता है कि यह प्राकृतिक रूप से निर्मित है। मंदिर के पुजारी लीलाराम योगी बताते हैं कि उनके पूर्वजों ने लगभग 400 साल पहले इस शिवलिंग की गहराई जानने के लिए खुदाई की थी, लेकिन 12.5 फीट नीचे जाने के बाद भी शिवलिंग का अंतिम छोर नहीं मिला। खुदाई के दौरान मधुमक्खियों के हमले के कारण कार्य रोकना पड़ा।

ऐसे पहुंचें बालेश्वर धाम:

नीमकाथानासे बालेश्वर महादेव मंदिर तक सड़क मार्ग से आसानी से पहुंचा जा सकता है। नजदीकी रेलवे स्टेशन नीमकाथाना है, जो दिल्ली, जयपुर और सीकर से जुड़ा हुआ है। स्टेशन से मंदिर 10 किमी की दूरी पर स्थित है।

अमृत कुंड भी रहस्य

मंदिरके पीछे गुलर के पेड़ की जड़ में स्थित एक कुंड रहस्य बना हुआ है। यहां से निरंतर जल प्रवाहित होता है। यह जल कहां से आता है, इसका अब तक कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला है।

26 जुलाई को एक साथ आ रहे देवताओं और असुरों के गुरु

26 जुलाई को शुक्र और गुरु ग्रह की मिथुन राशि में युति बन रही है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, गुरु और शुक्र ग्रह की मिथुन राशि में युति 24 साल बाद बनने जा रही है और इन ग्रहों की युति से गजलक्ष्मी राजयोग का निर्माण हो रहा है। आइए जानते हैं गुरु और शुक्र ग्रह की युति से किन किन राशियों को लाभ होगा...

शुक्र ग्रह 26 जुलाई को वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में गोचर करने जा रहे हैं, जहां पहले से ही गुरु ग्रह विराजमान हैं। इस तरह मिथुन राशि में शुक्र ग्रह, जो असुरों के गुरु और गुरु ग्रह, जो देवताओं के गुरु की युति बनने जा रही है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शुक्र और गुरु ग्रह की युति से गजलक्ष्मी योग का निर्माण हो रहा है और मिथुन राशि में ऐसा संयोग 24 साल बाद बनने जा रहा है, इससे पहले यह दुर्लभ संयोग साल 2001 में बना था।

शुक्र और गुरु ग्रह की युति से 5 राशियों को जबरदस्त लाभ मिलने वाला है, इन राशियों को जीवन के हर क्षेत्र में फायदा मिलेगा और आर्थिक स्थिति काफी मजबूत होगी। आइए जानते हैं मिथुन राशि में शुक्र और गुरु ग्रह की युति से किन किन राशियों का गोल्डन टाइम शुरू होने वाला है...

मिथुन राशि में शुक्र और गुरु ग्रह की युति मेष राशि वालों के लिए शुभ रहने वाली है। मेष राशि वालों की आय में जबरदस्त वृद्धि होगी और उन्हें आय के नए स्रोत मिलेंगे। आपके काम से जुड़ी सभी योजनाएं सफल होंगी और अटके धन की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। यह समय मेष राशि के व्यापारियों के लिए बहुत अनुकूल है, उन्हें अपने करियर में सफलता प्राप्त करने का मौका मिलेंगे। दोस्तों के साथ संबंध अच्छे होंगे और उनकी मदद से कई कार्य पूरे होंगे।

गुरु और शुक्र ग्रह की युति मिथुन राशि में ही होने वाली है। मिथुन राशि वालों की आर्थिक स्थिति काफी मजबूत होगी और आपका बैंक बैलेंस भी बढ़ेगा। व्यापारियों को इस अवधि में नया सौदा मिल सकता है और इससे उन्हें बहुत अधिक लाभ कमाने का अवसर मिलेगा। इस समय वे काफी पैसा कमा सकते हैं और सफलतापूर्वक बचत कर सकते हैं। ग्रहों की युति के प्रभाव से परिवार के सदस्यों की अच्छी उन्नति होगी और आपसी प्रेम बना रहेगा, जिससे घर में सुख-शांति रहेगी।

शुक्र और गुरु ग्रह की युति से सिंह राशि वालों को धन प्राप्ति के कई मौके मिलेंगे और दोस्तों के साथ यादगार समय व्यतीत करने का मौका मिलेगा। करियर, परिवार या सामाजिक जीवन से जुड़े लोगों से निमंत्रण मिल सकते हैं और आपकी सभी भौतिक इच्छाएं पूरी होंगी। ग्रहों के शुभ प्रभाव से परिवार के सभी सदस्यों के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे और आपकी संपत्ति में इजाफा देखने को मिलेगा। बच्चों की शिक्षा और सेहत की चिंता दूर होगी और परिवार की सभी जरूरतों को पूरा करेंगे.

गुरु और शुक्र ग्रह की युति से कन्या राशि वालों को जीवन के हर क्षेत्र में जबरदस्त लाभ मिलने वाला है। कन्या राशि वालों की इस अवधि में सभी योजनाएं सफल होंगी और मकान व फ्लैट खरीदने की आपकी इच्छा भी पूरी होगी। कन्या राशि वालों का समाज में सम्मान बढ़ेगा और कई प्रतिष्ठित लोगों से जान पहचान भी बढ़ेगी। इस राशि के नौकरी पेशा जातक ऑफिस में आसानी से टारगेट पूरा करने में सक्षम होंगे और अधिकारियों से भी काम की प्रशंसा मिलेगी।

मिथुन राशि में गुरु और शुक्र ग्रह की युति से तुला राशि वालों का बैंक बैलेंस बढ़ेगा और सेहत भी अच्छी रहेगी। वैवाहिक जीवन की बात करें तो जीवनसाथी के साथ चल रही गलतफहमी दूर होगी और संबंध मजबूत होंगे। आपके धन व संपत्ति में समृद्धि होगी और बिजनस में पैसा कमाने का मौका मिलेगा। बिजनस को सफल बनाने के लिए आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी और आप एक सफल बिजनेस मैन के रूप में पहचान बनाएंगे। इस अवधि में तुला राशि वालों को समाज में सम्मान और प्रतिष्ठा मिलेगी और वे अपने जीवन में सभी सुखों का आनंद ले सकते हैं।

शुक्र और गुरु ग्रह की युति से मकर राशि वालों को सभी प्रकार की समृद्धि प्राप्त होगी। मकर राशि वालों के लिए नया वाहन या संपत्ति खरीदने के अवसर हैं और उन्हें पैतृक संपत्ति मिलने की भी संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को काम में तरक्की के अवसर मिलेंगे और उन्हें जीवन में हर तरह के लाभ मिलेंगे। वे पैसे बचाने में सफल होंगे और उनकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा। स्थानीय लोग काम में सफल होंगे और वे नया बिजनस शुरू करने के बारे में सोच सकते हैं।

सप्ताह के 7 दिन पानी में इन वस्तुओं को मिलाएं

फिर करें दिव्य स्नान, खुल जाएगी बंद किस्मत, ग्रह देंगे शुभ फल!

अधिकत्तर व्यक्ति सूर्योदय के बाद स्नान आदि नित्यकर्म करके दिन की शुरूआत करते हैं। शास्त्रों के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना नहाने का सबसे अच्छा समय बताया गया है। स्नान करने से किसी व्यक्ति की बंद किस्मत खुल सकती है, इसके लिए आपको नहाने के पानी में कुछ वस्तुओं को मिलाकर स्नान करना होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इन वस्तुओं का संबंध ग्रहों से होता है। उस ग्रह से संबंधित दिन यानि वार को उनके संबंधित वस्तुओं को पानी मिलाकर दिव्य स्नान करते हैं तो ऐसा स्नान आपके लिए उन्नति प्रदान करने वाला हो सकता है। आपको ग्रहों का शुभ फल प्राप्त होने लगेगा, यदि कुंडली में कोई दोष होगा तो वह भी दूर हो सकता है।

सप्ताह के 7 दिन नहाने के उपाय

सोमवार को नहाने का उपायः सोमवार का दिन चंद्रमा और भगवान शिव से ज़ुड़ा हुआ है। सोमवार को नहाने के पानी में गाय का कच्चा दूध मिलाकर स्नान करें। सोमवार को ऐसे दिव्य स्नान से व्यक्ति की आयु बढ़ती है और मन शांत होता है। कुंडली का चंद्र दोष दूर होता है, चंद्रमा मन का कारक होता है.

मंगलवार को नहाने का उपायः मंगलवार को नहाने के पानी में थोड़ा सा समुद्री नमक मिला दें और उसके बाद स्नान करें। इस तरह स्नान करने से व्यक्ति के अटके काम पूरे होते हैं। जीवन की नकारात्मकता दूर होती है। समुद्री नमक का संबंध मंगल ग्रह से माना जाता है.

बुधवार को नहाने का उपायः बुधवार के दिन पानी में हरी इलायची डालकर स्नान करें। बुधवार का दिन बुध ग्रह से संबंधित है। हरा रंग और इलायची बुध ग्रह से जुड़ा है। इस प्रकार नहाने से बुरा समय जल्दी दूर होता है और मन प्रसन्न होता है। बिजनेस में उन्नति होती है, बुद्धि और तर्क शक्ति बढ़ती है। कुंडली का बुध दोष मिटता है।

गुरुवार को नहाने का उपायः गुरुवार का दिन भगवान विष्णु और देवों के गुरु बृहस्पति से जुड़ा है। गुरुवार के दिन नहाने के पानी में हल्दी मिलाकर स्नान करें। हल्दी के पानी से नहाने पर भाग्योदय होता है। व्यक्ति की बंद किस्मत खुल जाती है। करियर में तरक्की होती है। यश और कीर्ति में बढ़ोत्तरी होती है। इस उपाय गुरु दोष भी ठीक होता है.

शुक्रवार को नहाने का उपायः शुक्रवार का दिन भौतिक सुख और सुविधाओं के कारक ग्रह शुक्र का है। शुक्रवार को पानी में गुलाब जल मिलाकर स्नान करें। शुक्रवार के दिन इस तरह से स्नान करने से प्रेम, आकर्षण और सौंदर्य में बढ़ोत्तरी होती है। शुक्र को सौंदर्य का प्रतीक भी मानते हैं और गुलाब सौंदर्य है। इस उपाय को करने से शुक्र का शुभ प्रभाव मिलने लगता है।

शनिवार को नहाने का उपायः शनिवार के दिन स्नान से पूर्व शरीर में सरसों का तेल लगा लें। उसके बाद स्नान करें। या फिर पानी में काला तिल मिलाकर नहाएं। इस उपाय से शनिदेव की कृपा प्राप्त होगी। कुंडली से शनि दोष मिटेगा। साढ़ेसाती और ढैय्या के दुष्प्रभाव दूर होंगे। जीवन की बाधाएं और दरिद्रता भी खत्म होंगी।

सावन शिवरात्रि , विवाह में आ रही अड़चनों से मुक्ति पाने के लिए करें ये उपाय

पंचांग के अनुसार सावन माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 23 जुलाई 2025 को सुबह 4:39 बजे से होगी और यह तिथि अगले दिन 24 जुलाई को रात 2:28 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार सावन शिवरात्रि का व्रत 23 जुलाई, बुधवार को रखा जाएगा।

हर किसी के जीवन में विवाह का बड़ा महत्व होता है। यह जीवन का एक मुख्य पड़ाव होता है, जो आगे के जीवन को प्रभावित करता है। लेकिन कई लोगों को विवाह से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई बार रिश्ते तय होकर भी किसी न किसी कारणवश टूट जाते हैं या विलंब हो जाता है। ऐसे में सावन का महीना विशेष रूप से फलदायी माना जाता है, खासतौर पर सावन शिवरात्रि के दिन किए गए उपायों से विवाह संबंधी रुकावटों को दूर किया जा सकता है। सावन शिवरात्रि की तिथि को बहुत ही शुभ और शक्तिशाली माना गया है। आइए जानते हैं कि इस बार सावन शिवरात्रि कब पड़ रही है और कौन-से उपाय लाभकारी माने गए हैं।

सावन शिवरात्रि का महत्व

सावन शिवरात्रि का दिन शिवभक्तों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का पवित्र विवाह संपन्न हुआ था। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति इस दिन श्रद्धा और विधिविधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करता है, तो उसकी विवाह से जुड़ी समस्याओं का समाधान संभव है।

सावन शिवरात्रि 2025 तिथि

सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि आरंभः 23 जुलाई, प्रातः 04:39 मिनट पर

सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि समाप्तः 24 जुलाई, देर रात 02:28 मिनट पर

23 जुलाई 2025 को सावन माह की शिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा।

विवाह संबंधित बाधाएं दूर करने के लिए करें ये उपाय

सावन शिवरात्रि के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विशेष रूप से पूजन करने से विवाह के योग प्रबल होते हैं।

सावन शिवरात्रि पर शिव पूजा की विधि -
सुबह स्नान कर व्रत का संकल्प लें.
गंगाजल, दूध, दही, शहद, घी और पंचामृत और जल से शिवलिंग का अभिषेक करें.
बेलपत्र, भांग, धतूरा, सफेद फूल, चंदन, फल और धूप-दीप अर्पित करें.
'ॐ नमः शिवाय' या 'महामृत्युंजय मंत्र' का जाप करें. 5. रात्रि जागरण करें. रातभर शिव भजन, स्तोत्र या शिव पुराण का पाठ करें।

यदि किसी जातक को विवाह में लगातार रुकावटों का सामना करना पड़ रहा हो, तो उसे इस दिन भगवान शिव का षोडशोपचार विधि से पूजन करना चाहिए।

शिवलिंग पर दूध में हल्दी मिलाकर अभिषेक करें और माता पार्वती को सुहाग की वस्तुएं जैसे चूड़ी, सिंदूर, बिंदी आदि अर्पित करें। यह उपाय नियमित रूप से करने से जल्दी शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। माना जाता है कि इससे अगले शुभ मुहूर्त तक विवाह निश्चित हो जाता है।

सावन अमावस्या पर पितरों को प्रसन्न करने के लिए करें स्नान-दान के बाद यह पाठ

इस वर्ष सावन अमावस्या का शुभ पर्व 24 जुलाई, गुरुवार को मनाया जाएगा। इसे हरियाली अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन का विशेष महत्व पितरों की शांति और कृपा प्राप्त करने के लिए होता है। प्रातः स्नान करके व्यक्ति पितरों को प्रसन्न करने हेतु तर्पण, दान, और श्राद्ध आदि करता है। माना जाता है कि इन कर्मों से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है और वे परिवार को आशीर्वाद देते हैं। इसके लिए स्नान और दान के बाद पितृ सूक्तम् का पाठ अवश्य करें। यह पाठ पितरों को संतुष्ट करता है और उनकी कृपा प्राप्त होती है।

पितृ सूक्तम के पाठ से मिलने वाले लाभः

यह पाठ पितृ दोष को शांत करता है, जिससे संतान से जुड़ी समस्याएं, विवाह में रुकावटें और पूर्वजों के श्राप से छुटकारा मिलता है।

नियमित रूप से इस पाठ को करने से घर के वातावरण में सकारात्मकता आती है और तनाव दूर होता है।

माना जाता है कि यह पाठ पितरों को मोक्ष की ओर अग्रसर करता है और उनकी आत्मा को सुकून मिलता है।

जब पितर प्रसन्न होते हैं, तो वे अपने वंशजों को आशीर्वाद देते हैं और उनकी नई पीढ़ी को सफलता का मार्ग दिखाते हैं।

हरियाली अमावस्या तिथि

इस बार अमावस्या तिथि की शुरुआत 24 जुलाई 2025 को रात 2:28 बजे होगी और इसका समापन 25 जुलाई 2025 को दोपहर 12:40 बजे होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार पर्व 24 जुलाई को ही मनाया जाएगा।

शुभ समय और योगः ब्रह्म मुहूर्त- सुबह 4:15 बजे से 4:57 बजे तक, अभिजीत मुहूर्त- दोपहर 12:00 बजे से 12:55 बजे तक, अमृत काल- दोपहर 2:26 से 3:58 बजे तक

सर्वार्थ सिद्ध योग- पूरे दिन रहेगा

गुरु पुष्य योग- शाम 4:43 बजे से आरंभ होगा और अगले दिन सुबह 05:39 बजे तक रहेगा

हरियाली अमावस्या पर करें ये शुभ कार्य

इस दिन पवित्र नदी में स्नान करना अत्यंत शुभ माना गया है। यदि नदी स्नान संभव न हो, तो घर पर ही बाल्टी या टब में गंगाजल की कुछ बूंदें डालकर स्नान कर सकते हैं।

स्नान के बाद अपने पितरों के निमित्त तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म करना चाहिए।

पितृकार्य के बाद भगवान शिव का जलाभिषेक या रुद्राभिषेक अवश्य करें।

इस दिन वटवृक्ष अथवा पीपल के पेड़ में जल चढ़ाना और दीपक जलाना भी पुण्यदायक होता है।

जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और दान देना अत्यंत फलदायी माना गया है।

वाणी कपूर के स्किन टोन को लेकर किया गया शर्मिंदा, दुबले होने पर निर्माता के सुनने पड़े ताने

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'मंडला मर्डर्स' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच वाणी कपूर ने एक इंटरव्यू के दौरान उनके साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर खुलकर बातचीत की।

वाणी कपूर ने सुनाई अपनी आपबीती

वाणी कपूर ने एक इंटरव्यू में बताया कि एक फिल्म से उन्हें इसलिए हटा दिया गया क्योंकि उनका रंग 'गोरा' नहीं था। एक फिल्म निर्माता ने कहा कि वह उस किरदार के लिए गोरी नहीं हैं। इसके अलावा उन्हें बहुत पतली होने के लिए भी ताने सुनने पड़े थे। लोग अक्सर कहते थे कि उन्हें वजन बढ़ाना चाहिए, क्योंकि लोगों को भरे हुए शरीर वाली महिलाएं ज्यादा पसंद हैं। इस सभी बातों को लेकर वाणी का कहना है, 'वह खुद से खुश हैं और जैसी हैं, वैसे ही रहना चाहती हैं। वह फिट और स्वस्थ हैं और ऐसी बातों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।'

वाणी का वर्कफ्रंट

वाणी इन दिनों अपनी नई क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज मंडला मर्डर्स के प्रचार में व्यस्त हैं। इस सीरीज में वह एक तेज-तर्रार जासूस की भूमिका में हैं। यह सीरीज रहस्यमय हत्याओं की कहानी दिखाती है, जो एक गुप्त समाज से जुड़ी हैं। इस सीरीज में वाणी के अलावा सुरवीन चावला, वैभव राज गुप्ता, श्रिया पिलगांवकर और जमील खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। 'मंडला मर्डर्स' 25 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

हिना खान ने अपकमिंग सीरियल 'पति, पत्नी और पंगा' की दी जानकारी, फैंस हुए उत्साहित

हिना खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह यहां अपनी जिंदगी से जुड़ी कई अपडेट शेयर करती रहती हैं। हाल ही में हिना खान ने सोशल मीडिया पर अपनी कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि हिना खान हल्के हरे रंग के लहंगे में नजर आ रही हैं। लहंगे पर गोल्डन कढ़ाई है। उन्होंने डार्क मेकअप किया है और अपने बाल खुले छोड़े हैं।

पोस्ट के जरिए दी अपडेट

हिना खान ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने जिस रंग का लहंगा पहना है, उनके आस-पास उसी रंग की दीवारें हैं। अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए हिना खान ने कैप्शन में लिखा है 'देसी ग्लैमर। 22 अगस्त 2025 से 'पति, पत्नी और पंगा' आ रहा है, उसे देखना मत भूलना। इसमें बहुत मजा आने वाला है।'

यूजर्स को पसंद आईं हिना की तस्वीरें

हिना खान की तस्वीरों को उनके फैंस लाइक कर रहे हैं और इस पर कई कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है 'पति, पत्नी और पंगा के लिए बहुत उत्साहित हूं।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'आप परी की तरह लग रही हो' एक और यूजर ने लिखा है 'रानी हमेशा रानी रहती है।' कई दूसरे यूजर्स ने उन्हें अक्षरा कह कर बुलाया है और उनकी तस्वीरों पर दिल वाला इमोजी कमेंट किया है।

'पति पत्नी और पंगा' के बारे में

आपको बता दें कि कलर्स चैनल पर 2 अगस्त 2025 से 'पति पत्नी और पंगा' नाम का एक टीवी सीरियल आने वाला है। खबर है कि इस शो में हिना खान-रॉकी जयसवाल, अभिनव शुक्ला-रुबीना दिलैक, गुरमीत चौधरी-देबिना बनर्जी, अविका गौर-मिलिंद चंदवानी के अलावा स्वरा भास्कर-फहाद अहमद नजर आने वाले हैं। शो में रोमांस के साथ हंसी-मजाक भी होगा।

शादी के बाद पहली बार पर्दे पर दिखेंगी हिना

हिना खान हाल ही में कैंसर से ठीक हुई हैं। उन्होंने 2024 में स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर का खुलासा किया था। हिना ने कैंसर के इलाज के दौरान सोशल मीडिया पर अपने अनुभवों को साझा किया है। हिना खान ने 4 जून 2025 को अपने बॉयफ्रेंड रॉकी जयसवाल के साथ शादी की थी। शादी के बाद वह पहली बार अपने पति के साथ पर्दे पर नजर आने वाली हैं।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में दिशा वकानी की वापसी पर असित मोदी ने किया रिएक्ट

छोटे पर्दे का फेमस शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' पिछले 16 साल से टीवी पर राज कर रहा है। इसकी कहानी और किरदार लोगों को काफी पसंद आते हैं, यही वजह है कि पिछले काफी समय से यह टीआरपी में भी कई शो को टक्कर देते हुए नंबर 1 पर अपनी जगह बनाए हुए है। हालांकि, बीते कुछ सालों से इस शो में काफी उथल-पुथल देखने को मिली। इसके कई स्टार्स शो छोड़ गए, तो कुछ ने निर्माता पर गंभीर आरोप लगाए।

वहीं, काफी समय से लोग शो में 'दयाबेन' का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस दिशा वकानी का भी 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में वापस आने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, हर बार खबर आई कि वह नहीं आएंगी, वहीं मेकर्स ने भी कुछ नए ऑडिशन लिए। अब एक बार फिर शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने इस मुद्दे पर बात की है। उन्होंने 'दयाबेन' के किरदार और दिशा की वापसी पर बात की है।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में असित मोदी ने कहा, "दिशा ने वाकई शो में एक अमिट छाप छोड़ी है और उन्हें टीवी पर देखे हुए 8 साल हो गए हैं। फिर भी उनका किरदार दर्शकों के दिलों में जिंदा है। हालांकि, उन्हें वापस लाना (दिशा) आसान नहीं है। इसके लिए समय और सही परिस्थितियों की जरूरत होती है। मैं खास तौर से कहानी कहने पर ध्यान केंद्रित करता हूं। जब कहानी मजबूत होती है, तो दर्शक स्वाभाविक रूप से उसमें रम जाते हैं और किसी किरदार की अनुपस्थिति उतनी अखरती नहीं है। यह शो हमेशा अपनी कहानी से प्रेरित रहा है। जब तक हम कंटेंट देते रहेंगे, लोग जुड़े रहेंगे, चाहे कुछ किरदार मौजूद हों या नहीं।"

शॉर्टलिस्ट किए कई नाम

इसके बाद उन्होंने यह साफ किया कि इस रोल के लिए अब उन्होंने कुछ लोगों के नाम शॉर्टलिस्ट किए हैं, जिनसे वह जल्द ही मिलवाएंगे। ऐसे में अब असित मोदी की इस बात से साफ हो गया है कि 'दयाबेन' के किरदार में दिशा वापसी नहीं करने वाली हैं, लेकिन उनकी जगह दर्शकों को नई दयाबेन देखने को मिलेंगी। वहीं, असित मोदी ने दिलीप जोशी और मुनमुन दत्ता के शो छोड़ने पर क्या कहा।

संजय दत्त को 'सन ऑफ सरदार 2' में काम नहीं करने का अफसोस?

अजय देवगन अपनी अपकमिंग फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनकी इस फिल्म का दूसरा ट्रेलर जारी किया गया है। इसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। एक्शन हीरो अजय देवगन के फैंस इस पर उन्हें बधाई दे रहे हैं। ऐसे में संजय दत्त ने इस फिल्म के लिए अजय देवगन को बधाई दी है और पोस्ट में दिल की बात लिखी है।

संजय दत्त ने अजय देवगन को दी बधाई

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 'सन ऑफ सरदार 2' का दूसरा ट्रेलर शेयर करते हुए

संजय दत्त ने कैप्शन में लिखा है 'सन ऑफ सरदार 2 के लिए आपको बधाई राजू, अगर इसे हम एकसाथ करते तो और भी मजा आता।'

संजय दत्त की इस पोस्ट पर कई यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है 'बाबा तीसरे पार्ट में आप को ही होना चाहिए।' एक और यूजर ने लिखा है 'इसमें बाबा को होना चाहिए था। मैं तुम्हें पसंद करता हूं बाबा।' एक और यूजर ने लिखा है 'अब आप खलनायक वाले रोल में आओगे।'

संजय दत्त ने अजय देवगन के साथ अभिनय किया

आपको बता दें कि साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में अजय देवगन के साथ संजय दत्त थे। दोनों एक दूसरे के विपरीत थे। फिल्म में दिखाया गया था कि संजय दत्त की बहन सोनाक्षी सिन्हा को अजय देवगन से प्यार हो जाता है। संजय दत्त, अजय देवगन को खानदानी झगड़े की वजह से जान से मारना चाहते हैं लेकिन वह उन्हीं के घर में रहते हैं, इसलिए उन्हें नहीं मार पाते। इस तरह सोनाक्षी सिन्हा और अजय देवगन की प्रेम कहानी आगे बढ़ती है। हालांकि 'सन ऑफ सरदार 2' में संजय दत्त की जगह अभिनेता रवि किशन ने ली है।

हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हुए राकेश रोशन, फैंस को दिया संदेश

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्माता और निर्देशक राकेश रोशन को लेकर पिछले दिनों अस्पताल में भर्ती होने की बात सामने आई थी। उनकी गर्दन की एंजियोप्लास्टी हुई थी, जिसकी पुष्टि खुद उनकी बेटी और ऋतिक रोशन की बहन सुनैना रोशन ने की थी। अब राकेश रोशन ने खुद अस्पताल से तस्वीर शेयर करते हुए इसके बारे में फैंस को जानकारी दी है। साथ ही उन्होंने ये भी मैसेज दिया है कि 45 साल की उम्र के बाद हेल्थ की नियमित रूप से जांच कराना कितना जरूरी है।

अस्पताल स्टाफ के साथ फोटो शेयर करते हुए राकेश रोशन ने कैप्शन में लिखा- ये हफ्ता वाकई में आंखें खोलने वाला रहा है। स्वास्थ्य जांच के दौरान हृदय की सोनोग्राफी करने वाले डॉक्टर ने मुझे गर्दन की भी सोनोग्राफी कराने का सुझाव दिया। इसके बाद हमें पता चला कि मस्तिष्क को जाने वाली मेरी दोनों कैरोटिड धमनियां 75% से ज्यादा ब्लॉक्ड थीं। हालांकि इसके कोई लक्षण नहीं थे, जिसे नजरअंदाज करना संभावित रूप से खतरनाक हो सकता था। मैंने तुरंत खुद को अस्पताल में भर्ती कराया और जो

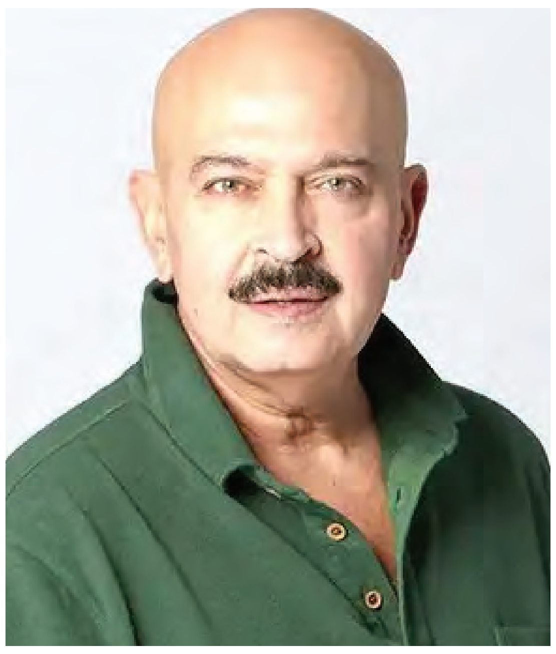

भी जरूरी प्रोसेस था वो करवाया।

हेल्थ को लेकर दी जानकारी

इसके अलावा राकेश रोशन ने अपने पोस्ट में ये भी बताया कि वो अब पूरी तरह से ठीक हैं। उन्होंने लिखा- 'मैं अब पूरी तरह से ठीक होकर घर वापस आ गया हूं और जल्द ही अपने वर्कआउट पर वापस आने की उम्मीद करता हूं। मुझे उम्मीद है कि ये दूसरों को अपने स्वास्थ्य को सीरियस लेने के लिए प्रेरित करेगा। खासकर जहां हृदय और दिमाग का मामला है। इन दोनों का ध्यान रखना खासकर 45-50 साल से ज्यादा उम्र के सभी लोगों के लिए जरूरी है।'

फैंस ने किया वेलकम

राकेश रोशन के इस पोस्ट पर फैंस के ढेरों कमेंट्स आए। उनके प्रशंसकों ने उनका स्वागत किया। एक यूजर ने लिखा- 'वेलकम होम गुड्डू भैया'। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा- 'इस खबर को सुनकर काफी अच्छा लगा गुड्डू भैया। आपकी अच्छी सेहत, रिकवरी और खुशी के लिए दुआ करते हैं।'

'सैयारा' की कहानी कोरियन मूवी की कॉपी?

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी अहान पांडे और अनीत पड्डा की रोमांटिक फिल्म 'सैयारा' खूब पसंद की जा रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर रही है।

'सैयारा' ने चौथे दिन 100 करोड़ क्लब में मारी एंट्री

इसके साथ ही 'सैयारा' ने मंडे टेस्ट में भी कमाल का प्रदर्शन किया और 100 करोड़ के क्लब में एंट्री मार ली। डायरेक्टर मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' ने बॉक्स ऑफिस पर सोमवार को 22.50 करोड़ का

कलेक्शन किया। इसके बाद इसका कुल बिजनेस 105.75 करोड़ पहुंच गया, जो कि मेकर्स के लिए किसी बड़ी जीत से कम नहीं है। छोटे बजट की इस रोमांटिक फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से अच्छा खासा रिस्पांस मिला। कहना गलत नहीं होगा कि फिल्म के माउथ पब्लिसिटी का भरपूर फायदा मिला है।

ऐसे में अब आने वाले दिनों में फिल्म की कमाई पर कैसा असर पड़ता है। ये वीक डेज में भी दौड़ती है या फिर कछुए की चाल से कमाई करती है?

रेडिट और ट्विटर पर कई यूज़र्स ने आरोप लगाए हैं कि 'सैयारा' की कहानी साल 2004 में आई कोरियन फिल्म 'ए मोमेंट टू रिमेंबर ' से काफी मिलती-जुलती है। उस फिल्म में भी एक महिला किरदार को शुरुआती अल्जाइमर होता है और उसका प्रेमी उसके साथ खड़ा रहता है, जैसा कि 'सैयारा' में दिखाया गया है।

क्या है फिल्म 'सैयारा' की कहानी?

फिल्म में अहान एक गुस्सैल म्यूज़िशियन कृष की भूमिका निभा रहे हैं और अनीत वाणी के किरदार में हैं जो पत्रकार बनना चाहती है। वाणी को अल्जाइमर की शुरुआत होती है और वो रिश्ता तोड़ना चाहती है, लेकिन कृष उसके साथ रहकर उनकी यादें दोबारा जीने की कोशिश करता है। ठीक यही प्लॉट कोरियन फिल्म में भी दिखाया गया था।

इससे पहले भी मोहित सूरी पर कोरियन फिल्मों से प्रेरणा लेने के आरोप लगते रहे हैं। 'आशिकी 2', 'एक विलेन', 'मर्डर 2' और 'अवारापन- इन सभी को अलग-अलग कोरियन फिल्मों की कॉपी बताया जा चुका है। हालांकि कुछ दर्शकों का मानना है कि अगर 'सैयारा' अडॉप्टेड है तब भी इस फिल्म में भावनात्मक गहराई और सादगी है जो इसे अलग और खास बनाती है।

दीपिका पादुकोण को अब मिला विद्या बालन का साथ, 8 घंटे शिफ्ट वाली बात पर दिया रिएक्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के फिल्म 'स्पिरिट' से हटाए जाने की खबरों ने फिल्म इंडस्ट्री में नई बहस छेड़ दी थी। इस पर रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि दीपिका ने मां बनने के बाद 8 घंटे की शिफ्ट करने की बात कही थी, जिसपर डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा नाराज हो गए थे और इसी के चलते उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया गया था।

इन रिपोर्ट्स के सामने आने के बाद जहां कई लोगों का उन्हें साथ मिला तो बहुत से लोगों ने प्रोफेशन का हवाला देते हुए ये भी कहा था कि इसमें किसी के भी काम करने के घंटे पहले से ही निर्धारित नहीं किए जा सकते। अब अभिनेत्री विद्या बालन ने इस मामले पर अपना रिएक्शन दिया है।

विद्या बालन ने 8 घंटे शिफ्ट पर क्या कहा?

विद्या बालन ने इस मामले पर अपनी राय रखी और दीपिका का साथ दिया। विद्या बालन का कहना है कि आज की दुनिया में हर सेक्टर महिलाओं को बनाए रखने के लिए फ्लेक्सिबल काम के घंटे अपना रहा है, तो फिर फिल्म इंडस्ट्री क्यों पीछे रहे? उन्होंने ये भी कहा कि एक मां को काम और परिवार के बीच संतुलन

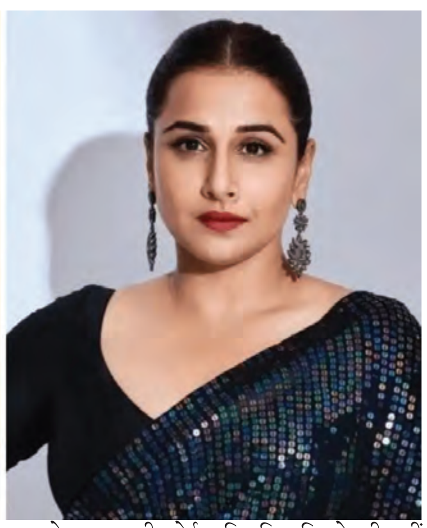

बनाने के लिए ये बेहद जरूरी है कि उसके लिए काम करने के घंटों में रियायत दी जाए।

विद्या ने भी दीपिका का दिया साथ

हालांकि विद्या खुद अभी मां नहीं बनी हैं, लेकिन वो मानती हैं कि ये मांग एकदम जायज है। उनका कहना है कि वो खुद 12 घंटे की शिफ्ट में काम करने को तैयार रहती हैं, क्योंकि उनके पास अभी कोई पारिवारिक जिम्मेदारी नहीं है।

लेकिन उन्होंने साफ कहा कि हर महिला की परिस्थिति अलग होती है और खासतौर पर मां बनने के बाद महिला के शरीर और मानसिकता में जो बदलाव आते हैं, उन्हें समझा जाना चाहिए।

विक्रांत मैसी ने भी दिया था साथ

इस बहस में विक्रांत मैसी भी शामिल हुए थे। उन्होंने दीपिका की मांग का समर्थन करते हुए कहा था कि एक यंग मां के तौर पर दीपिका को ये सुविधा मिलनी चाहिए। लेकिन साथ ही उन्होंने ये भी जोड़ा कि अगर कोई कलाकार दिन के 12 घंटे काम नहीं कर सकता, तो उन्हें अपनी फीस में कटौती करने को भी तैयार रहना चाहिए, क्योंकि ये पूरी तरह एक 'गिव एंड टेक' मामला है।

दीपिका के सपोर्ट में उतर चुकीं ये अभिनेत्रियां

इस मुद्दे पर काजोल और सोनाक्षी सिन्हा जैसे कलाकार भी दीपिका के पक्ष में बयान दे चुके हैं। उनका कहना है कि अगर महिलाएं फिल्मों में काम करना जारी रखें और साथ ही अपने मातृत्व को भी संजोएं, तो इसके लिए फिल्म इंडस्ट्री को भी कुछ बदलाव लाने होंगे। बता दें बॉलीवुड में लंबे समय से 12 घंटे की शिफ्ट सामान्य मानी जाती है। लेकिन बदलते समय के साथ-साथ ये सवाल उठने लगे हैं कि क्या ये काम का तरीका अब भी सही है, खासकर तब, जब महिलाएं परिवार और करियर दोनों को एक साथ आगे लेकर चलना चाहती हैं।

दोस्त को खुश करने के 5 तरीके होंगे दिल जीतने वाले

दोस्ती का खूबसूरत रिश्ता आपके जीवन में खुशियां और मौज-मस्ती लेकर आता है। जीवन की थकान, परेशानियों और संघर्ष को कम करने में दोस्त एक ऐसी औषधि के जैसा है जो तुरंत राहत देता है। आपके चेहरे पर मुस्कान लानी हो या आपकी परेशानियों को हल निकालना हो, दोस्त हर मौके पर आपके साथ होता है। इसी दोस्त और उससे आपके मजबूत रिश्ते को सेलिब्रेट करने के लिए हर साल दोस्ती दिवस मनाया जाता है। दोस्ती दिवस अगस्त महीने के पहले रविवार को मनाया जाता है। इस साल फ्रेंडशिप डे 3 अगस्त 2025 को मनाया जा रहा है।

इस खास दिन को अपने दोस्त के लिए खास बना देना चाहते हैं तो कुछ विकल्प दिए जा रहे है। ये विकल्प खर्चेलू नहीं हैं, बल्कि दिल छू लेने वाले हैं। आइए जानते हैं कि इस साल दोस्त के साथ फ्रेंडशिप डे कैसे सेलिब्रेट करें ताकि आप दोनों का दिन यादगार बन जाए, साथ ही इस दिन आप सब भुलाकर मस्ती कर पाएं।

फ्रेंडशिप बैंड है जरूरी

दोस्ती दिवस मनाने की पुरानी परंपरा आज भी जिंदा है। दोस्त की कलाई पर रंग-बिरंगी फ्रेंडशिप बैंड बांधकर रिश्ते को खास बना सकते हैं। इस दिन को सेलिब्रेट करने के लिए अपने दोस्त की कलाई पर मित्रता का प्रतीक फ्रेंडशिप बैंड बांधें।

फोटोज और रील शेयर करें

दोस्ती की यादों को सोशल मीडिया पर रील्स और पोस्ट के जरिए शेयर करें। अपने दोस्त संग पुरानी तस्वीरें, दोस्ती वाले कोट्स और गाने लगाकर रील और स्टेट्स दोस्त के नाम डेडिकेट कर सकते हैं।

खत या वॉयस नोट

आज के डिजिटल दौर में दोस्त के लिए कुछ निजी करने से रिश्ता और मजबूत बनता है। दोस्त के लिए अपने हाथों से लेटर लिख सकते हैं या फिर दिल छू लेने वाला वॉयस नोट रिकॉर्ड करके दोस्त को भेज सकते हैं।

मूवी नाइट या वीडियो कॉल

अगर दोस्त दूर है तो नेटफ्लिक्स पार्टी या वीडियो कॉल से जुड़े और साथ वक्त बिताएं। मिल सकते हैं तो दोस्त के साथ मूवी या डिनर के लिए जाएं। अपने पुराने स्पॉट पर मिलें, मस्ती करें और यादों को ताजा करें

कस्टमाइज्ड गिफ्ट या DIY सरप्राइज तैयार करें

छोटे-छोटे प्रयास दोस्त और दोस्ती के इस दिन को खास बना सकते हैं। आप दोस्त के लिए खुद से गिफ्ट तैयार कर सकते हैं। कस्टमाइज्ड गिफ्ट भी आपके दोस्त के दिल को छू लेगा। इसके लिए दोस्त के लिए scrap book, कार्ड या पर्सनलाइज्ड गिफ्ट तैयार करें।

हर माता-पिता के दिल में बसते हैं ये सपने, क्या आपने कभी समझे?

किसी युगल के माता-पिता बनने के बाद उनके इच्छाओं में कुछ नई ख्वाहिशें शामिल हो जाती हैं। खुद से अधिक लोग अपने बच्चों के लिए सपने देखने लगते हैं। माता-पिता बिना कुछ कहे बच्चे के लिए हर संभव त्याग करते हैं। वे हर दिन अपने बच्चे की उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं, वह भी बिना किसी अपेक्षा के। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि वे अपने मन में बच्चों के लिए कौन-कौन से सपने संजोते हैं?

हर माता के कुछ समान लेकिन बेहद भावुक सपने होते हैं जो उनके बच्चे की सफलता, खुशहाली और अच्छे संस्कारों से जुड़े होते हैं। बच्चों को भी अपने माता-पिता के सपने, उनकी ख्वाहिशों के बारे में पता होना चाहिए, ताकि उन्हें पूरा कर वह अपने अभिभावक के जीवन में खुशहाली ला सकें। इस लेख में जानते हैं उन 5 सपनों के बारे में, जो लगभग हर मां-बाप अपने बच्चों के लिए देखते हैं।

बच्चा खुश रहे

हर माता-पिता की सबसे बड़ी इच्छा होती है कि उनका बच्चा जीवन में खुश रहे, चाहे वह किसी भी परिस्थिति में हो। वे चाहते हैं कि उनका बच्चा स्ट्रेस को संभालना सीखें, खुशी से जीएं और मानसिक शांति में रहें। बच्चा मानसिक और भावनात्मक रूप से संतुलित रहे, यही सपना माता-पिता देखते हैं।

आत्मनिर्भर बने

बच्चा अपनी पहचान खुद बनाए, इस इच्छा के साथ माता-पिता उसे पढ़ाते लिखाते हैं। हर अभिभावक चाहता है कि बच्चा दूसरों पर निर्भर न होकर अपनी एक अलग पहचान बनाए। वो उसे मेहनती, जिम्मेदार और आत्मनिर्भर बनते हुए देखना चाहते हैं ताकि जब वे साथ न हों, तब भी आप मजबूती से खड़े रह सकें।

नैतिक और अच्छे संस्कारों वाला इंसान बने

पढ़ाई, नौकरी और पैसा ज़रूरी है, लेकिन माता-पिता के लिए बच्चे के अंदर मानवीयता, सच्चाई और आदर्श सबसे बड़ी दौलत होते हैं। वे चाहते हैं कि आप एक अच्छा इंसान बनें, जिससे समाज में गर्व हो।

सुरक्षित और स्थिर जीवन जिए

हर मां-बाप की यह चाह होती है कि बच्चा जीवन में किसी खतरे या असुरक्षा में न रहे। वे उसे एक स्थिर नौकरी, अच्छा जीवनसाथी और सुरक्षित भविष्य के साथ देखना चाहते हैं।

खुद फैसले ले लेकिन अभिभावक को न भूले

माता-पिता चाहते हैं कि बच्चा स्वतंत्र रूप से अपने निर्णय ले। जीवन में अपने लिए बेहतर फैसले लेने में सक्षम बने, माता पिता ऐसी इच्छा तो रखते हैं। लेकिन साथ ही बच्चे उनका सम्मान भी करें, ये ख्वाहिश भी होती है। वो चाहते हैं कि बच्चा अपने रास्ते खुद बनाएं लेकिन जमीन से जुड़ा रहे।

हील्स पहनने का शौक है तो खरीदते वक्त ध्यान में रखें ये बातें, वरना गिरने से कोई रोक नहीं सकता

जिस तरह से अलग तरह के आउटफिट के साथ अलग-अलग ज्वेलरी और मेकअप कैरी किया जाता है, ठीक उसी तरह से हर अलग आउटफिट के साथ फुटवियर भी अलग तरीके के कैरी किए जाते हैं। इन्हीं फुटवियर में शामिल हैं हील्स, जिसे पहनकर न सिर्फ लुक क्लासी और खूबसूरत दिखता है, बल्कि इसे पहनकर महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। ऐसे में हर महिला के पास हील्स का शानदार कलेक्शन होता है।

यदि आपको हील्स पहनना पसंद है लेकिन कभी सही हील्स नहीं खरीद पाती हैं तो इस लेख को अंत तक पढ़ें। दरअसल, हील्स खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान अवश्य ही रखना चाहिए, वरना आप बारिश के मौसम में स्लिप भी हो सकती हैं।

कंफर्ट को दें प्राथमिकता

यदि हील्स खरीदने जा रही हैं तो इसे पहनकर चलकर देखें। कभी भी बिना ट्राई किए हील्स न खरीदें। इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि यदि हील्स आरामदायक नहीं होंगी तो इसे पहनकर आप खुद असहज महसूस करेंगी। कई बार गलत हील्स के चुनाव से पैरों के अलावा कमर में भी दर्द होने लगता है। इसकी वजह से आपको काफी दिक्कत हो जाएगी।

सही होना साइज

न तो ज्यादा ढीली और न ही ज्यादा टाइट, हील्स हमेशा परफेक्ट होनी चाहिए। सही फिटिंग वाली हील्स ही पैर में अच्छी लगती हैं। यदि ये ढीली या टाइट होगी तो इसकी वजह से चलने में दिक्कत होती है। ऐसे में हमेशा सही साइज की ही हील्स खरीदें, ताकि इसको पहनकर आपको किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

क्वालिटी चेक करें

हील्स खरीदते समय उसकी क्वालिटी अवश्य चेक करें। सस्ते सामान से बनी हील्स जल्दी खराब हो सकती हैं। इसके अलावा ऐसी हील्स चलते-चलते टूट भी जाती हैं, जिसके बाद लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिए हील्स खरीदते समय उसकी क्वालिटी अवश्य चेक करें।

पैडिंग और सोल की क्वालिटी देखें

हर हील्स के अंदर पैडिंग होती है, जिससे पैरों को सहारा मिलता है और दर्द भी नहीं होता है। ऐसे में अगर पैडिंग की क्वालिटी खराब होगी, इससे भी आपके पैरों को काफी दिक्कत होगी। इसके साथ-साथ चेक करें कि हील्स का सोच टिकाऊ है या नहीं, वरना फिसलने का खतरा बना रहेगा।

सही डिजाइन का चयन करें

हील्स खरीदते समय हमेशा पहले ये प्लान करें कि आपको हील्स किस मौके के लिए चाहिए। जैसे कि पार्टी, ऑफिस या कैज़ुअल के लिए अलग-अलग स्टाइल के हील्स चुनें। जिन जगहों पर चलना हो वहां कम ऊंचाई वाली या वेज हील्स बेहतर रहती हैं।

दिमाग को तेज करने के आसान उपाय

इंसान को जिंदगी भर एक चीज की बेहद जरूरत होती है वो है तेज दिमाग। स्कूल में एडमिश लेने के बाद जिंदगी की दौड़ में सबसे तेज दौड़ने और आगे निकलने की ऐसी होड़ रहती है जो मरते दम तक पीछा नहीं छोड़ती। कभी स्कूल में टॉप आना है तो कभी अच्छे कॉलेज में एडमिश लेना है।

करियर की बात करें तो अच्छा प्लेसमेंट लेने से लेकर अच्छा

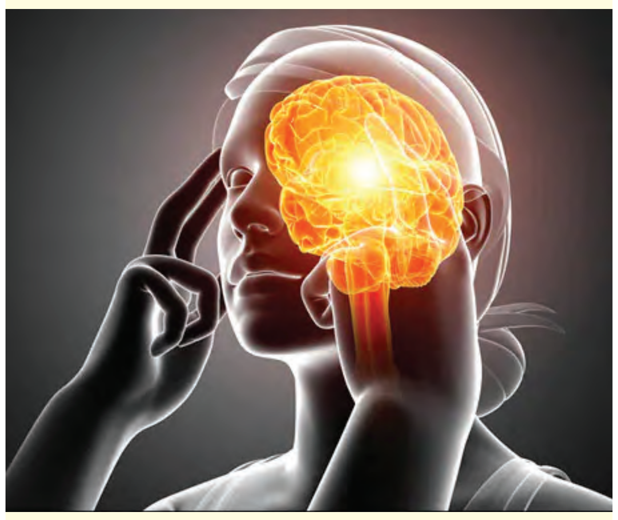

पैकेज पाना है। वर्किंग प्लेस पर बेस्ट परफॉर्मेंस देने के लिए भी तेज दिमाग की जरूरत होती है। ऐसे में कई लोगों के मन में एक सवाल होता है कि आखिरकार दिमाग को तेज करने के लिए क्या करना चाहिए? यहां हम आपको ऐसे 7 आसान उपाय बताने जा रहे हैं, जिससे आप दिमाग को तेज कर सकते हैं। पढ़ाई से लेकर करियर में ये टिप्स काम आएंगे। आइए जानें इसके बारे में।

गहरी नींद

दिमाग को तेज और शांत करके लिए जरूरी है अच्छी और गहरी नींद की। इसके लिए आपको रोजाना रात 7 से 9 घंटे की गहरी नींद लेनी चाहिए।

एक्टिव लर्निंग

बच्चों से लेकर बड़ों को एक बात का ध्यान रखना चाहिए कि अगर आप दिमाग को तेज करना चाहते हैं तो हमेशा सीखने के लिए तत्पर रहें। इसके लिए माइंड मैप्स बनाएं।

एक्सरसाइज

फिजिकल एक्टिविटी न सिर्फ शरीर, बल्कि दिमाग को एक्टिव रखने में भी बेहद मददगार है। ये ब्रेन में ब्लड फ्लो बेहतर करता है। रोज 30 मिनट की ब्रिस्क वॉकिंग भी मेमोरी को बूस्ट देती है।

मेमोरी एंड लॉजिक गेम्स

दिमाग को तेज करने के लिए आप पजल्स, सुडोकू, क्रॉसवर्ड, चेस जैसे ब्रेन गेम्स खेलें। कई रिसर्च में ये बात सामने आई है कि ये गेम्स खेलने से दिमागी कसरत होती है। इससे फोकस बढ़ाता है।

हर समय न करें मल्टी-टास्किंग

कभी-कभी जरूरत पड़ने पर आप एक ही समय में कई काम एक साथ कर सकते हैं। लेकिन हर समय मल्टी-टास्किंग अच्छी चीज नहीं है। इससे फोकस करने में दिक्कत होती है। चीजें लंबे समय तक याद नहीं रहती है।

नया सीखने की डालें आदत

दिमाग तेज करना चाहते तो हमेशा कुछ नया सीखने की कोशिश करें। इससे आपको कई तरह से फायदे देखने को मिलेंगे। कोई नई स्किल, नई भाषा या नया शौक आपके दिमाग को तेज बनाने में मदद करेगा।

खाने-पीने का भी रखें ख्याल

दिमाग की कसरत के साथ-साथ उसे भरपूर पोषण की भी जरूरत होती है। इसके लिए आपको डाइट में ओमेगा-3 से भरपूर चीजों को शामिल करनी चाहिए। इसके लिए आप अखरोट, चिया सीड, अलसी आदि खाएं।

मोगरे के पौधे में नहीं आ रहे फूल? इस एक टिप्स से महक उठेगा आपका बगीचा

बारिश के मौसम में चारों तरफ हरियाली छा जाती है। हालांकि, कई बार इस मौसम में कुछ पौधों में फूल नहीं खिलते हैं। ऐसे में अगर आपके घर में भी मोगरे का पौधा लगा है और उसमें फूल नहीं आ रहे हैं, तो घबराने की कोई जरूरत नहीं है। इस आर्टिकल में हम आपके लिए एक खास देसी उपाय लेकर आए हैं, जिसे आप आसानी से फॉलो भी कर सकते हैं। इससे आपका बगीचा फिर से फूलों से भर जाएगा।

पौधे में डालें सरसों की खली

मोगरे के पौधे में आप सरसों की खली डाल सकते हैं। इसमें नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश की भरपूर मात्रा होती है। यह पौधों की वृद्धि के साथ-साथ उनमें फूल लाने में भी काफी मददगार होती है। इसे पौधों में डालने से मिट्टी की गुणवत्ता भी बेहतर होती है, जिससे फूल अधिक संख्या में खिलते हैं।

कैसे करें उपयोग?

इसका उपयोग करने के लिए सबसे पहले एक लीटर पानी में लगभग 100 ग्राम सरसों की खली डालकर उसे 2–3 दिनों के लिए छोड़ दें। इस तरह एक अच्छा मिश्रण तैयार हो जाएगा। अब इस मिश्रण को पौधे की जड़ों में डालें। ध्यान रखें कि इसे सप्ताह में केवल एक बार ही डालें। अधिक मात्रा में डालने से पौधा खराब हो सकता है।

पौधों में खली डालने के फायदे

पौधों में खली डालने से फूलों की संख्या बढ़ती है। इससे गुच्छों में फूल खिलते हैं। इससे पौधों की ग्रोथ अच्छी होती है और पत्तियां भी हरी-भरी रहती हैं। मिट्टी में इसको डालने से इसकी उर्वरता बनी रहती है।

इन बातों का रखें ध्यान

मोगरे को अधिक धूप की जरूरत होती है। ऐसे में इसको हर रोज 4-6 घंटे सीधी धूप में रखें। अधिक पानी देने से बचें।

आप समय-समय पर इसकी सूखी पत्तियां और टहनियों को काटते रहें। इससे नई शाखाएं निकलती हैं। अगर पत्तियों पर कीड़े या फफूंदी दिखे, तो नीम के तेल का छिड़काव करें।

पौधों में जान डाल देगा नींबू का छिलका फेंकने की बजाय बनाएं देसी खाद

बारिश का मौसम पौधों के लिए काफी बेहतर होता है। इस मौसम में चारों ओर हरियाली ही हरियाली देखने को मिलती है। हालांकि, कई बार पोषण और खाद की कमी के कारण कई पेड़-पौधे सूखने लगते हैं। ऐसे में इन पौधों को हरा-भरा करने के लिए आप नींबू के छिलके का उपयोग कर सकते हैं।

दरअसल, कई लोग नींबू का रस निकालने के बाद उसके छिलके को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन, आप इससे खाद भी तैयार कर सकते हैं। नींबू का छिलका आपके गार्डन के पौधों के लिए काफी बेहतर हो सकता है। इसमें साइट्रिक एसिड, विटामिन्स और कई प्रकार के मिनरल्स होते हैं, जो पौधों को हरा-भरा करने के

साथ-साथ बढ़ाने में भी मदद करते हैं। इसके उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता भी बेहतर बनी रहती है।

नींबू के छिलकों से कैसे बनाएं खाद?

स्टेप-1 :नींबू के छिलकों से खाद बनाने के लिए सबसे पहले इसके छिलकों को कुछ दिनों तक इकट्ठा कर लें। अब इसको छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। आप इनमें सब्जियों के छिलके और चायपत्ती भी मिला सकते हैं। अब एक बाल्टी में हल्के सूखे पत्ते या मिट्टी डालें। हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि बाल्टी के नीचे हवा के लिए छेद जरूर हो।

स्टेप-2 :अब इसमें कटे हुए नींबू के छिलके डालें। इसके बाद हरे किचन वेस्ट और सूखे पत्ते भी डालें। यदि मिश्रण अधिक सूखा हो, तो उस पर हल्का पानी छिड़क सकते हैं। लगभग 4–5 दिनों में एक बार इस मिश्रण को अच्छी तरह हिलाएं, जिससे उसमें हवा लगती रहे। करीब एक महीने में अच्छी गुणवत्ता वाली खाद तैयार हो जाएगी। अब आप इसको किसी भी पौधे में डाल सकते हैं।

सब्जी बनाते समय पांच गलतियां कर देते हैं लोग स्वाद और सेहत दोनों हो जाती हैं खराब

अगर आप रोज सब्जी बनाते हैं लेकिन स्वाद या पोषण में कुछ कमी लगती है तो हो सकता है आप अनजाने में खाना बनाते समय कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर रहे हों। इन गलतियों से न सिर्फ आपकी सब्जी का स्वाद बिगड़ता है, बल्कि सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है। आप खाना तो बहुत मन से बनाते हैं लेकिन फिर भी उसमें स्वाद नहीं आता। सब्जी बनाते समय सारी प्रक्रिया भी वही दोहराते हैं, जैसा मां ने सिखाया हो या यूट्यूब देखकर सीखा हो लेकिन फिर भी कोई न कोई कमी रह ही जाती है। आखिर गलती हो कहां रही है? इस लेख में जानिए वो पांच सामान्य गलतियां जो सब्जी बनाते समय लोग करते हैं, जिससे उनके खाने का स्वाद खराब हो जाता है।

कच्चे तेल में छोंक

अक्सर लोग सब्जी बनाते समय तेल को अच्छे से पकाए बिना या ठंडे व कच्चे तेल में छोंक लगा देते हैं। इससे तेल की छार और कच्चापन बरकरार रहता है। ये सब्जी बनाते समय सबसे पहली और बड़ी गलती लोग कर जाते हैं। जब तेल अच्छे से गर्म हो जाए तो उसमें जीरा,

ज्यादा देर तक सब्जी पकाना

बहुत से लोग सब्जी को ढककर ज्यादा देर तक पकाते हैं ताकि वह

पूरी तरह से गल जाए। लेकिन इससे सब्जियों के जरूरी विटामिन और मिनरल्स खत्म हो जाते हैं। इससे सब्जी ओवरकुक हो जाती है और उसका स्वाद भी कम हो जाता है। हल्की आंच पर सीमित समय तक पकाएं।

शुरुआत में नमक डालना

सब्जी बनाते समय गलत समय पर नमक डालने से भी स्वाद बिगड़ सकता है। शुरुआत में ही नमक डालने से सब्जी गल जाती है और उसका टेस्चर भी खराब हो जाता है। वहीं कुछ लोग देर में नमक डालते हैं, जिससे वह अच्छी तरह से घुल नहीं पाता। जब सब्जी आधी पक चुकी हो तो उसमें सही अनुपात में नमक डालें ताकि वह अच्छे से घुल भी जएं और स्वाद भी बढ़ जाए।

बार-बार सब्जी को चलाना

हर दो मिनट में सब्जी को चलाने से उसकी आकृति बिगड़ जाती है और सब्जी मसल जाती है। कम से कम बार हिलाएं, ताकि सब्जी अपनी शेप और स्वाद बनाए रखे। हालांकि ढककर पकाते न रहे, बीच-बीच में उसे चलाते रहें, लेकिन सीमित मात्रा में।

तेल ज्यादा डालना

आप मसाले, नमक आदि सभी कुछ का अनुपात बराबर रखते हैं लेकिन अगर आपने सब्जी में तेल ही ज्यादा डाल दिया हो तो स्वाद बिगड़ जाता है। अक्सर स्वाद बढ़ाने के चक्कर में लोग तेल की मात्रा ज्यादा कर देते हैं, जिससे कैलोरी इनटेक बढ़ता है और सब्जी भारी हो जाती है। एक से दो चम्मच तेल ही काफी होता है।

हर सब्जी में एक ही तरह के मसाले

सब्जी चाहे ग्रेवी वाली हो या ड्राई वेज, आलू की सब्जी हो या पनीर की सब्जी हो, कुछ लोग एक ही तरह के मसाले का उपयोग करते हैं। इससे हर सब्जी का स्वाद एक ही जैसा लगता है। हमेशा सब्जी के हिसाब से मसाले डालें। ये ध्यान रखें कि किस सब्जी में अजवाइन का तड़का अच्छा लगता है और किस सब्जी में मेथी या जीरा का। कौन सी सब्जी हल्दी डाली जाती है और किस सब्जी में हल्दी का उपयोग नहीं करना चाहिए। कई सब्जियां ऐसी होती हैं, जिसमें भरपूर मसाले डाले जाते हैं, वहीं कुछ सब्जियों में सिर्फ खड़े मसालों से ही स्वाद बढ़ जाता है।

व्यापार और नवाचार को मिली नई दिशा

वाणिज्य मंत्रालय की पहलों से स्टार्टअप और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मेंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने पिछले सप्ताह भारत के व्यापार तंत्र को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जमीनी स्तर के उद्यमिता प्रयासों की सराहना करते हुए पोस्ट किया।

तीन श्रेणियों में दिए जाएंगे 34 पुरस्कार

मंत्रालय ने एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पुरस्कार की मेजबानी की। इसमें तीन श्रेणियों में 34 पुरस्कार दिए गए। ओडीओपी का उद्देश्य संतुलित क्षेत्रीय विकास और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। सरकार ने स्थानीय उत्पादकों को समर्थन देने और उन्हें वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकृत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत के वैश्विक व्यापार को बढ़ाने के लिए 61 देशों के प्रमुखों से की मुलाकात

भारत के वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के रणनीतिक कदम के तहत, मंत्री गोयल ने 61 देशों में 74 भारतीय मिशनों के वाणिज्यिक विंग के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। इस चर्चा में भारत की वैश्विक व्यापार रणनीति को और बेहतर बनाने और चार प्रमुख संकेतकों (केपीआई) पर जोर देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें निवेश, व्यपार, पर्यटन और प्रौद्योगिकी शामिल हैं।

स्टार्टअप पुरस्कारों का पांचवां संस्करण

नवाचार को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कारों के पांचवें संस्करण के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। कृषि, स्वच्छ ऊर्जा, फिनटेक, एयरोस्पेस, स्वास्थ्य, शिक्षा, साइबर सुरक्षा और सुगम्यता सहित विविध क्षेत्रों के स्टार्टअप्स को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

उद्योग जगत के नेताओं के साथ विचार-विमर्श

इसके अलावा, मंत्री गोयल ने 10वीं राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद की बैठक की अध्यक्षता की और उद्योग जगत के नेताओं, संस्थापकों और नीति निर्माताओं के साथ विचार-विमर्श किया। उन्होंने भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए नवाचार, अनुसंधान एवं विकास और सहयोग को महत्वपूर्ण बताया।

वैश्विक स्थिरता का आधार बन रहा भारत

यूएन के मंच से बोले नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा है कि भारत की सतत आर्थिक प्रगति ने उसे वैश्विक स्तर पर स्थिरता का आधार बना दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में दुनिया को ऐसे नए विकास मॉडल और वृद्धि के नए इंजनों की आवश्यकता है, जिन्हें बड़े पैमाने पर अपनाया और साझा किया जा सके। इस दिशा में भारत एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। बेरी ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सतत विकास लक्ष्यों के लिए उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच के मंत्रिस्तरीय खंड को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विश्व महत्वपूर्ण आर्थिक बदलावों और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। इससे सतत विकास लक्ष्यों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सामूहिक कार्य पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। बेरी ने कहा कि परिवर्तनशील युग में भारत एक जीवंत लोकतंत्र के रूप में उभर कर सामने आया है। इसके सामाजिक-आर्थिक संकेतक निरंतर बेहतर हो रहे हैं। साथ ही इसमें समावेशी डिजिटल प्रौद्योगिकी, सैद्धांतिक सुधार और समाज के सभी वर्गों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा, जो पैमाने, गति और स्थिरता से चिह्नित हो, अन्य विकासशील देशों का मार्गदर्शन करती है।

24.8 करोड़ भारतीय गरीबी से निकले

उपाध्यक्ष ने आगे कहा कि अनुमान है कि 2013-14 और 2022-23 के बीच के दशक में 24.8 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकल आए हैं। आज भारत में विश्व में रोजगार प्राप्त करने वाले युवाओं का सबसे बड़ा समूह मौजूद है। भारत ने विकासशील देशों को रियायती वित्त, प्रौद्योगिकी साझेदारी और क्षमता निर्माण सहायता प्रदान की है। इसमें सौर ऊर्जा अवसंरचना और डिजिटल शासन उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा, यूएन के महासिचव एंटोनियो गुटेरेस ने अपने संबोधन में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय इस फोरम में ऐसे वैश्विक संघर्षों की पृष्ठभूमि में मिल रहा है, जो सतत विकास लक्ष्यों को और अधिक दूर ले जा रहे हैं। उन्होंने धीमी होती वैश्विक अर्थव्यवस्था, बढ़ते व्यापार तनाव, बढ़ती असमानताओं और सैन्य खर्च में वृद्धि के साथ-साथ सहायता बडट मे कमी आने पर चिंता व्यक्त की।

मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 13 अंक टूटा, निफ्टी 25100 से नीचे आया

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मंगलवार को अस्थिर कारोबार के दौरान बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगभग अपरिवर्तित बंद हुए। क्विक कॉमर्स और निजी बैंकिंग शेयरों में बढ़त की भरपाई तेल एवं गैस और आईटी शेयरों में गिरावट से हो गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 13.53 अंक या 0.02 प्रतिशत गिरकर 82,186.81 अंक पर बंद हुआ। कारोबार में यह 337.83 अंक या 0.41 प्रतिशत चढ़कर 82,538.17 पर पहुँचा था, लेकिन बाद में इसकी गति धीमी पड़ गई। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 29.80 अंक या 0.12 प्रतिशत गिरकर 25,060.90 पर बंद हुआ। विशेषज्ञों ने कहा कि एक अगस्त की समयसीमा से पहले अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर स्पष्टता की कमी और एफआईआई द्वारा मुनाफावसूली से बाजार की धारणा प्रभावित हुई।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में, नतीजों के बाद आई तेजी में इटरनल के शेयर में सबसे ज्यादा 10.56 प्रतिशत की उछाल आई। जोमैटो और ब्लिंकिट ब्रांड की मालिक, फूड डिलीवरी और फास्ट-कॉमर्स कंपनी इटरनल ने सोमवार को जून तिमाही के लिए 25 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया। टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा भी लाभ में रहे। हालांकि, टाटा मोटर्स, अडानी पोर्ट्स, भारतीय स्टेट बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज पिछड़ने वालों में शामिल रहे।एशियाई बाजारों में शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार ज्यादातर गिरावट के साथ बंद हुए। सोमवार को अमेरिकी बाजार ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 68.54 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.97 प्रतिशत गिरकर 68.54 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,681.23 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,578.43 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को सेंसेक्स 442.61 अंक या 0.54 प्रतिशत चढ़कर 82,200.34 पर बंद हुआ। निफ्टी 122.30 अंक या 0.49 प्रतिशत बढ़कर 25,090.70 पर बंद हुआ।

न्यू इनकम टैक्स बिल में क्या टैक्स पेयर को मिलेगी राहत? टीडीएस पर हो सकता है ये फैसला

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। संसद की एक समिति ने 2025 के इनकम टैक्स बिल में बदलाव सुझाते हुए कहा है कि टैक्सपेयर्स को अगर आईटीआर की आखिरी तारीख छूट भी जाए, तो भी वे बिना किसी जुर्माने के टीडीएस रिफंड क्लेम कर सकें। यह नया बिल मौजूदा इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की जगह लेगा और उसे सरल बनाने के लिए तैयार किया गया है। अगर यह सुझाव माना गया, तो लाखों छोटे टैक्सपेयर्स को राहत मिल सकती है। संसद की एक समिति ने 2025 के इनकम टैक्स बिल में बदलाव सुझाते हुए कहा है कि टैक्सपेयर्स को अगर आईटीआर की आखिरी तारीख छूट भी जाए, तो भी वे बिना किसी जुर्माने के टीडीएस रिफंड क्लेम कर सकें। यह नया बिल मौजूदा इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की जगह लेगा और उसे सरल बनाने के लिए तैयार किया गया है। अगर यह सुझाव माना गया, तो लाखों छोटे टैक्सपेयर्स को राहत मिल सकती है। अभी के ड्राफ्ट बिल के मुताबिक, जिन लोगों की कुल आमदनी बेसिक छूट सीमा से कम है लेकिन उन पर टीडीएस काटा गया है, उन्हें रिफंड पाने के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करना जरूरी है। अगर वे तय समय में रिटर्न नहीं भरते, तो उन पर जुर्माना और कुछ मामलों में केस भी चल सकता है। समिति ने माना कि यह नियम उन लोगों के लिए बहुत सख्त है, जिनकी टैक्सेबल इनकम नहीं है लेकिन बैंक, नियोक्ता या संस्थानों द्वारा टीडीएस ऑटोमेटिक कट जाता है। ऐसे में सिर्फ रिफंड के लिए रिटर्न भरने की मजबूरी छोटे टैक्सपेयर्स पर गैरज़रूरी बोझ डालती है। इसी बोझ को कम करने के लिए समिति ने सुझाव दिया है कि अगर कोई टैक्स चोरी की मंशा नहीं है तो रिफंड तय तारीख के बाद भी क्लेम किया जा सके। साथ ही, अकाउंट्स मेंटेन न करने पर लगने वाला जुर्माना भी अनिवार्य ना होकर विवेकाधीन हो, ताकि ईमानदार टैक्सपेयर्स को कागजी गलती पर सज़ा ना मिले। समिति ने एक बड़ा ढांचा सुधार सुझाते हुए पिछला वर्ष और असेसमेंट ईयर जैसे शब्दों को मिलाकर एक ही टैक्स ईयर रखने की सिफारिश की है। इससे टैक्स कोड को समझना आसान होगा और लोगों की उलझन कम होगी।इसके अलावा कई पुरानी परिभाषाएं जैसे कैपिटल एसेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर कैपिटल कंपनी को भी अपडेट करने का सुझाव दिया गया है। साथ ही एक्चुअल पेमेंट नियम को भी मजबूत करने को कहा गया है ताकि बिज़नेस डिडक्शन सिर्फ उन्हीं खर्चों का मिले जो वास्तव में भुगतान किए गए हैं, न कि सिर्फ कागजों पर दिखाए गए हैं। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और गड़बड़ियों पर लगाम लगेगी।

यूपीआई फ्री है, फिर गूगल पे और फोनप कैसे कमा लिए 5,000 करोड़! ये है उनका सीक्रेट

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। आप हर दिन गूगल पे या फोनप से पेमेंट करते हैं,वो भी बिल्कुल मुफ्त! न कोई चार्ज, न ही कोई कमीशन। फिर भी, इन कंपनियों ने पिछले साल 5,065 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली।

अब सवाल उठता है कि जब ये न कोई प्रोडक्ट बेचती हैं, न ही ट्रांजैक्शन पर कोई शुल्क लेती हैं तो फिर इतना पैसा आता कहां से? तो इसका जवाब है, यूपीआई तो इन कंपनियों के बिज़नेस का सिर्फ एक हिस्सा है। असली कमाई के रास्ते कहीं और से खुलते हैं।

स्पीकर से होती है करोड़ों की कमाई

आपने दुकानों पर वो आवाज़ तो ज़रूर सुनी होगी "फोनप से 100 प्राप्त हुए"। ये जो वॉयस स्पीकर्स होते हैं, असल में ये कंपनियों के लिए एक मजबूत कमाई का जरिया हैं। फोनप, पेटीएम जैसे डिजिटल पेमेंट ऐप्स इन स्पीकर्स को दुकानदारों को किराए पर देते हैं, और इसके बदले हर महीने करीब 100 चार्ज करते हैं। आज के दौर में चाय की दुकान से लेकर राशन स्टोर तक लगभग हर दुकानदार की काउंटर पर ये स्पीकर नजर आता है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि सिर्फ इस एक सर्विस से कितनी बड़ी कमाई होती है। उदाहरण के तौर पर मान लें कि देशभर में 50 लाख से ज्यादा दुकानें ये वॉयस स्पीकर सेवा इस्तेमाल कर रही हैं। गणित से समझें तो 100 × 50 लाख = 50 करोड़ हर महीने, यानि सालाना 600 करोड़ की कमाई, सिर्फ इसी एक सुविधा से! ये स्पीकर्स न सिर्फ पेमेंट की जानकारी तुरंत देने में मदद करते हैं, बल्कि ब्रांड की मौजूदगी और ग्राहकों के बीच भरोसा भी बढ़ाते हैं।

स्क्रैच काड्र्स से होती है मोटी कमाई

अब बात करते हैं उस चीज़ की जो हम सभी को पसंद है स्क्रैच काड्र्स। कभी 10 का कैशबैक, तो कभी डिस्काउंट कूपन। लेकिन ये रिवॉर्ड्स असल में यूजर्स के लिए नहीं, ब्रांड्स के लिए एक पावरफुल विज्ञापन टूल हैं। ब्रांड्स इन कंपनियों को पैसे देते हैं ताकि उनका नाम, ऑफर और प्रमोशन इन स्क्रैच काड्र्स के जरिए करोड़ों यूजर्स तक पहुंचे। यानि यूजर को रिवॉर्ड मिलता है, कंपनी को एंगेजमेंट और ब्रांड को प्रमोशन और इससे गूगल पे, फोनपे को भारी ऐड रेवेन्यू मिलता है। ये इन ऐप की कमाई का दूसरा बड़ा सोर्स बनता है।

लोन से तगड़ी कमाई करते हैं ये ऐप्स

अब आते हैं तीसरे और सबसे दिलचस्प पहलू सास और लेंडिंग सर्विसेस पर। इन कंपनियों ने यूपीआई को सिर्फ़ एक पेमेंट टूल नहीं रहने दिया, बल्कि इसे छोटे व्यवसायों के लिए एक कंप्लीट सॉल्यूशन बना दिया। अब ये ऐप्स जीएसटी की मदद, इनवॉइस बनाना, और छोटे लोन जैसी सेवाएं भी देती हैं। यानि अब ये सिर्फ पेमेंट ऐप नहीं, बल्कि बिजनेस के लिए एक मिनी ऑफिस बन चुकी हैं। सबसे बड़ी बात इन्हें नए ग्राहकों को जोड़ने के लिए पैसे भी नहीं खर्च करने पड़ते। जो लोग यूपीआई इस्तेमाल कर रहे हैं, वही इनके बाकी प्रोडक्ट्स भी यूज़ करने लगते हैं। इसके अलावा, अब ये ऐप्स मोबाइल रिचार्ज से लेकर बिजली बिल भुगतान जैसी सेवाएं भी देने लगी हैं। इन सुविधाओं के बदले ये कंपनियां प्लेटफॉर्म फीस वसूलती हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त कमाई होती है।

लोगों ने हवा में 'कैंसर ट्रेन' भी चला दी, अब सरकार ने कह दी ये बात

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। हवाबाजी का इससे बड़ा नमूना भला और क्या होगा। लोगों ने ' कैंसर ट्रेन ' की ऐसी हवा फैलाई कि अब सरकार को इस पर सफाई देनी पड़ी है। सरकार ने बताया है कि भारतीय रेलवे में 'कैंसर ट्रेन' नाम की कोई ट्रेन नहीं चल रही है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने राज्यसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार देशभर में कैंसर के इलाज को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। इसके लिए राज्यों को वित्तीय मदद दी जा रही है। मंत्री प्रतापराव जाधव ने राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में यह बात कही। उन्होंने बताया कि रेल मंत्रालय ने उन्हें बताया है कि कैंसर ट्रेन नाम की कोई ट्रेन भारतीय रेलवे के तहत नहीं चलाई जा रही है। कसि तरह की मदद कर रही है सरकार?सरकार कैंसर के इलाज को बेहतर बनाने के लिए योजना चला रही है। यह 'टर्शियरी यानी तृतीयक कैंसर देखभाल सुविधाओं को मजबूत करने' से जुड़ी है। इसके तहत राज्य कैंसर संस्थान (एससीआई) और तृतीयक कैंसर देखभाल केंद्र (टीसीसीसी) बनाने के लिए पैसे दिए जाते हैं। हर राज्य कैंसर संस्थान के लिए 120 करोड़ रुपये तक की मदद दी जाती है। इसी तरह हर तृतीयक कैंसर देखभाल केंद्र के लिए 45 करोड़ रुपये तक की सहायती मिलती है।अभी तक इस योजना में 39 संस्थानों को मंजूरी दी गई है। इनमें 19 एससीआई और 20 टीसीसीसी शामिल हैं। पंजाब के अमृतसर में सरकारी मेडिकल कॉलेज में एससीआई है। फजिल्का के सिविल अस्पताल में टीसीसीसी है।अमृतसर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी की सुविधा है। फजिल्का के सिविल अस्पताल में कीमोथेरेपी की सुविधा है।मंत्री जाधव ने यह भी बताया कि परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत टाटा मेमोरियल सेंटर ने पंजाब में दो अस्पताल खोले हैं। एक संगरूर में है, जिसका नाम होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच) है। दूसरा न्यू चंडीगढ़ में है, जिसका नाम होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएच एंड आरसी) है। ये दोनों अस्पताल काम कर रहे हैं।पंजाब सरकार भी कैंसर के इलाज के लिए मदद कर रही है। मुख्यमंत्री पंजाब कैंसर राहत कोष योजना (एमएमपीसीआरकेएस) के तहत फजिल्का, पटियाला, फरीदकोट और बठिंडा में कैंसर का इलाज उपलब्ध है।

सरकारी खर्च के लिए बॉन्ड बिक्री से 36000 करोड़ रुपये जुटाएगी केंद्र सरकार, 25 जुलाई को होगी नीलामी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने दो दिनांकित प्रतिभूतियों की बिक्री (पुनर्निर्गम) के जरिए 36,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना घोषित की है। इन प्रतिभूतियों की नीलामी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 25 जुलाई, 2025 को आयोजित की जाएगी।

6,000 करोड़ और 30,000 करोड़ की प्रतिभूति

पहली 5.91 प्रतिशत ब्याज दर वाली सकारी प्रतिभूति 2028 है, जिससे 6,000 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। यह 30 जून, 2028 को परिपक्व होगी। दूसरा 6.33 प्रतिशत ब्याज दर वाली सरकारी प्रतिभूति 2035 है, जिससे 30,000 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। यह 5 मई 2035 को परिपक्व होगी। वहीं निवेशकों की प्रतिक्रिया के आधार पर, इनमें से प्रत्येक प्रतिभूति पर 2,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त सदस्यता रखने का विकल्प भी खुला रखा है।

सरकार क्यों करती है बॉन्ड जारी?

सरकार अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जनता, बैंकों और अन्य संस्थाओं से धन उधार लेने हेतु बॉन्ड जारी करती है। जब सरकार करों और अन्य राजस्वों से होने वाली कमाई से ज्यादा खर्च करती है, तो उसे राजकोषीय घाटे का सामना करना पड़ता है। इसी कमी को पूरा करने के लिए, वह बॉन्ड, जिन्हें सरकारी प्रतिभूतियां भी कहा जाता है, जारी करती है निवेशक इन बॉन्डों को खरीदते हैं और बदले में, सरकार एक निश्चित अवधि के बाद ब्याज सहित राशि वापस करने का वादा करती है। इसके जरिए सरकार को करों में तत्काल वृद्धि किए बिना बुनियादी ढांचे, कल्याणकारी योजनाओं, वेतन, सब्सिडी और अन्य विकास कार्यक्रमों के लिए धन जुटाने में मदद मिलती है। बांड को सुरक्षित निवेश माना जाता है क्योंकि वे सरकार द्वारा समर्थित होते हैं।

ई-कुबेर प्लेटफॉर्म पर होगी नीलामी

आरबीआई द्वारा वर्तमान नीलामी रिजर्व बैंक के मुंबई कार्यालय में इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म ई-कुबेर के माध्यम से बहुमूल्य पद्धति का उपयोग करके आयोजित की जाएगी। नीलामी के परिणाम उसी दिन घोषित किए जाएंगे। सभी सफल बोलीदाताओं को 28 जुलाइ, 2025 तक भुगतान करना होगा।

चांदी ऑलटाइम हाई पर, 787 बढ़कर 1.14 लाख किलो हुई : सोना भी 467 महंगा हुआ, 10 ग्राम की कीमत 99,363 रुपए पहुंची

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। चांदी आज यानी 22 जुलाई को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार चांदी की कीमत 787 बढ़कर 1,14,252 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले चांदी 1,13,465 पर थी। वहीं सोना अपने ऑल टाइम हाई के करीब पहुंच गया है। 24 कैरेट सोने का दाम 467 बढ़कर 99,363 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले इसका दाम 98,896 पर था। सोने ने 8 जून को 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

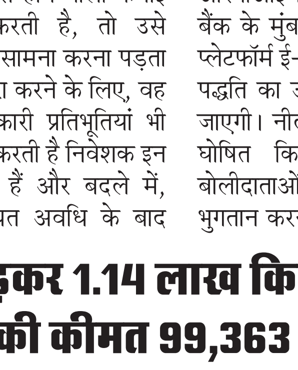

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,440 और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,000

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,290 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,850

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,290 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,850

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,290 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,850

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 101,340 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,900

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
05-54
18-49
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	कर्क...	05-29 बजे
चंद्र-	मिथुन	सिंह---	07-40 बजे
मंगल	सिंह	कन्या...	09-38 बजे
बुध-	कर्क	तुला----	11-52 बजे
गुरु-	मिथुन	वृश्चिक...	14-03 बजे
शुक्र-	वृष	धनु......	16-15 बजे
शनि-	मीन	मकर...	18-22 बजे
राहु-	कुंभ	कुंभ....	20-13 बजे
केतु-	सिंह	मीन....	21-51 बजे
		मेष.....	23-27 बजे
		वृष....	01-11 बजे
		मिथुन..	03-12 बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 02-29 तक उपरान्त अमावस्या
श्रावण कृष्ण , बुधवार 23 July
नक्षत्र - आर्द्रा 17-54 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - व्याघात 12-33 तक उप हर्षण
करण - विष्टी (भद्रा) 15-32 तक उप शकुनि
विशेष - शिव रात्री
व्रत त्योहार - तिलक जं, आजाद जं

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12-53 से 13-59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05-54 - 07-31	शुभ	उत्पात	18-51 - 20-14	अशुभ
अमृत	07-31 - 09-08	शुभ	शुभ	20-14 - 21-37	शुभ
काल	09-08 - 10-45	अशुभ	अमृत	21-37 - 22-59	शुभ
शुभ	10-45 - 12-23	शुभ	चंचल	22-59 - 00-23	शुभ
रोग	12-23 - 13-59	अशुभ	रोग।	00-23 - 01-46	अशुभ
उत्पात	13-59 - 15-37	अशुभ	काल	01-46 - 03-08	अशुभ
चंचल	15-37 - 17-14	शुभ	लाभ	03-08 - 04-31	लाभ
लाभ	17-14 - 18-51	शुभ	उत्पात	04-31 - 05-54	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपका करियर स्थिर और अप्रत्याशित दोनों लग सकता है। आपको बदलते कार्यों के साथ लचीले बने रहने के साथ-साथ कार्यस्थल के संबंधों को पोषित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अप्रत्याशित घटनाक्रम सामने आ सकते हैं, लेकिन आपका दृढ़ संकल्प आपको ट्रैक पर बने रहने में मदद करेगा।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
जिस महत्वपूर्ण कार्य के लिए आपने नींव बिछाने का कार्य किया था उसका फल आज से आपको मिलने लगेगा । हालांकि कुछ महत्वपूर्ण संकेतो को आप शायद न देख पाओ और निराशा और आलसीपन आप में विकसित हो सकता है। अगर आप अपने प्रयासों में कमी लाएंगे तो आपकी सारी की गई मेहनत पर पानी फिर सकता है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपका आत्मविश्वास बहुत मजबूत है, खासकर जब सीखने और बौद्धिक गतिविधियों की बात आती है। आप विषयों को और अधिक गहराई से जानने के लिए प्रेरित हैं, जिससे नई अंतर्दृष्टि सामने आती है। जबकि आपका आकर्षण आपको दूसरों से जुड़ने में मदद करता है, यथार्थवादी बने रहना महत्वपूर्ण है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपके करियर और पढ़ाई में अंतर्ज्ञान और परिश्रम का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण देखने को मिल सकता है। कर्क राशि में सूर्य और चंद्रमा पोषण ऊर्जा और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाते हैं, आपकी बातचीत में सहानुभूति और संवेदनशीलता को गहरा करते हैं। आप कठिनाइयों को दूर करने और अपने सामाजिक अस्तित्व को बढ़ाने के लिए तैयार रहेंगे।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता सफलता की राह तय करते हैं, जिससे आप अपने काम में साहसिक कदम उठा पाते हैं। नवीन सोच स्वाभाविक रूप से प्रवाहित होती है, जिससे आपको समस्याओं का नए दृष्टिकोण से सामना करने में मदद मिलती है। दूसरों के साथ बातचीत के माध्यम से, आप गहरी आत्म-जागरूकता प्राप्त करते हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपके कार्य जीवन में अंतर्ज्ञान और अनुकूलनशीलता का लाभ मिलेगा। आप पाएंगे कि संचार प्रवाह आसानी से प्रवाहित होता है, जिससे आपको दूसरों से जुड़ने में मदद मिलती है। तीव्र भावनाएँ उभर सकती हैं, लेकिन ज़मीन पर टिके रहने से आपको उन्हें संभालने में मदद मिलेगी। अपने जुनून को सार्थक कार्यों में लगाएँ, और टीमवर्क को संतुलित और सकारात्मक बनाए रखने के लिए दूसरों की भावनाओं का ध्यान रखें।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
भावनात्मक गहराई आपके करियर को समृद्ध बनाती है, जबकि तीक्ष्ण विश्लेषणात्मक कौशल आपके काम में सटीकता का समर्थन करते हैं। तार्किक सोच आपको कार्यों को प्रभावी ढंग से संभालने में मदद करती है, हालांकि कुछ अवरोध आपकी गति को धीमा कर सकते हैं। व्यवस्थित और केंद्रित रहें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपके नेतृत्व कौशल चमकते हैं, लेकिन पेशेवर रिश्तों के लिए शांत संचार की आवश्यकता होती है। विरोध या भ्रम का सामना करने पर सामान्य ज्ञान का उपयोग करें। अपने लक्ष्यों पर डटे रहें, भले ही दूसरे आपकी दिशा को चुनौती दें। केंद्रित रहें और परिणामों को नियंत्रित करने की इच्छा से बचें।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप संसाधनो से पूर्ण हैं और आज आप अगर गंभीरता से काम करते हैं तो धन कमाने का ऐसा अवसर आपको मिल सकता है जिसमे आपको ख़ुशी महसूस होती है । इस बात की भी संभावना है की आप कला की अभिरुचि को आगे बढ़ाने के लिए अपनी नौकरी छोड़ सकते हैं । आपको विवेक से कार्य करना है , परन्तु अपने दिल की सुनने की वजह से आपके धन और वित्त पर कोई असर नहीं पडेगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपका आत्मविश्वास और अनुशासन आपके करियर में प्रगति का समर्थन करने के लिए एक साथ काम करते हैं। आप प्रभावशाली महिलाओं से मिल सकते हैं जो आपके पेशेवर मार्ग का मार्गदर्शन या चुनौती देती हैं। स्थायी कार्य संबंध बनाने के लिए दयालुता और चतुर संचार पर ध्यान दें। अपने वातावरण में सामंजस्य बनाने और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने के लिए ईमानदारी से खुद को व्यक्त करें।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपकी रचनात्मकता सबसे अलग है, जो आपको काम पर एक मजबूत छाप छोड़ने में मदद करती है। अपनी दिनचर्या में किसी भी व्यवधान को संतुलित करने के लिए अनुशासित और स्थिर रहें। आप आंतरिक तनाव या सख्त मानसिकता महसूस कर सकते हैं, इसलिए लचीला बने रहने पर ध्यान दें।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपका आत्मविश्वास काम या शिक्षा में साहसिक कदम उठाने की आपकी क्षमता को बढ़ाता है। रचनात्मक सोच स्मार्ट समाधान और नए दृष्टिकोण की ओर ले जाती है। सीखने और प्रगति के अवसर आपके लक्ष्यों का विस्तार करते हैं। सहकर्मियों या गुरुओं के साथ सहयोगात्मक संबंध सहयोग को बढ़ाते हैं और तनाव कम करते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ड्रोन से जवानों पर नजर रख रहे नक्सली

10 ड्रोन होने का इनपुट, चलाने की ट्रेनिंग ली, 2018 से इनके पास, 2025 में पुष्टि

रायपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सली जवानों के मूवमेंट पर नजर रखने और उनके खिलाफ हमला करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे है। सुकमा पुलिस ने नक्सलियों के ठिकानों से एक ड्रोन भी जब्त किया है।

सुरक्षा एजेंसियों से छत्तीसगढ़ पुलिस को खुफिया जानकारी मिलने के बाद इस बात का खुलासा हुआ है। अफसरों ने जवानों को संदिग्ध ड्रोन देखते ही उसे मार गिराने का निर्देश जारी किया है।

छत्तीसगढ़ के किस इलाके से अफसरों ने ड्रोन बरामद किया है? ड्रोन की क्षमता कितनी है? नक्सलियों के खिलाफ एनआईए से छत्तीसगढ़ पुलिस को क्या जानकारी मिली है? ड्रोन सप्लाई के तार कहां-कहां से जुड़े है?

23 फरवरी 2025 को बस्तर के सुकमा जिले के गुंडराजगुडेम जंगल से पुलिस अफसरों ने सर्चिंग के दौरान नक्सलियों के ठिकाने से दैनिक सामग्री के साथ ड्रोन बरामद किया था। अफसरों ने इस बात की पुष्टि की है। सुकमा में पदस्थ अफसरों ने बताया, कि नक्सलियों की मौजूदगी की जानकारी मिली थी।

टीम ने मुखबिर के बताए ठिकानों पर जाकर जांच की, तो दैनिक सामग्री के साथ ड्रोन और उसके कुछ पार्ट्स मिले। अफसरों के अनुसार लंबे समय से पुलिस कैंप और उसके आस-पास के इलाकों में संदिग्ध ड्रोन देखे जाते थे, लेकिन यह पहली बार हुआ कि अफसरों ने ड्रोन को बरामद किया।

जो ड्रोन अफसरों ने बरामद किया उसकी रेंज 3 किलोमीटर

अफसरों ने गुंडराजगुडेम जंगल से जिस ड्रोन को जब्त किया है, उस ड्रोन में कोई सामान ले जाने (दवा, बारूद, बम) की क्षमता नहीं है। इस ड्रोन की रेंज 3 किलोमीटर दायरे की है। जैसा ड्रोन पुलिस अफसरों ने बरामद किया, वैसा ड्रोन कार्यक्रमों में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) से छत्तीसगढ़ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को जून 2024 में नक्सलियों द्वारा ड्रोन इस्तेमाल किए जाने का इनपुट मिला था। एनआईए ने छत्तीसगढ़ पुलिस के अधिकारियों को यह इनपुट तेलंगाना पुलिस की गिरफ्त में आए नक्सलियों के तीन सहयोगियों की गिरफ्तारी के बाद दिया था।

सुरक्षा एजेंसियों के अफसरों के अनुसार नक्सलियों को ड्रोन की सप्लाई और ट्रेनिंग देने के आरोप में गिरफ्त में आए तीन आरोपियों में से एक आरोपी छत्तीसगढ़ के बीजापुर का रहने वाला था। इन आरोपियों ने तेलंगाना, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में नक्सलियों को ड्रोन सप्लाई किया था।

नक्सलियों द्वारा ड्रोन इस्तेमाल किए जाने की सूचना पहले भी आ चुकी है। 2019, 2020 और 2023 में भी ड्रोन देखे जाने की सूचना वायरल हुई, लेकिन अफसरों ने इसकी पुष्टि नहीं की।

2019 में केंद्र सरकार ने नक्सल प्रभावित इलाकों में संदिग्ध ड्रोन दिखने पर उसे जमीन में गिराने का निर्देश भी जारी कर दिया था। नक्सली मामलों की जानकारी रखने वाले एक्सपर्ट के अनुसार 2018 से नक्सलियों के पास ड्रोन होने की सूचना है, लेकिन पुष्टि पहली बार फरवरी 2025 में हुई है।

एनआईए ने 29 जून को दिल्ली से नक्सलियों को ड्रोन सप्लाई करने वाले आरोपी को पकड़ा था। मथुरा निवासी आरोपी विशाल सिंह ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि वह पिछले सात वर्षों से घने जंगलों में ड्रोन की आपूर्ति और परिचालन का प्रशिक्षण दे रहा था। अधिकारियों ने पुष्टि की कि सीपीआई (माओवादी) उत्तरी क्षेत्र ब्यूरो (एनआरबी) को एक्सपर्ट बनाने का मुख्य आरोपी विशाल सिंह ने बिहार के छकरबंदा-पचरुखिया वन क्षेत्र में प्रतिबंधित संगठन के नेताओं को ड्रोन दिए थे।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) मामले की छानबीन कर रही है और विशाल सिंह की सीपीआई (माओवादी) से कथित रूप से जुड़े संपर्कों की जांच कर रही है। एजेंसी की ओर से तलाशी के दौरान जब्त किए गए डिजिटल उपकरणों और डाटा की बारीकी से जांच की जा रही है, जिससे संगठन की रणनीतियों और गतिविधियों का खुलासा हो सके।

इससे पहले अगस्त 2024 में एनआईए ने एक अन्य आरोपी अजय सिंघल उर्फ अमन को गिरफ्तार किया था, जो माओवादी संगठन के हरियाणा और पंजाब इकाई का प्रमुख माना जाता है।

इसके अतिरिक्त, 2013 में बेंगलुरु स्थित एक निजी कंपनी से जुड़े कुछ व्यक्तियों को नक्सलियों को नाइट विजन डिवाइस उपलब्ध कराने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। अधिकारियों के अनुसार यह पूरी साजिश नक्सल संगठन की उस योजना का हिस्सा है, जिसके तहत वे उत्तरी भारत के क्षेत्रों में अपनी कमजोर होती पकड़ को फिर से मजबूत करना चाहते हैं।

एनआईए के अफसरों ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया, कि नक्सलियों के पास एक या दो नहीं, बल्कि 10 ड्रोन होने की जानकारी है। इन ड्रोन को चलाने के लिए उन्होंने प्रशिक्षण भी लिया है। यह ड्रोन नक्सलियों के किस इलाके की कमेटी के पास है? इस सवाल का जवाब अफसर तलाश रहे हैं। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने गुंडराजगुडेम जंगल से दैनिक सामग्री के साथ ड्रोन मिलने की पुष्टि की है। सुकमा एसपी के अनुसार फरवरी में नक्सलियों के ठिकानों में जांच के दौरान ड्रोन मिला था।

बस्तर में 1 जनवरी 2024 से जून 2025 तक हुई अलग-अलग मुठभेड़ों में 426 से ज्यादा नक्सलियों का एनकाउंटर किया गया है। पुलिस के मुताबिक इनमें 2024 में 217 नक्सली और पिछले 6 महीने में 200 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं।

भूपेश बोले-अहमदाबाद से चल रही विष्णुदेव की सरकार

कहा-अमन सिंह चला रहे, छत्तीसगढ़ की संपदा लूट रहे, बस के सामने लेटे कांग्रेसी, बारिश में प्रदर्शन

रायपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे की गिरफ्तारी के खिलाफ कांग्रेस ने 33 जिलों में 2 घंटे तक चक्काजाम किया। इस दौरान रायपुर में भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आर्थिक नाकेबंदी सफल रही है। यहां विष्णुदेव की सरकार अहमदाबाद से चल रही है। अडाणी के दफ्तर से संचालित हो रही है।

बघेल ने कहा कि सरकार को रमन कार्यकाल में मुख्य सचिव रहे अमन सिंह चला रहे हैं। अमन सिंह और अडाणी मिलकर अहमदाबाद से चला रहे हैं। छत्तीसगढ़ की संपदा को लूटना चाहते हैं। बस्तर में जंगल कट गए, तमनार में जंगल कट गए। षडयंत्र के तहत जल-जंगल जमीन को लूटा जा रहा है।

भूपेश ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनते ही सरगुजा में पेड़ों की अवैध कटाई हो गई। हसदेव में जंगल कट गए। तमनार में जंगल कट गए। किसी के खिलाफ एफआईआर नहीं हुई। ये छत्तीसगढ़ की संपदा और जल-जंगल जमीन को बचाने की लड़ाई है।

वहीं सरगुजा, बस्तर, दुर्ग, बिलासपुर और रायपुर संभाग की सड़कों पर कांग्रेसियों ने ईडी और बीजेपी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सरगुजा में कांग्रेसी रघुपति राघव गाकर विरोध जताया। बिलासपुर में सकरी-पेंड्रीडीह फ्लाईओवर के नीचे चक्काजाम किया। पेंड्रा में कांग्रेसियों ने बारिश के बीच प्रदर्शन किया।

दरअसल, 18 जुलाई को भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को भिलाई से ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने गिरफ्तार किया है। ईडी का आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। रायपुर की स्पेशल कोर्ट ने चैतन्य को 22 जुलाई तक ईडी की 5 दिन की रिमांड पर भेजा है।

बंगाल की खाड़ी में सिस्टम हुआ एक्टिव

पलामू में आकाशीय बिजली गिरने से 2 महिलाओं की मौत, भारी बारिश का पूर्वानुमान

रांची, 22 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में मॉनसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के क्षेत्र का असर अब राज्य के मौसम पर साफ दिखने लगा है। मौसम विभाग ने राज्य में अगले दो दिनों तक हल्की बारिश की संभावना जताई है, लेकिन गुरुवार और शुक्रवार को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं आज पलामू में आकाशीय बिजली गिरने से 2 महिलाओं की मौत हो गई। दोनों महिलाएं अलग-अलग गांवों में अपने खेतों में धान रोप रही थीं। पाटन थाना क्षेत्र के सहदेवा गांव में 45 वर्षीय आशा देवी खेत में काम कर रही थीं। अचानक बारिश शुरू हुई और वज्रपात की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। आशा देवी दिलीप महतो की पत्नी थीं। इसी तरह बसडीह गांव में 40 वर्षीय मानती देवी भी खेत में धान रोप रही थीं।

शराब घोटाला केस, चैतन्य बघेल को 14 दिन की जेल

भूपेश बोले- सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी केंद्र सरकार और ईडी के गालों पर तमाचा

रायपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को ईडी ने मंगलवार को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की ज्यूडिशियल रिमांड पर भेज दिया है। इससे पहले ईडी ने चैतन्य से 5 दिन तक पूछताछ की थी।

बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी ने कोर्ट में बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पेश की गई अर्जी पर उन्होंने आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि ईडी ने बिना समन दिए चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया। इसके लिए जो तीन आधार बताए गए, वे तथ्यात्मक रूप से कमजोर हैं। ईडी ने तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया।

वहीं सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को फटकार लगाते हुए कहा कि, राजनीतिक लड़ाइयां चुनाव में लड़ी जानी चाहिए, जांच एजेंसियों के जरिए नहीं। ईडी का इस तरह इस्तेमाल क्यों हो रहा है? इस पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट कर कहा कि, सुप्रीम कोर्ट की ईडी को लेकर की गई टिप्पणी केंद्र सरकार के खिलाफ है और यह ईडी के गालों पर तमाचा है। अब यह स्पष्ट है कि ईडी भाजपा के एक विंग के रूप में काम कर रही है।

वहीं बघेल ने आगे लिखा, इसलिए ही सुप्रीम कोर्ट ने कल ईडी से कहा कि आप अपना काम करें, राजनीतिज्ञों को राजनीति करने दें। आज पूरे देश में भाजपा अपने राजनीतिक हितों को साधने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रही है और केवल विपक्ष को टारगेट कर रही है।

बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी ने बताया कि पहला मामला सहेली ज्वेलर्स से जुड़े 5 करोड़ रुपए के लोन का है, जिस पर ईडी ने कहा कि यह बिना ब्याज का संदिग्ध लोन है। इसके जवाब में हमने स्पष्ट किया कि यह लोन 2019 में लिया गया था।

अब तक करीब 2.21 करोड़ रुपए ब्याज के रूप में चुकाए जा चुके हैं। यह जानकारी फरवरी 2025 में सहेली ज्वेलर्स के प्रोपराइटर द्वारा दस्तावेजों सहित ईडी को दी जा चुकी थी, बावजूद इसके जांच एजेंसी ने कोर्ट के समक्ष भ्रामक तथ्य पेश किए।

फैजल रिजली ने बताया कि दूसरा मामला त्रिलोक सिंह ढिल्लन को 5 करोड़ रुपए में बेचे गए फ्लैट से जुड़ा है, जिसमें ढिल्लन पहले ही जेल में रहते हुए यह स्पष्ट कर चुके हैं कि उनके पास यह राशि कहां से आई। ईडी ने उनके जवाबों से संतुष्टि जताई थी, इसीलिए चैतन्य बघेल से इस संबंध में कोई पूछताछ नहीं की गई थी।

फैजल रिजवी ने बताया कि तीसरा आधार पप्पू बंसल के बयान पर आधारित है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि चैतन्य के पास 1,000 करोड़ रुपए का लेनदेन है। इस पर भी हमने ईडी को दस्तावेजों और सबूतों सहित जवाब सौंपा, जिसे कोर्ट में भी प्रस्तुत किया गया।

गर्ल्स-हॉस्टल में 12वीं की छात्रा प्रेग्नेंट

बीजापुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आदिवासी गर्ल्स हॉस्टल में रहकर पढ़ने वाली 12वीं की छात्रा प्रेग्नेंट हो गई है। वह 3 महीने की छुट्टी के बाद हॉस्टल लौटी थी। छात्रा को पेट में दर्द और चक्कर आने की शिकायत के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एडमिट कराया गया। जांच में पता चला कि वह साढ़े 3 महीने के गर्भ से है।

मामला भोपालपटनम थाना क्षेत्र का है। छात्रा को जिला अस्पताल बीजापुर रेफर किया गया था। जानकारी के मुताबिक छात्रा की मां ने इलाज नहीं कराने की जिद करके छात्रा को अपने साथ ले गई। फिलहाल, थाने में शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

इधर हॉस्टल वार्डन का कहना है कि उनकी अभी पोस्टिंग हुई है। उन्हें इस मामले की ज्यादा जानकारी नहीं है। कांग्रेस विधायक विक्रम शाह मंडावी ने कहा कि साय सरकार में न आदिवासी सुरक्षित हैं, न महिलाएं सुरक्षित हैं और न ही आदिवासी छात्राएं। वहीं भाजपा ने कहा कि दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

10 जुलाई को छात्रा (17 साल) गर्मी छुट्टी के बाद घर से भोपालपटनम स्थित कन्या आश्रम पहुंची थी। आदिवासी छात्रा ने आश्रम में रहकर ही 11वीं की परीक्षा पास की है। 20 जुलाई को छात्रा को चक्कर आने और पेट में दर्द की शिकायत हुई। छात्रा को हॉस्टल वार्डन तोंडेश्वरी शेट्टी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोपालपटनम में भर्ती कराया था।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ गोपी ने छात्रा का इलाज किया। जहां से छात्रा को बीजापुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद छात्रा के साढ़े 3 महीने की गर्भवती होने की पुष्टि हुई।

बीजापुर जिला अस्पताल की सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर ने बताया कि सोमवार को छात्रा को जिला अस्पताल लाया गया था। हमने एडमिट करने की प्रक्रिया पूरी कर ली थी। लेकिन छात्रा की मां ने इलाज नहीं कराने की जिद करके छात्रा को अपने साथ ले गई।

मंडल संयोजक नंद कुमार मारकोंडा और हॉस्टल वार्डन तोंडेश्वरी शेट्टी ने बताया कि छात्रा 3 महीने की छुट्टी के बाद नए स्कूल सत्र में 10 जुलाई को हॉस्टल आई थी। जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। हॉस्टल वार्डन ने कहा कि उनकी आश्रम में अभी नई पोस्टिंग हुई। 10 जुलाई को ही उन्होंने हॉस्टल जॉइन किया है। उन्हें अभी यहां 12 दिन ही हुए हैं।

3 बाइक को रौंदते हुए आगे निकली कार, 5 गंभीर

जांजगीर-चांपा, 22 जुलाई (एजेंसियां)। जांजगीर चांपा जिले में एक तेज रफ्तार कार 3 बाइक को रौंदते हुए आगे निकल गई। हादसे में 5 लोग गंभीर रूप से घायल हुए है। घटना 21 जुलाई की रात साढ़े 8 बजे की है। मामला अकलतरा थाना क्षेत्र के ग्राम लटिया का है। बताया जा रहा है इको कार ड्राइवर नशे में था।

घटना में घोड़ाधार मंदिर के पास बिलासपुर की ओर से स्पीड से कार चलाते हुए आ रहा था। टक्कर इतनी तेज थी कि सभी लोग सड़क पर दूर जा गिरे। घायलों में से एक व्यक्ति की हालत इतनी गंभीर है कि वह बोल भी नहीं पा रहा है। घटना के बाद लोगों ने कार सवार अन्य लोगों को पीटा, लेकिन ड्राइवर भाग गया। घायलों में भागीरथी, शुभम, सागर दास, कंचन दास महंत और विनोद यादव शामिल है। घायलों को सड़क पर पड़े देख स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। सभी घायलों को पहले अकलतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायलों को बिलासपुर रेफर कर दिया गया। जब लोगों को पता चला कि इको वाहन में सवार तीनों युवक नशे में थे, तो भीड़ ने उन्हें वाहन से निकालकर पीटा।

बिहार से झारखंड लाया जा रहा था नकली पनीर

780किलो पनीर समेत खोवा, लड्डू और पेड़ा जब्त, केमिकल टेस्ट में पनीर हुआ काला

धनबाद, 22 जुलाई (एजेंसियां)। धनबाद में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार की सुबह बड़ी कार्रवाई की। टीम ने बिहार से लाए जा रहे नकली डेयरी उत्पादों को जब्त किया। इसकी श्रमिक चौक-पूजा टॉकीज के पास फूड सेफ्टी ऑफिसर को गुप्त सूचना मिली थी।

सूचना के आधार पर टीम ने एक बस से 780 किलो पनीर, 60 किलो खोवा, 25 किलो लड्डू और 25 किलो पेड़ा जब्त किया। मौके पर किए गए केमिकल टेस्ट में पनीर की असलियत सामने आई। केमिकल डालते ही पनीर कोयले की तरह काला हो गया। इससे साबित हुआ कि इसमें खतरनाक मिलावट की गई थी।

फूड सेफ्टी ऑफिसर डॉ राजा कुमार ने कहा कि दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से डेयरी उत्पाद खरीदते समय सावधानी बरतने की अपील की। संदेह होने पर तुरंत विभाग को सूचित करने को कहा। यह छापेमारी झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के निर्देश पर की गई। धनबाद जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग की यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है।

हरिद्वार से जल लेकर निकला, देवघर में चढ़ाएगा

रामगढ़ का रोशन 1300 किमी की कर रहा पदयात्रा जमशेदपुर से कर रहा आईटीआई की पढ़ाई

रामगढ़, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भगवान शिव के पावन महीने सावन में लगातार शिवभक्त शिवालय पहुंच रहे हैं। वाराणसी से लेकर देवभूमि उत्तराखंड तक शिव के भक्त कंधों पर कांवड़ लेकर निकलते हैं। कांवड़ यात्रा निकालकर सभी जल लेकर अपने भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए हर साल पहुंचते हैं।

वैसे तो कांवड़ यात्रा और कांवरियों की जब भी बात होती है तो लोग अक्सर भगवा रंग के कपड़े पहने और कांवड़ लिए लोगों को ही कांवरिया मानते हैं।

ऐसे ही रामगढ़ जिले के चितरपुर प्रखंड अंतर्गत सोनार टोला निवासी बीरेंद्र सोनी व सरिता देवी के 19 वर्षीय पुत्र रोशन कुमार भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन होकर कठिन परीक्षा के तहत 1297 किलोमीटर की दूरी तय कर बाबा नगरी देवघर पहुंच भगवान भोले शंकर को जल चढ़ाएगा। रोशन उत्तराखंड के हरिद्वार से जल उठाकर कांवड़ यात्रा में पैदल चल रहा है। उसने शनिवार के दोपहर 3:30 बजे हरिद्वार से जल उठाया

है और वर्तमान में दिल्ली के आसपास है। उसे उम्मीद है कि अगले 10 से 12 दिनों में देवघर पहुंच जाएगा और भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ा लेगा। दरअसल रोशन कुमार वर्तमान में जमशेदपुर के सं स्था न मेंआईटीआई की पढ़ाई कर रहा है। उसने बताया कि पिछले वर्ष जब वह हरिद्वार आया तो उसके मन में इच्छा थी यहां से जल उठाकर बाबानगरी जाकर जल चढ़ाऊंगा। उसकी इच्छा इस बार पूरी होती नजर आ रही है।

ओडिशा से देवघर जा रहे श्रद्धालुओं की कार दुर्घटनाग्रस्त

जमशेदपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। चांडिल-पुरुलिया राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 32 पर मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। यह हादसा पितकी गांव के पास उस समय हुआ जब एक कार और ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।

हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार तीन अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी लोग ओडिशा से झारखंड के देवघर स्थित बाबाधाम मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे।

मृतक की पहचान ओडिशा के बरगढ़ जिले के बरबली थाना क्षेत्र निवासी संजय मिहिर (38) के रूप में हुई है। वहीं, घायलों में संजीव साहू (38), रोहित मिहिर (45) और राजीव महाकुड (44) शामिल हैं। ये सभी श्रद्धालु एक साथ बाबा बैद्यनाथ धाम की यात्रा पर निकले थे।

हादसा सुबह करीब 5 बजे हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही चांडिल और नीमडीह थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकालकर चांडिल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर स्थित महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं, मृतक संजय मिहिर के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

झारखंड हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस पहुंचे रांची

रांची, 22 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश जस्टिस तरलोक सिंह चौहान आज रांची पहुंचेंगे। वे सुबह 11:55 बजे रांची के भगवान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे। एयरपोर्ट पर झारखंड हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिकारी उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद वे अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत रांची में रुकेंगे। जस्टिस तरलोक सिंह चौहान 23 जुलाई को झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में पदभार संभालेंगे। इसी दिन सुबह 10 बजे राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया है।

झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। इस महत्वपूर्ण समारोह में सीएम हेमंत सोरेन भी शामिल हो सकते हैं। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में जस्टिस चौहान के परिवार के लगभग 50 से 60 सदस्य भी शामिल होंगे। उनके परिजन रांची पहुंचने लगे हैं। मेहमानों के ठहरने के लिए स्टेट गेस्ट हाउस और शहर के अलग-अलग होटलों में विशेष व्यवस्था की गई है। जस्टिस तरलोक सिंह चौहान हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में वरिष्ठतम न्यायाधीशों में शामिल थे। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा शिमला से पूरी की। इसके बाद पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से कानून की पढ़ाई की। वर्ष 1989 में उन्होंने हिमाचल प्रदेश स्टेट बार काउंसिल में बतौर अधिवक्ता नामांकन कराया और वकालत शुरू की। उनकी न्यायिक सेवा की शुरुआत वर्ष 2014 में हुई, जब उन्हें हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया।

सुरक्षाबलों ने 12 केन बम किया बरामद

नक्सलियों ने पहाड़ी इलाके में विस्फोटक सामग्री छिपाई थी, किया गया निष्क्रिय

जमशेदपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सरायकेला-खरसावां में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की बड़ी योजना को विफल कर दिया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) ने दलभंगा ओपी क्षेत्र के नीमडीह गांव के पास पहाड़ी इलाके में विस्फोटक सामग्री छिपाई है।

सूचना के आधार पर मंगलवार को सरायकेला-खरसावां पुलिस, झारखंड जगुआर और एसएसबी-26वीं बटालियन की टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। नीमडीह के पहाड़ी क्षेत्र की तलाशी में टीम को 1.5 किलोग्राम वजन के 12 केन आईईडी मिले।

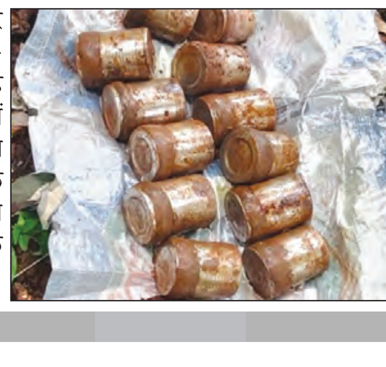

सुरक्षा बलों ने मौके पर ही सभी विस्फोटक उपकरणों को नष्ट कर दिया। नक्सलियों का इरादा इन विस्फोटकों से सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने का था। इस सफल अभियान से क्षेत्र में एक बड़ी घटना को टाला जा सका है।

रूस का पुतिन की भारत यात्रा से पहले बड़ा दांव

दुनिया के सबसे शक्तिशाली टैंक का दिया ऑफर, टी-14 अर्माटा की ताकत

मास्को, 22 जुलाई (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल भारत की यात्रा पर आ रहे हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार हो रही इस यात्रा से पहले रूस ने भारत को सुखोई-57 स्टील्थ फाइटर जेट को भारत में बनाने का प्रस्ताव दिया है। इस बीच अब यह भी खुलासा हुआ है कि रूस भारत में अपने आधुनिक टैंक टी-14 अर्माटा को बनाने के लिए तैयार है। इसे दुनिया के सबसे शक्तिशाली टैंक में शामिल किया जाता है। रूस भारतीय सेना को ध्यान में रखकर टी-14 टैंक का स्पेशल वेरिएंट देने के लिए तैयार है। इस टैंक को बनाने वाली रूसी कंपनी भारतीय कंपनी के साथ ज्वाइंट वेंचर के तहत टी-14 टैंक को बनाना चाहती है। भारतीय सेना को अगली पीढ़ी के टैंक की सख्त जरूरत है। भारत दशकों से रूस से टैंक लेता रहा है, फिर चाहे वह टी-72 हो या फिर आधुनिक टी-90 टैंक।

रूस भारत को अर्माटा टैंक की तकनीक साझा करके संयुक्त रूप से उत्पादन करना चाहता है। भारत में ऐसे ही टी-90 टैंक भी

बनते हैं जो अभी भारतीय सेना के मुख्य युद्धक टैंक हैं। इस टैंक में पूरी तरह से डिजिटल सिस्टम लगा हुआ है और इसके बुर्ज या टुरेट में किसी भी सैनिक के बैठने की जरूरत नहीं होती है। इसे एआई तकनीक से भी लैस कया गया है। इसको चलाने वाले सैनिक चारों ओर से घिरे आर्मर्ड कैप्सूल के अंदर सुरक्षित होते हैं। रूसी सेना के तकनीकी अधिकारी व्लादिमीर ड्रोझझोव ने साल 2023 में ही कहा था कि रूस यह तकनीक भारत को साझा करने के लिए तैयार है। अब पुतिन की यात्रा से पहले इस टैंक को लेकर फिर से बातचीत शुरू हो गई है। भारत और रूस के बीच पिछले कई साल से इसको लेकर बातचीत चल रही है। भारत के वर्तमान टैंक टी-72 और टी-90 अब काफी पुराने होते जा रहे हैं और आधुनिक पीढ़ी के टैंक की सख्त जरूरत है। वह भी तब जब चीन और पाकिस्तान भी लगातार अपनी टैंक ताकत को बढ़ा रहे हैं। भारत माना जा रहा है कि जल्द ही एक अंतरराष्ट्रीय टेंडर जारी कर सकता है। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि क्या भारत पुतिन के इस ऑफर को मानेगा या नहीं। इसके पीछे एक बड़ी वजह पश्चिमी देशों का रूस के खिलाफ लगाया गया प्रतिबंध है। वहीं पश्चिमी देश भारत और रूस की दोस्ती को लेकर लगातार धमका रहे हैं। ट्रंप तो रूस तेल लेने पर भारत के खिलाफ 125 फीसदी टैरिफ लगाने की चेतावनी दे रहे हैं।

रूस चाहता है कि भारत अपने फ्यूचर रेडी कॉम्बैट वीइकल (एफआरसीवी) प्रोजेक्ट के लिए टी-14 को मंजूरी दे। भारत का टी-72 टैंक 40 साल से भी ज्यादा पुराना है।

भारत ने अपना स्वदेशी अर्जुन टैंक बनाया है लेकिन उसको बहुत कम संख्या में शामिल किया जा रहा है। भारत चाहता है कि आत्मघाती ड्रोन और हमलावर ड्रोन के बढ़ते खतरे के बीच एफआरसीवी को ज्यादा सुरक्षा उपायों से लैस किया जाए। इसमें निगरानी और जासूसी की क्षमता भी शामिल है।

बलूचिस्तान में ऑनर किलिंग के 13 आरोपी गिरफ्तार

कबीले की मर्जी के खिलाफ पुरुष से रिश्ता था महिला को सुनसान में ले जाकर गोली मारी थी

इस्लामाबाद, 22 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक महिला और पुरुष की बेरहमी से हत्या किए जाने का वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। यह वारदात मई में बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के पास एक सुनसान इलाके में हुई थी। अब जब यह वीडियो सामने आया है, तो पूरे देश में आक्रोश फैल गया है। पुलिस ने इस मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक ट्राइबल (कबीलाई) नेता भी शामिल है।

यह हत्या 'ऑनर किलिंग' यानी इज्जत के नाम पर की गई। स्थानीय जिरगा (कबीलाई पंचायत) ने फैसला सुनाया था कि महिला ने अपने परिवार और कबीले की मर्जी के खिलाफ एक पुरुष से संबंध रखकर परंपराओं का उल्लंघन किया है। इसी आधार पर उसे मौत की सजा दी गई।

वायरल वीडियो में दिखता है कि एक एसयूवी और एक पिकअप ट्रक में सवार हथियारबंद लोग एक सुनसान इलाके में पहुंचते हैं।

वहां वे महिला और पुरुष को गाड़ी से बाहर निकालते हैं। महिला को कुरान की एक प्रति दी जाती है। फिर वह स्थानीय ब्राहवी भाषा में एक व्यक्ति से कहती है: "आओ, मेरे साथ सात कदम चलो, फिर तुम मुझे गोली मार सकते हो।" कुछ कदम चलने के बाद वह कहती है, "तुम्हें बस मुझे गोली मारने की अनुमति है, इससे ज्यादा कुछ नहीं।"

इसके बाद उस व्यक्ति ने पास से पिस्तौल तानकर महिला को गोलियां मार दीं। तीसरी गोली लगने के बाद महिला जमीन पर गिर जाती है। इसके तुरंत बाद उसी जगह पुरुष को भी गोली मार दी जाती है। वीडियो में यह भी साफ दिखता है कि कुछ लोग दोनों शवों पर भी लगातार गोलियां चला रहे हैं।

पुलिस का कहना है कि यह हत्याकांड एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था और इसे 'परंपरा' के नाम पर अंजाम दिया गया। अब तक की जांच में मृतकों की पहचान बानो बीबी और अहसान उल्लाह के रूप में हुई है। पुलिस और सरकार दोनों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने सोमवार को इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि झूठी शान की खातिर हत्या करने के इस मामले में 13 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा कि मामले की जांच जारी है। अल-जजीरा के मुताबिक, मृत दंपति का नाम बानो बीबी और एहसान उल्लाह था। बलूचिस्तान के पुलिस अधिकारी सैयद सुब्रा ने अल जजीरा को बताया कि एफआईआर में आठ संदिग्धों के नाम हैं और 15 अज्ञात लोग शामिल हैं। वे मामले की जांच कर रहे हैं। मामले में और अधिक गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक बानो का भाई भी इस हत्या में शामिल है, वो फिलहाल फरार है। रिपोर्ट के मुताबिक बानो और एहसान को स्थानीय कबायली नेता सरदार शेरबाज खान के सामने पेश किया गया था। शेरबाज ने उनके रिश्ते

वैज्ञानिकों को मिला दुनिया का सबसे विशाल लौह अयस्क भंडार

6 ट्रिलियन डॉलर का है खजाना, किस देश की चमकी किस्मत

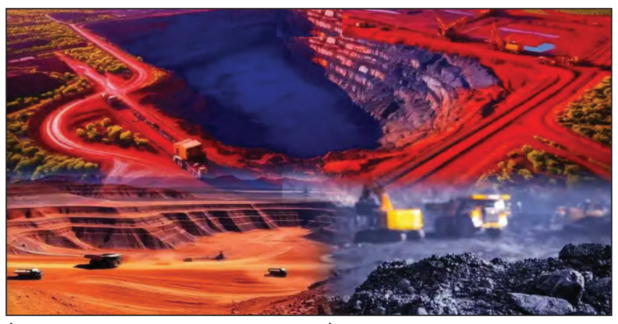

कैनबरा, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भूवैज्ञानिकों को ऑस्ट्रेलिया में बड़ी कामयाबी मिली है। वैज्ञानिकों ने एक अभूतपूर्व खोज में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पिलबारा क्षेत्र में लौह अयस्क के विशाल भंडार का पता लगाया है। इसे दुनिया में अब तक खोजा गया सबसे बड़ा लोहे का भंडार माना जा रहा है। इस भंडार की कीमत 6 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह खोज ना केवल वैश्विक लौह बाजार में क्रांति लाएगी बल्कि पृथ्वी के भूवैज्ञानिक इतिहास को लेकर भी नई समझ पैदा करेगी।

ऑस्ट्रेलिया का पिलबारा क्षेत्र अपने सूखे भूभाग और समृद्ध खनिज संसाधनों के लिए जाना जाता है। अब यह तक खोजे गए सबसे बड़े लौह अयस्क भंडार का घर बन गया है। इस खोज ने वैज्ञानिकों की लौह सांद्रता पर समझ को भी बदला है। इन संरचनाओं की आयु पहले 2.2 अरब वर्ष थी, अब इसे संशोधित करके 1.4 अरब वर्ष कर दिया है।

तकनीक से मिली सफलता

ऑस्ट्रेलिया में हुई इस खोज में तकनीक ने बड़ी भूमिका निभाई है। भूवैज्ञानिकों को उन्नत आइसोटोपिक डेटिंग और रासायनिक विश्लेषण से ना केवल भंडार के विशाल आकार का पता चला बल्कि अयस्क की शानदार गुणवत्ता का भी पता चला। प्रारंभिक अनुमानों के बाद 30 प्रतिशत लौह सामग्री को संशोधित कर 60 प्रतिशत से अधिक कर दिया गया है। इससे यह भंडार अब तक खोजे गए सबसे समृद्ध भंडारों में से एक बन गया है।

इस खोज का असर तात्कालिक आर्थिक लाभों से कहीं आगे तक होगा। इस भंडार में भूवैज्ञानिक इतिहास के अध्यायों को फिर से लिखने और लंबे समय से चली आ रही वैज्ञानिक मान्यताओं को चुनौती देने की क्षमता है। यह खोज पृथ्वी के अतीत के बारे में वैज्ञानिकों की समझ को बढ़ाती है। साथ ही साथ भविष्य के शोध को भी प्रेरित करती है। एक्सपर्ट को उम्मीद है कि इससे अन्वेषण और खोज के नए अवसर खुलेंगे।

भारत के दोस्त ने समंदर को लेकर बनाया ऐसा प्लान

तुर्की के खलीफा एर्दोगन करेंगे लाल एजियन सागर को लेकर बड़ा ऐलान

एथेंस, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारत का दोस्त ग्रीस ऐसा कदम उठाने जा रहा है, जो तुर्की के खलीफा एर्दोगन के की टेंशन बढ़ा सकता है। ग्रीस दो नेशनल मरीन पार्क स्थापित करने की योजना बनाई है,जो समुद्री जीवों की रक्षा करेगा। ये नेशनल पार्क आयोनियन सागर और दक्षिणी साइक्लेड्स में स्थित होंगे, जो एजियन सागर में स्थित द्वीप समूह है। ग्रीस की इस योजना से तुर्की का पारा चढ़ सकता है, क्योंकि दोनों देशों के बीच पूर्वी भूमध्य सागर के कुछ हिस्सों में समुद्री सीमाओं और आर्थिक अधिकारों को लेकर विवाद है। पिछले साल तुर्की ने एजियन सागर में समुद्री पार्क बनाने के ग्रीक सरकार की घोषणा का विरोध किया था। अब ग्रीस ने इस पार्क को बनाने की घोषणा कर दी है। सोमवार को ग्रीस के प्रधानमंत्री किरयाकोस मित्सोताकिस ने एक बयान में कहा, ये पार्क पूरे भूमध्य सागर में सबसे बड़े समुद्री संरक्षित क्षेत्रों में से एक होंगे। प्रधानमंत्री ने बताया कि इससे देश 2030 तक अपने '30 प्रतिशत क्षेत्रीय जल क्षेत्र की रक्षा' करने के अपने लक्ष्य को समय से पहले पूरा कर सकेगा।

ग्रीस की घोषणा पर तुर्की के विदेश मंत्रालय ने तत्काल प्रतिक्रिया दी और कहा, एजियन और भूमध्य सागर जैसे बंद या अर्ध-बंद समुद्रों में एकतरफा कार्रवाई से बचना चाहिए। अंकारा ने जवाबी कार्रवाई करने की योजना बनाई है और कहा कि आने वाले दिनों में समुद्री क्षेत्रों में पर्यावरण की रक्षा के उद्देश्य से अपनी परियोजनाओं की घोषणा करेगा। एजियन सागर का यह क्षेत्र समुद्री वन्यजीव पौधों और प्रजातियों का घर है, जो संकटग्रस्त हैं। यह इलाका 9500 वर्ग किलोमीटर में फैला है। आयोनियन सागर में यह पार्क 18000 वर्ग किलोमीटर में फैला होगा। इसमें समुद्री कछुओं जैसे विलुप्त होने के कगार पर खड़े समुद्री जीवों के उपयोग किए जाने वाले स्थान शामिल होंगे।

बांग्लादेश प्लेन क्रैश: पायलट की आखिरी कोशिश

विमान को आबादी से दूर ले जाना चाहता था, लेकिन नाकाम रहा, मौत का आंकड़ा 27 हुआ

ढाका, 22 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में ढाका के माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज परिसर पर सोमवार को वायुसेना का ट्रेनर विमान एफ-7बीजीआई गिरने से 27 लोगों की मौत हो गई। हादसा दोपहर करीब 1 बजे हुआ। बांग्लादेशी सेना ने कहा- दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई। पायलट ने विमान को आबादी से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह स्कूल से टकरा गया। वायु सेना ने हाई-लेवल जांच शुरू कर दी है।

हादसे में मरने वालों में 25 छात्र, 1 शिक्षक और पायलट शामिल हैं। 171 से ज्यादा लोग घायल हैं। इनमें से 78 से ज्यादा गंभीर घायलों का इलाज जारी है। मंगलवार को सुबह 8 बजे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी के विशेष सहायक डॉ. सईदुर रहमान ने कहा कि अब तक 20 शव परिवारों को सौंप दिए गए हैं। घटना के कारण सरकार ने एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। हादसे के समय स्कूल में क्लासेस चल रही थीं और सैकड़ों छात्र वहां मौजूद थे।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने पुष्टि की है कि विमान के पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम की हादसे में मौत हो गई है।

अस्पतालों के बाहर ब्लड डोनेट करने पहुंच रहे लोग

हादसे के बाद कई लोग अस्पताल के बाहर ब्लड डोनेट करने के लिए पहुंचे हैं। इन्हीं लोगों में शामिल एक महिला ने कहा- छोटे बच्चे मर रहे हैं। हम तो बस थोड़ा सा खून ही दे सकते हैं।

माइलस्टोन स्कूल की आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले दो चचेरे भाई हादसे के वक्त स्कूल के पास मौजूद थे। दोनों के माता-पिता फोन पर बात करते हुए बार-बार रो पड़ रहे थे।

दूसरी तरफ फायर सर्विस ने बताया है कि यह घटना दोपहर 1:18 बजे हुई और उनके यूनिट 1:22 बजे मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य में उत्तरा, टोंगी, पल्लबी, कुर्मिटोला, मीरपुर और पूर्वाचल के आठ फायर स्टेशन की 8 टीमें लगीं।

अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा- कई देशों ने इस घटना पर शोक जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत जानमाल के नुकसान से गहरा स्तब्ध और दुखी है। उन्होंने हर संभव सहायता और देने का आश्वासन दिया।

अमेरिकी विदेश विभाग ने भी कहा कि वह इस दुर्घटना से बहुत दुखी है। विदेश विभाग के दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो से जारी बयान में कहा गया- बांग्लादेश वायु सेना के प्लेन क्रैश से हमें गहरा दुख हुआ है। हमारी संवेदनाएं उन घायलों और उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने इस कठिन समय में अपने प्रियजन को खो दिए हैं।

एफ-7बीजीआई बांग्लादेश एयरफोर्स (बीएएफ) का मल्टीरोल फाइटर जेट है।

फिलीपींस के राष्ट्रपति का अमेरिका दौरा

ट्रंप के साथ मुलाकात में टैरिफ और चीन के मुद्दे पर होगी बात

वॉशिंगटन, 22 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्दीनांद मार्कोस जूनियर की मंगलवार को व्हाइट हाउस में मुलाकात होगी। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच सुरक्षा और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में हिंद प्रशांत महासागर काफी अहम हो गया है। इससे पहले सोमवार को फिलीपींस के राष्ट्रपति ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से मुलाकात की।

फिलीपींस के राष्ट्रपति, राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में उनसे मिलने वाले पहले दक्षिण पूर्व एशियाई नेता होंगे। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्दीनांद मार्कोस जूनियर की अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब चीन, दक्षिण चीन सागर में लगातार अपनी आक्रामकता बढ़ा रहा है। चीन और फिलीपींस के बीच स्कारबोरो शोल को लेकर विवाद है। दोनों ही देश इस जगह पर अपना दावा करते हैं। इसे लेकर कई बार चीनी जहाजों और फिलीपींस के जहाजों पर मौजूद सैनिकों की झड़प भी हो चुकी है। अमेरिका, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन को अपना सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी मानता है और यही वजह है कि अब अमेरिका, हिंद प्रशांत महासागर पर काफी ज्यादा फोकस कर रहा है। हालांकि ट्रंप और उनके पूर्ववर्ती राष्ट्रपति बीते काफी समय से रूस यूक्रेन जंग और इस्राइल हमास युद्ध में फंसे हुए हैं। जिसके चलते वे दक्षिण चीन सागर पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पा रहे हैं।

चीन के अलावा दोनों देशों के बीच टैरिफ के मुद्दे पर भी बात होगी। ट्रंप ने बीते दिनों फिलीपींस के सामान पर 20 फीसदी टैरिफ लगाने का एलान किया था।

गिलगित-बाल्टिस्तान में बादल फटने से मची तबाही

चार पर्यटकों की मौत, 15 लापता

इस्लामाबाद, 22 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में कुदरत का कहर देखने को मिला। जहां सोमवार को बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में अब तक कम से कम चार पर्यटकों की मौत हो गई। दो घायल हो गए। वहीं 15 लोग लापता हो गए हैं। घटना दीमर जिले में हुई, जहां बाढ़ के तेज बहाव में आठ पर्यटक वाहन बह गए। मामले में गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फरक ने बताया कि मृतकों में एक महिला पंजाब प्रांत के लोधरन की रहने वाली थी। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं इसका असर यातायात पर पड़ा।

बाढ़ के कारण बाबूसर हाईवे बंद हो गया और इलाके में बिजली और संचार सेवाएं बाधित हो गई हैं। सैकड़ों फंसे पर्यटकों को स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित निकाला गया, और उन्हें अस्थायी ठिकानों पर शरण दी गई। बता दें कि अचानक से आई से इस बाढ़ के चलते खेत, बाग-

बगीचे, घर और जरूरी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है, लेकिन हालात अब भी बेहद गंभीर बने हुए हैं।

दीमर के पुलिस अधीक्षक अब्दुल हमीद ने बताया कि बाढ़ ने करीब सात किलोमीटर तक का इलाका तबाह कर दिया। कई वाहन बह गए और आशंका है कि 20 से 30 लोग लापता हो सकते हैं। राहत कार्य जारी है लेकिन लगातार मलबा गिरने से बचाव कार्य में मुश्किलें आ रही हैं।

दीमर के अलावा घाइजर जिले में भी बाढ़ ने घरों, खेतों और सड़कों को नुकसान पहुंचाया। स्कार्दू में बाढ़ की आशंका के चलते गाम्बा रेस्क्यू स्टेशन को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बरगी और सादपारा नालों में पानी घरों में घुस गया है, जिससे कई संपत्तियां और सड़कें बर्बाद हो गईं।

वहीं गोजल के पास पासु क्षेत्र में काराकोरम हाईवे का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे हजारों लोग फंस गए हैं। यह मार्ग पाकिस्तान को चीन से जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है।

गिलगित-बाल्टिस्तान पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के निदेशक खदीम हुसैन ने बताया कि क्षेत्र में पिछले छह हफ्तों से रिकॉर्ड गर्मी और उमस बनी हुई है, जिससे बादल फटने और बाढ़ की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

भारत को धमकाने वाले लिंडसे ग्राहम कौन हैं?

भारतीय इकॉनमी को तहस-नहस करने की धमकी, बोले- ट्रंप आपसे थक चुके

वॉशिंगटन, 22 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने एक बार फिर भारत को धमकी दी है। ग्राहम ने बेहद सख्त भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा कि अगर भारत ने रूस से तेल लेना बंद नहीं किया तो उसकी अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उन देशों पर भारी टैरिफ लगाएंगे जो रूस से तेल आयात कर रहे हैं। खासतौर से भारत, चीन और ब्राजील का नाम उन्होंने लिया है। ग्राहम ने पहली बार भारत को धमकी नहीं दी है। बीते काफी समय से वह इस तरह की

धमकीभरी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने इस संबंध में ससंद में बिल लाने की बात भी कही है। लिंडसे ग्राहम ने फॉक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा, 'ट्रंप उन देशों पर टैरिफ लगाने जा रहे हैं, जो रूसी तेल खरीदते हैं। ये चीन, भारत और ब्राजील हैं। ये तीनों देश रूस के कच्चे तेल के 80 प्रतिशत हिस्से का निर्यात कर रहे हैं। इससे रूस को यूक्रेन के खिलाफ अपनी जंग जारी रखने में मदद मिल रही है।'

ग्राहम ने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को मिलने वाली वित्तीय सहायता बंद करने के लिए इन देशों से तेल संबंधी आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना बना रहे हैं। यह इन देशों के लिए पुतिन की मदद करने की सजा होगी।

मैं सो रही थी, तब शोषण किया, बच्ची पर चिल्लाया

ब्रिटेन की पूर्व सांसद का पति पर आरोप- 10 साल तक शोषण किया

लंदन, 22 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की पूर्व सांसद केट निवेटन ने अपने पति और पूर्व सांसद एंड्रयू ग्रिफिथ्स पर यौन शोषण और शादीशुदा जिंदगी में घरेलू हिंसा के गंभीर आरोप लगाए हैं। एक डॉक्यूमेंट्री में केट ने बताया कि ग्रिफिथ्स ने उनके साथ कई बार तब रेप किया, जब वह सो रही थीं। केट ने बताया-तब वह मेरे साथ जबरन संबंध बनाता जब मैं नींद में होती थी। कई बार मैं बस सह लेती थी, लेकिन कई बार रोती थी। तब वह गुस्से में मुझे बिस्तर से लात मारकर बाहर फेंक देता था। मैं रोती थी, डरती थी, लेकिन वह कहता था- कोई तुम्हारी बात पर भरोसा नहीं करेगा, मैं सांसद हूं, पुलिस भी मेरे साथ है। मैं खुद को एक कमरे में बंद कर लेती या घर छोड़कर चली जाती थी।

एक घटना याद करते हुए केट ने बताया कि उनकी बेटी सिर्फ दो हफ्ते की थी। एक सुबह जब वह दूध के लिए रो रही थी और ग्रिफिथ्स संसद जाने की तैयारी कर रहा था। तब उसने बच्ची को गाली देते हुए उस पर चिल्लाया। केट आगे कहती हैंलोग सोचते हैं कि मिडिल क्लास प्रोफेशनल लोगों के साथ ऐसा नहीं होता। लोगों को लगता है कि घरेलू हिंसा सिर्फ गरीब तबके में होती है, लेकिन सच ये है कि यह किसी के भी साथ हो सकती है।

ब्रिटेन के एक फैमिली कोर्ट ने 2021 में माना कि ग्रिफिथ्स ने केट के साथ रेप किया और बार-बार शारीरिक हिंसा की। कोर्ट ने यह भी माना कि उसने मानसिक रूप से भी उन्हें प्रताड़ित किया।

अमेरिका में 'कॉस्बी शो' के अभिनेता मैल्कम-जमाल वार्नर का निधन

वाशिंगटन, 22 जुलाई (एजेंसियां)। द कॉस्बी शो में किशोर बेटे थियो हक्सटेबल की भूमिका निभाकर चर्चित हुए अमेरिकी अभिनेता मैल्कम-जमाल वार्नर का 54 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि कोस्टा रिका में दुर्घटनावश डूबने से वार्नर की मौत हो गई। वार्नर रविवार दोपहर (स्थानीय समय) कोस्टा रिका के कैरेबियन तट पर डूबे। वार्नर लिमोन प्रांत के प्लाया ग्रांडे डे कोकल्स में तैर रहे थे, तभी एक तेज समुद्री लहर की चपेट में आ गए।

भारत के सिर पर चीन बना रहा दुनिया का सबसे बड़ा बांध

बांग्लादेश भी नहीं बचेगा, एक्सपर्ट ने बताया कैसे बन सकता है खतरा

बीजिंग, 22 जुलाई (एजेंसियां)। चीन ने तिब्बत क्षेत्र में दुनिया के सबसे बड़े बांध की शुरुआत कर दी है, जिसे लेकर भारत में चिंता जताई जा रही है। चीनी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को यारलुंग सांगपो नदी पर इस परियोजना की शुरुआत की आधारशिला रखी गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने की। यारलुंग सांगपो नदी आगे चलकर भारत में पहुंचती है, जिसे ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। चीन के सुपर-बांध निर्माण शुरू होने के बाद एक्सपर्ट इसे भारत के लिए खतरे की घंटी बता रहे हैं। इतना ही नहीं इस बांध का असर बांग्लादेश पर भी पड़ेगा।

भारतीय रक्षा विशेषज्ञ ब्रह्म चेलानी ने कहा है कि चीन का सुपर-बांध ब्रह्मपुत्र के प्राकृतिक प्रवाह को प्रवाहित करेगा। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा को भी फटकार लगाई जिन्होंने कहा था कि दुनिया के सबसे बड़े बांध को लेकर चिंता का कोई तात्कालिक कारण नहीं है, क्योंकि नदी पूरी तरह से तिब्बत के पानी पर निर्भर नहीं है। चेलानी ने एक्स पर लिखा, चीनी सुपर-डैम प्रोजेक्ट पर असम के मुख्यमंत्री की टिप्पणियां न केवल अज्ञानता पर आधारित हैं, बल्कि वे उन खतरनाक विकृतियों का उदाहरण भी हैं, जो भारत में आत्मसंतुष्टि को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने आगे लिखा, किसी नदी का बारहमासी प्रवाह पहाड़ी झरनों, उच्चभूमि गीली भूमि या पीट बोग, पिघले हुए हिमनदों और बारहमासी सहायक नदियों से संचालित होता है। ब्रह्मपुत्र के मामले में ये स्थायी जल स्रोत भारत की तुलना में तिब्बत में ज्यादा है। चेलानी ने कहा चीनी सुपर-बांध हिमालय से आने वाले पोषक तत्वों से भरपूर तलछट के ब्रह्मपुत्र के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करेगा, जो नदी के पारिस्थितिक स्वास्थ्य के लिए जीवन रेखा है।

नदी को इस तलछट से वंचित करने से नदी तल का क्षरण होगा, तट अस्थिर होंगे, प्राकृतिक आवास नष्ट होंगे और डेल्टा और मुहाने सिकुड़ जाएंगे।

'मैंने पहले ही कहा था, उन पर दबाव है'

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर बोले अशोक गहलोत

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे ने देश की राजनीति में एक नया तूफान खड़ा कर दिया है। इस इस्तीफे को लेकर जहां एक ओर सत्ता पक्ष मौन साधे हुए है। वहीं विपक्ष सवालों की झड़ी लगाए हुए है। खासतौर पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस घटनाक्रम को लेकर न सिर्फ आरएसएस और बीजेपी पर सीधे सवाल उठाए हैं, बल्कि इसे देश के लिए चौंकाने वाली और संशय पैदा करने वाली स्थिति बताया है।

गहलोत ने कहा कि धनखड़ का अचानक इस्तीफा देना केवल एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरी राजनीतिक साजिश छिपी हो सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मामले में हस्तक्षेप कर उपराष्ट्रपति से इस्तीफा वापस लेने की अपील करने को कहा है। गहलोत ने जयराम रमेश के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें रमेश ने कहा था कि प्रधानमंत्री को धनखड़ को मनाने की कोशिश करनी चाहिए।

फेयरवेल नहीं देना सरकार की मानसिकता को दर्शाता है

गहलोत ने सबसे बड़ा सवाल तब उठाया, जब उन्होंने कहा कि खबरें हैं कि सरकार उपराष्ट्रपति को कोई औपचारिक फेयरवेल नहीं देने वाली। उन्होंने इस रवैये को चौंकाने वाला दुखदऔर शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यवहार खुद में कई सवाल खड़े करता है और इससे यह आशंका गहरी होती है कि मामला केवल स्वास्थ्य कारणों तक सीमित नहीं है।

गहलोत ने याद दिलाया कि उन्होंने दस दिन पहले ही जोधपुर में सार्वजनिक मंच से कहा था कि उपराष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष दोनों ही दबाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धनखड़ साहब ने इसके जवाब में जयपुर में बयान दिया था कि मैं किसी दबाव में नहीं हूं, लेकिन कहना और हकीकत होना दो अलग बातें हैं।

इस पूरे प्रकरण को गहलोत ने राष्ट्रीय राजनीति के बड़े खेल से जोड़ते हुए कहा कि कहीं यह बीजेपी और आरएसएस का कोई बड़ा मूव तो नहीं है, जिसे आम जनता से छिपाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं है। यह किसी अंदरूनी रणनीति की आहट हो सकती है, जिसे बाद में देश को भुगतना पड़े।

गहलोत ने उपराष्ट्रपति के इस्तीफे के लिए दिए गए स्वास्थ्य कारण को भी संदेह के घेरे में बताया। उन्होंने कहा कि इतिहास में ऐसे उदाहरण हैं जब राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बाईपास सर्जरी तक हुई, लेकिन उन्होंने पद नहीं छोड़ा। ऐसे में उपराष्ट्रपति जैसे महत्वपूर्ण पद से अचानक इस्तीफा समझ से परे है।

अजय अग्रवाल छह साल के लिए कांग्रेस से निष्कासित

बोले- यह निजी रंजिश का नतीजा, फैसला हाईकमान करेगा

अलवर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर जिले में कांग्रेस पार्टी के भीतर आंतरिक कलह खुलकर सामने आ गई है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने एक बड़ा फैसला लेते हुए पार्टी के पूर्व सभापति और हालिया विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रत्याशी रहे अजय अग्रवाल को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में छह वर्षों के लिए कांग्रेस से निष्कासित कर दिया है। इस निष्कासन ने न सिर्फ स्थानीय राजनीति में हलचल मचा दी है, बल्कि कांग्रेस के भीतर गुटबाजी और रंजिश को भी उजागर कर दिया है।

विधानसभा टिकट से उपजा विवाद बना कारण?

बताया जा रहा है कि यह विवाद नई जड़ नहीं है। विधानसभा चुनाव के समय ही दोनों नेताओं के बीच तनाव की स्थिति बन गई थी। जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा स्वयं अलवर से टिकट चाहते थे,

लेकिन पार्टी ने टिकट अजय अग्रवाल को दे दिया। उसी समय से दोनों के बीच खटास गहराती गई, जो अब खुलकर सामने आ गई है।

योगेश मिश्रा की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि अजय अग्रवाल लंबे समय से भाजपा नेताओं के पक्ष में सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे थे, जो पार्टी लाइन के खिलाफ है। इसके चलते उन्हें नोटिस देकर तीन दिन में जवाब मांगा गया था, लेकिन उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया। इसके अलावा वे पार्टी के किसी कार्यक्रम में भी भाग नहीं ले रहे थे, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि वे पार्टी गतिविधियों से दूरी बना चुके हैं।

'यह बदले की कार्रवाई है'

दूसरी ओर निष्कासन के निर्णय पर अजय अग्रवाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से जिला अध्यक्ष की निजी रंजिश का परिणाम है। उन्हें मुझे पार्टी से निष्कासित करने का कोई अधिकार नहीं है। यह अधिकार केवल पार्टी हाईकमान के पास होता है। अग्रवाल ने आरोप लगाया कि मिश्रा कांग्रेस और भाजपा दोनों के नेताओं के साथ मिलकर भूमि खरीद-फरोख्त जैसे निजी व्यापार में लिप्त हैं। इसी वजह से उन्होंने खुद मिश्रा की कार्यशैली को लेकर पहले भी पार्टी हाईकमान और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से शिकायत की थी। उन्होंने यह भी कहा कि मैं किसी भी व्यक्ति के अच्छे काम का सम्मान करता हूं, चाहे वह मुख्यमंत्री हो या प्रधानमंत्री। इसका मतलब यह नहीं कि मैं पार्टी विरोधी हूं।

हाईकमान के पाले में गेंद, अंतिम निर्णय प्रतीक्षित

फिलहाल यह मामला प्रदेश कांग्रेस और पार्टी हाईकमान के संज्ञान में पहुंच चुका है। यह देखना बाकी है कि पार्टी नेतृत्व इस मामले को किस नजर से देखता है और क्या अजय अग्रवाल के निष्कासन को मान्यता दी जाएगी या फिर जिला अध्यक्ष के निर्णय को खारिज किया जाएगा।

सांसद मन्नालाल रावत की मांग- डिलिस्टिंग जरूरी, तभी मिलेंगे जनजातियों को असली हक

उदयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। उदयपुर के भाजपा सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने 60 साल से चल रहे डीलिस्टिंग के मामले को संसद में उठाया। सांसद रावत ने साल 1950 से संवैधानिक हक से वंचित मूल संस्कृति वाली अनुसूचित जनजातियों को उनका हक देने की मांग की।

बता दें कि सांसद रावत ने लोकसभा में मानसून सत्र के पहले दिन नियम-377 के तहत 720 जनजातियों से जुड़ा मुद्दा उठाते हुए कहा कि डिलिस्टिंग अनुसूचित जनजातियों की परिभाषा से संबंधित एक अत्यंत संवेदनशील विषय है। संविधान के अनुच्छेद-342 के अंतर्गत अनुसूचित जनजातियों की पहचान और अधिसूचना का अधिकार राष्ट्रपति को प्राप्त है।

अनुसूचित जनजातियों की सूची तैयार की गई

इसी के अंतर्गत साल 1950 में एक अधिसूचना जारी कर अनुसूचित जनजातियों की सूची तैयार की गई थी। किंतु इस अधिसूचना में अनुसूचित जातियों की परिभाषा एवं प्रावधानों की भांति मूल संस्कृति छोड़ धर्मान्तरण करने वाले माइनोरिटी व्यक्ति को अनुसूचित जनजाति में अपात्र करने का प्रावधान नहीं है। इससे मूल जनजातीय समाज को मिलने वाले संवैधानिक लाभ, छात्रवृतियां, नौकरियों में आरक्षण एवं विकास की राशि के हक छीने जा रहे हैं।

जनजातीय अधिकारों की रक्षा जरूरी

सांसद रावत ने कहा कि अनुसूचित जातियों की भांति ही यह सुनिश्चित किया जाए कि जो धर्मान्तरित हो गए हैं, उन्हें अनुसूचित जनजातियों की श्रेणी से बाहर किया जाए।

यह विधान संविधान की भावना, सामाजिक न्याय, विकास एवं जनजातीय अधिकारों की रक्षा के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

डकैती की मास्टर माइंड महिला गिरफ्तार, अब तक 5 आरोपी पकडे गए

चूरू, 22 जुलाई (एजेंसियां)। रतनपुरा गांव के पास स्थित दो ढाणियों में एक पखवाड़े से भी अधिक समय पहले हुई डकैती और लूट मामले में पुलिस ने घटना की मुख्य षड्यंत्रकारी और साजिश कर्ता तथा मास्टरमाइंड महिला आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। प्रारंभिक पूछताछ में घटना को अंजाम देने में गिरफ्तार महिला ने अपने बेटे के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि 30 जून की रात को हथियारबंद बदमाशों ने रतनपुरा गांव के पास स्थित दो ढाणियों में डकैती ओर लूट की घटना को अंजाम दिया था। उन्होंने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों ने मामले में तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए एक टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान बीट कांस्टेबल संदीप कुमार और डीएसटी के कांस्टेबल मुकेश कुमार को आसूचना मिली कि रतनपुरा के पास भठिंडा पंजाब निवासी विमला बांवरी की रिश्तेदारी है और उसे पीड़ित परिवार के धन और गहनों की जानकारी थी। इस पर पुलिस ने साइबर विश्लेषण और तकनीकी जांच के माध्यम से बिमला बांवरी को बठिंडा से गिरफ्तार कर लिया। मामले को लेकर गिरफ्तार आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ जारी है। उन्होंने बताया कि मामले में इससे पहले पुलिस ने संजय कुमार पुत्र नानचारामबांवरी निवासी रामपुरा फूल, थाना रामपुरा जिला भठिंडा पंजाब, टीटू पुत्र मोहन सिंह बांवरी निवासी नगला कुरेशीपुरा थाना डबवा जिला फरीदाबाद हरियाणा, राजकुमार पुत्र राजवीर बांवरी निवासी नया गांव थाना बहरोड़ जिला अलवर हाल रामपुरा हमीरवास, मदन पुत्र मोहरसिंह बांवरी निवासी नारनोद, जिला हिसार हरियाणा को गिरफ्तार कर शिनाख्त परेड कार्रवाई के लिए जेल भिजवा दिया है।

दो कारों की जोरदार टक्कर

खाटूश्याम से लौट रहे चार श्रद्धालुओं समेत पांच की मौत

बीकानेर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीडूंगरगढ़ के पास नेशनल हाईवे-11 पर दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो कारों की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण टक्कर में 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा रात करीब 11 बजे सिखवाल फार्म के पास हुआ। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि दोनों स्विफ्ट डिजायर कारें पूरी तरह चकनाचूर हो गईं।

पुलिस और स्थानीय लोगों के अनुसार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ने बीकानेर ले जाते वक्त रास्ते में दम तोड़ दिया।

मृतकों में वे चार लोग भी शामिल हैं जो खाटूश्यामजी के दर्शन कर लौट रहे थे। कारों में सवार कुछ लोग टक्कर के बाद कांच तोड़कर सड़क पर आ गिरे। घायलों और शवों को निकालने के लिए गाड़ियों को काटना पड़ा। एक शव इतना बुरी तरह कार में फंसा हुआ था कि उसे बाहर निकालने में बचाव दल को करीब एक घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी।

पुलिस ने बताया कि घायलों को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया जिसे देर रात तक कड़ी मशक्कत के बाद खुलवाया गया। स्थानीय लोगों ने हादसे की वजह तेज रफ्तार और ओवरटेक को बताया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हादसे में इनकी मौत

करण पुत्र भागीरथ जाखड़ उम्र 27 वर्ष निवासी अभयसिंह पुरा, दिनेश जाखड़ पुत्र पेमाराम उम्र 25 वर्ष निवासी बिग्गा,मदन सारण पुत्र भंवरलाल सारण उम्र 27 निवासी डूंगरगढ़ सुरेंद्र नाई पुत्र पदमाराम नाई उम्र 24 वर्ष निवासी नापासर, मनोज जाखड़ पुत्र ओमाराम जाखड़ उमर 24 वर्ष निवासी बिग्गा।

आईएएस बनाम जज टिप्पणी पर कोर्ट सख्त

विकास दिव्यकीर्ति को कोर्ट में पेश होने का आदेश

अजमेर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। देश की चर्चित कोचिंग संस्थान 'दृष्टि आईएएस' के संचालक डॉ. विकास दिव्यकीर्ति के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में मंगलवार को अजमेर की न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-2 की अदालत में सुनवाई हुई। यह मामला उनके एक वीडियो आईएएस वर्सेस जज-कौन ज्यादा ताकतवर... में की गई कथित टिप्पणी को लेकर दर्ज किया गया था। मामले को लेकर न्यायिक समुदाय में असंतोष फैल गया था।

मंगलवार को डॉ. विकास दिव्यकीर्ति को कोर्ट में सशरीर पेश होना था, लेकिन वे सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं हुए। उनके वकील की ओर से कोर्ट में हाजिरी माफी की अर्जी पेश की गई। दूसरी ओर परिवादी वकील कमलेश मंडोलिया की ओर से कोर्ट में गिरफ्तारी वारंट जारी करने की मांग करते हुए प्रार्थना-पत्र दाखिल किया गया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद विकास दिव्यकीर्ति के वकीलों को निर्देशित किया कि वे आगामी 2 अगस्त को उन्हें सशरीर अदालत में पेश करें।

गौरतलब है कि डॉ. दिव्यकीर्ति के एक यूट्यूब वीडियो में उन्होंने IAS अधिकारियों को जजों की तुलना में अधिक ताकतवर बताया था, जिसे वकील समुदाय ने न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला करार दिया। इसके बाद वकील कमलेश मंडोलिया ने अजमेर कोर्ट में उनके खिलाफ मानहानि का केस दायर किया। इस पर न्यायिक मजिस्ट्रेट मनमोहन चंदेल ने मामले को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए दिव्यकीर्ति को नोटिस जारी किया था और कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था।

डॉ. दिव्यकीर्ति की ओर से इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की गई है। उनके वकील पुनीत सिंघवी ने बताया कि दिव्यकीर्ति का यह मानना है कि उन्होंने किसी भी वर्ग की भावना को आहत करने का उद्देश्य नहीं रखा था और उनका बयान केवल शैक्षणिक संदर्भ में था। हालांकि, हाईकोर्ट में अब तक इस अपील पर सुनवाई नहीं हो पाई है। कोर्ट की सख्ती के बाद अब यह मामला और गंभीर होता जा रहा है। 2 अगस्त को विकास दिव्यकीर्ति को अदालत में स्वयं पेश होना होगा अन्यथा कोर्ट द्वारा कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। यह मामला न केवल कानूनी बल्कि सामाजिक और शैक्षणिक हलकों में भी व्यापक रूप से चर्चा का विषय बन गया है।

टाइगर रिजर्व की सीमाओं के पुनर्निर्धारण पर भड़की कांग्रेस

जूली ने सीईसी को आपत्ति-पत्र सौंपा

अलवर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व की सीमाओं के पुनर्निधारण को लेकर सरकार विवादों में आ गई है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार को घेर रही है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस मामले को लेकर अपना कड़ा विरोध दर्ज करवाया है। उन्होंने इसे बाघों के प्राकर्तिक आवास और संरक्षण के साथ अन्याय बताया है। जूली ने अपना विरोध जातते हुए केंद्रीय सशक्त समिति (CEC) को आपत्ति पत्र भी लिखा है। हाल में वन विभाग सरिस्का की सीमाओं के रेशनलाइजेशन का प्रस्ताव तैयार किया है। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि राजस्थान सरकार ने इस प्रक्रिया में कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी की है।

जूली ने आरोप लगाया कि सरिस्का की सीमाओं में यह बदलाव खनन और होटल लॉबी को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। जूली ने बताया कि सरिस्का के टहला क्षेत्र में 3.7 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र में बाघिन ST-27 ने मई 2024 में दो शावकों को जन्म दिया था। उसे क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट से हटाकर बफर जोन में डाला जा रहा है। इससे इस क्षेत्र में खनन और होटल संचालन की अनुमति मिल सकती है, जो सीधे बाघों के जीवन पर खतरा बन सकता है। उन्होंने कहा कि 2004 में जब सरिस्का में सिर्फ 492 वर्ग किमी क्षेत्र संरक्षित था। तब यहां से बाघ विलुप्त हो गए थे। इसके बाद 2007 में क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट जोड़े जाने के बाद पुनः बाघों की वापसी हुई। कांग्रेस पार्टी की सरकारों ने सरिस्का को पुनः आबाद करने के लिए स्पेशल प्रोजेक्ट चलाया और उसी का परिणाम है कि आज वहां 48 बाघ हैं। जहां कभी तीन बाघ ही बचे थे।

जूली ने आरोप लगाया कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दिए गए वचनों का उल्लंघन करते हुए टीटीएचका क्षेत्र घटाया है, जबकि आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में 48 बाघों के लिए 1820.99 वर्ग किमी क्षेत्र की आवश्यकता है। इसके विपरीत, प्रस्ताव में मात्र 85 हेक्टेयर क्षेत्र ही जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि 2004 में जब सरिस्का में सिर्फ 492 वर्ग किमी क्षेत्र संरक्षित था, तब यहां से बाघ विलुप्त हो गए थे, लेकिन 2007 में अतिरिक्त CTH जोड़े जाने के बाद पुनः बाघों की वापसी हुई। जूली ने कहा कि सरिस्का को आबाद रखने के लिए डॉ. मनमोहन सिंह सरकार ने टाइगर प्रोजेक्ट शुरू किया। जिस सरिस्का में मात्र 3 बाघ बचे थे, वहां कांग्रेस पार्टी की सरकारों ने सरिस्का को पुनः आबाद करने के लिए स्पेशल प्रोजेक्ट चलाया और उसी का परिणाम है कि आज वहां 48 बाघ हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार अब सरिस्का को बर्बाद करने पर आमदा है। उन्होंने कहा कि भिवाड़ी और बहरोड़ के अलग जिला बनने के बाद सरिस्का अलवर राजस्थान का मुख्य पर्यटन केन्द्र है, लेकिन राज्य सरकार बड़े लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए माइंस एरिया पर फोकस कर रही है, इसमें बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

पुरानी रंजिश में की गई थी हत्या

15 घंटे में 8 आरोपी गिरफ्तार

4 मांगों पर बनी सहमति

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के पालड़ी मीणा कच्ची बस्ती में विपिन उर्फ विक्की पर चाकू से वार कर हत्या करने वाले आरोपी सहित सात हमलावरों को पुलिस ने 15 घंटे बाद पकड़ लिया। मुख्य आरोपी मोहम्मद अनस को पुलिस पकड़कर मौके पर ले जा रही थी, तभी जगतपुरा से आगे खोह नागोरियान मार्ग पर उसने पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर भागने का प्रयास किया।

पुलिसकर्मी से हुई धक्का-मुक्की में पिस्टल से फायर हो गया और गोली अनस के पैर में जा लगी। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि गोली लगने से घायल हुए हिस्ट्रीशीटर अनस को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने वारदात के बाद भागे अनस को पकड़ने के लिए उसके परिजन और परिचितों सहित 25 लोगों को हिरासत में ले लिया। उसके छिपने के ठिकानों की जानकारी ली।

बनास नदी में नहाने गए माउंटआबू के दो युवकों की डूबने से मौत

आपदा प्रबंधन टीम ने रातभर चलाया रेस्क्यू

सिरोही, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सिरोही जिले के आबूरोड क्षेत्र में रविवार देर शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब माउंटआबू से आए दो युवक बनास नदी में नहाने के दौरान डूब गए। यह हादसा किवरली रपट के पास हुआ, जहां नदी के बहाव और गहराई ने युवकों की जान ले ली। घटना की सूचना मिलते ही माउंटआबू आपदा प्रबंधन दल और स्थानीय गोताखोर तुरंत मौके पर पहुंचे। फिर करीब छह घंटे तक चले तलाशी अभियान के बाद दोनों शवों को बाहर निकाला गया।

नहाने के दौरान डूबे पर्वत और संजय बागरी

जानकारी के अनुसार, मृत युवकों की पहचान पर्वत बागरी और संजय बागरी, निवासी माउंटआबू के रूप में हुई है। रविवार शाम को दोनों युवक आबूरोड पहुंचे थे और किवरली रपट के पास बनास नदी में नहाने उतर गए। अनुमान लगाया जा रहा है कि नदी की गहराई और उसमें पानी के घूमाव ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

चश्मदीदों ने बताया कि इनमें से एक युवक को तैरना आता था, जबकि दूसरा तैराकी में सक्षम नहीं था। आशंका जताई जा रही है कि जब दूसरा युवक डूबने लगा तो पहले वाले ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह खुद भी पानी के तेज बहाव में फंस गया।

घटना की जानकारी मिलते ही माउंटआबू आपदा प्रबंधन टीम के अलकेश गोयर और उनके साथियों सहित स्थानीय गोताखोर हरीश राणा (काबू), भरत कुमार (भीमा), करण राणा, हरीश पंचाल, राजकुमार राणा, जितेंद्रसिंह भाटी, तरुण भाई जमादार, मुकेश जमादार और पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जीतू राणा भी मौके पर पहुंचे। करीब रात 11 बजे पहला शव पानी से बाहर निकाला गया, जबकि दूसरा शव रात एक बजे रेस्क्यू टीम को मिला। रेस्क्यू ऑपरेशन में करीब 12 फीट गहराई वाले उस स्थान पर तलाश की गई जहां रपट के नीचे डाले गए नाले पानी के बहाव को घुमावदार बना रहे थे, जिससे स्थिति और भी खतरनाक हो गई थी।

पांच लुटेरों से भिड़ गई दादी

75 साल की उम्र में बदमाशों से ली टक्कर

पाली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। पाली के बगड़ी नगर में देर रात एक घर में लूटपाट की नीयत से घुसे लुटेरों को 75 साल की दादी से कड़ा संघर्ष करना पड़ा। दादी और लुटेरों की भिड़ंत में बुजुर्ग महिला ने एक बदमाश को पकड़ भी लिया, लेकिन उसके साथी छुड़ा ले गए। इस कड़े संघर्ष में लुटेरे दादी के पहने हुए आभूषण तो लूटने में सफल हो गए लेकिन घर के अंदर नहीं घुस पाए। इस दौरान बुजुर्ग महिला को भी कुछ चोट आई। लूटपाट की पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। पुलिस ने बताया कि कागों की ढीमड़ी बगड़ी निवासी अमृतादेवी सीरवी (75) पत्नी बोहराराम रात्रि एक बजे घर के हॉल में खाट पर सो रही थी। इस दौरान कुछ आवाज होने पर वह जागी तो पांच बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। लुटेरे वृद्धा के पहनी सोने की कंठी, सोने का टॉपस व अन्य आभूषण लूटना चाह रहे थे। इस दौरान वृद्धा ने लुटेरों से हाथापाई की। महिला ने एक लुटेरे को पकड़ भी लिया लेकिन उसका साथी आया और मारपीट कर उन्हें खाट से गिरा दिया।

हाई प्रोफाइल लोगों को हनी ट्रैप करने वाली महिला गिरफ्तार

अलवर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर जिले में पुलिस ने एक ऐसी महिला को गिरफ्तार किया है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से हनी ट्रैप का जाल बिछाकर हाई प्रोफाइल लोगों से लाखों रुपये ठग चुकी है। खुद को डॉक्टर बताकर लोगों को झांसे में लेने वाली इस महिला की पहचान तृषा खान के रूप में हुई है, जो मध्य प्रदेश के उज्जैन की रहने वाली है। महिला के खिलाफ राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और गुरुग्राम समेत कई शहरों में ठगी के गंभीर आरोप हैं।

डॉक्टर बनकर बनाती थी लोगों को शिकार

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तृषा खान खुद को डॉक्टर बताकर लोगों से लिफ्ट मांगती थी और बातचीत शुरू होने के बाद संपर्क बनाए रखती थी। फिर निजी संबंध बनाने की आड़ में उन्हें फंसाकर बलात्कार या छेड़छाड़ जैसे गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी देती थी। इसके बदले वह मोटी रकम वसूल करती और फिर शहर बदलकर फरार हो जाती।

हर शहर में बदलती थी नाम और पहचान

पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ है कि तृषा

खान हर शहर में अपना नाम और पहचान बदल देती थी, जिससे कोई उसके पुराने मामलों से उसे जोड़ न सके। उसने जयपुर के विभिन्न थानों में ही 14 मुकदमों को अंजाम दिया है। पुलिस का मानना है कि वह अब तक 50 से अधिक लोगों को अपना शिकार बना चुकी है और लाखों रुपये की ठगी कर चुकी है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तृषा खान फिलहाल गुरुग्राम के एक होटल बार में काम कर रही थी और वहीं से अगला हाई प्रोफाइल शिकार तलाश रही थी।

अलवर पुलिस को जैसे ही उसके मूवमेंट की जानकारी मिली, एक योजनाबद्ध कार्रवाई के तहत उसे रंगे हाथों 20 हजार रुपये की उगाही करते हुए गिरफ्तार किया गया।

महिलाओं के सम्मान और स्वाभिमान को सर्वोच्च प्राथमिकता : श्रीधर बाबू

मंत्री ने इंदिरा महिला शक्ति संबुरालु समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू, रंगारेड्डी जिले के शादनगर स्थित एक फंक्शन हॉल में आयोजित इंदिरा महिला शक्ति संबुरालु समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में विधायक वीरप्पल्ली शंकर, रंगारेड्डी जिला कलेक्टर नारायण रेड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए।

इस अवसर पर मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, तेलंगाना की जनता की सरकार महिलाओं के सम्मान और स्वाभिमान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। हम महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त जीवन जीने के लिए ईमानदारी से कई कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रहे हैं। इंदिरा महिला शक्ति संबुरालु एक ऐतिहासिक पहल है जिसका उद्देश्य तेलंगाना की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, उनकी नेतृत्व क्षमता को मज़बूत करना और महिला स्वयं सहायता समूहों को पुनर्जीवित करना है। हमारा महत्वाकांक्षी लक्ष्य: अगले पांच वर्षों में एक करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र और करोड़पति बनाना है। जहां हम राज्य की क्षतिग्रस्त अर्थव्यवस्था को पूरी लगन से सुधार रहे हैं, वहीं हम चुनाव से पहले किए गए हर वादे को पूरा करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। मैं नागरिकों से आग्रह करता हूं कि वे बीआरएस और भाजपा नेताओं द्वारा चलाए जा रहे दुष्प्रचार अभियानों के झांसे में न आएं। कांग्रेस पार्टी अपने वचन पर अडिग है-चाहे परिस्थिति कैसी भी हो।

उन्होंने कहा कि हमने महिला स्वयं सहायता समूहों को सालाना 20,000 करोड़ का ब्याज-मुक्त ऋण वितरित करने का एक साहसिक लक्ष्य रखा है-जो पांच वर्षों में कुल 1 लाख करोड़ होगा। पहले ही वर्ष में 21,000 करोड़ स्वीकृत किए जा चुके हैं। इंदिरा महिला शक्ति नीति के तहत, हमारा लक्ष्य 1 करोड़ महिलाओं को सफल उद्यमी बनाना है। हमने 17 प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की है और महिलाओं को औद्योगिक अग्रणी बनाने के लिए लक्षित वित्तीय और कौशल-आधारित सहायता प्रदान कर रहे हैं। सरकार ने महिलाओं के सम्मान को बनाए रखने के लिए उनके नाम पर 4.5 लाख इंदिराम्मा घरों को मंजूरी दी है। जो लोग पात्र हैं, लेकिन अभी तक उन्हें घर नहीं मिला है, उन्हें निराश नहीं होना चाहिए-हम यह सुनिश्चित करने की पूरी ज़िम्मेदारी लेते हैं कि कोई भी पात्र परिवार पीछे न छूटे। उन्होंने कहा कि 14 लाख महिलाएं प्रतिदिन टीएसआरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा कर रही हैं। अब तक, इस परिवर्तनकारी योजना से 200 करोड़ से ज़्यादा महिलाओं को व्यक्तिगत यात्राओं का लाभ मिला है।

मुफ़्त यात्रा के अलावा, हम महिलाओं को टीएसआरटीसी बसों के मालिक के रूप में भी बढ़ावा दे रहे हैं। अब तक, महिला समूहों के माध्यम से 150 बसें खरीदी और आरटीसी को वापस लीज़ पर दी जा चुकी हैं, और इस संख्या को बढ़ाकर 1,000 बसें करने की योजना है।

तेलंगाना को दरकिनार कर रहा है केंद्र, कांग्रेस सरकार पीछे हटने में विफल

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का तेलंगाना के साथ लगातार भेदभाव, कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार में भी जारी है, जैसा कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान भी हुआ था। इस बीच, एनडीए का सहयोगी आंध्र प्रदेश, दिल्ली के राजनीतिक पक्षपात का लाभ उठाता रहा है। पिछले केंद्रीय बजट में, केंद्र ने आंध्र प्रदेश के लिए 15,000 करोड़ रुपये मंजूर किए थे, जिसमें पोलावरम परियोजना और अमरावती राजधानी विकास के लिए धन शामिल था। आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने इन आवंटनों के लिए भाजपा सरकार का सार्वजनिक रूप से धन्यवाद किया। दूसरी ओर, तेलंगाना को नगण्य आवंटन प्राप्त हुआ।

मौजूदा केंद्रीय बजट में भी तेलंगाना को नज़रअंदाज़ किया गया। किसी भी बड़ी परियोजना को मंज़ूरी नहीं दी गई।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने पहले ही भाजपा सरकार और राज्य के आठ सांसदों पर तेलंगाना के हितों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया था।

साइबराबाद सीपीओ में चिकित्सा शिविर का आयोजित

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस, सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल (एससीएससी), ग्रेस कैंसर फाउंडेशन और प्रिस्टीन आई विजन फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से एक निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य निवारक स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना और साइबराबाद मुख्यालय में कर्मचारियों के समग्र स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना है। यह शिविर 22 से 25 जुलाई 2025 तक विशेष रूप से साइबराबाद पुलिस मोटर परिवहन अनुभाग के 685 कर्मियों के लिए आयोजित किया जाएगा। रक्त के नमूने सुबह 7:00 बजे से 9:00 बजे के बीच एकत्र किए जाएंगे, जबकि चार दिवसीय शिविर के दौरान सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक सामान्य स्वास्थ्य जांच की जाएगी। निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान की जाती है, जिसमें ऊंचाई, वजन, बीएमआई और रक्तचाप के माप के साथ-साथ मधुमेह, एफबीएस, लिपिड प्रोफाइल, थायरॉइड फंक्शन टेस्ट (टी3, टी4, टीएसएच), एचबीए1सी और सीरम क्रिएटिनिन जैसे विभिन्न रक्त परीक्षण शामिल हैं। नेत्र परीक्षण और कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) की जांच भी व्यापक मूल्यांकन का हिस्सा हैं। मूल्यांकन के आधार पर, उपयुक्त दवाएं सुझाई जा रही हैं और जहां भी आवश्यक हो, अस्पतालों में रेफर किया जा रहा है। यह चिकित्सा पहल पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति एससीएससी और उसके स्वास्थ्य सेवा सहयोगियों की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। संयुक्त पुलिस आयुक्त, साइबराबाद डॉ. गजराव भूपाल, ने शिविर का दौरा किया और संगठनों का धन्यवाद किया। चिकित्सा शिविर में अन्य प्रतिभागियों में सीएआर मुख्यालय एडीसीपी शमीर, सीएसडब्ल्यू एडीसीपी हनुमथ राव, एससीएससी सीईओ नावेद आलम ख़ान, एससीएससी हेल्थ फोरम के संयुक्त सचिव और ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के वैश्विक सीईओ डॉ. चिन्ना बाबू, एससीएससी स्वास्थ्य प्रबंधक प्रवीण उम्मदी, ग्रेस कैंसर फाउंडेशन और प्रिस्टिन आई विजन फाउंडेशन की टीमें अध्यक्ष डॉ. जगदीश रेड्डी, एमटीओ-आई प्रशांत बाबू, एमटीओ-द्वितीय वीरलिंगम उपस्थित रहे।

जेपीएचएस शराबियों के लिए रैन बसेरा में बदल गया

खम्मम, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम ज़िले के बाजुमलाईगुडेम स्थित ज़िला परिषद हाई स्कूल (जेडपीएचएस) के शिक्षकों को हर सुबह स्कूल की प्रार्थना के बजाय अपना दिन शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसके बजाय, उन्हें बची हुई शराब की बोतलें, केक के टुकड़े और परिसर में बिखरा कचरा साफ़ करना पड़ता है- जो एक और रात के अतिक्रमण के अवशेष हैं।

आर्थिक रूप से पिछड़े लगभग 80 छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान होने के बावजूद, यह स्कूल वस्तुतः असामाजिक गतिविधियों का अड्डा बन गया है। गांव की सीमा से बाहर स्थित और बिना किसी चारदीवारी के, स्कूल का मैदान स्थानीय युवाओं के लिए रात के समय शराब पीने, जन्मदिन मनाने और शरारतें करने का अड्डा बन गया है, जहां अधिकारियों की कोई निगरानी नहीं है।

चार दशक से भी पहले स्थापित यह स्कूल, सिंगरेनी मंडल का दूसरा हाई स्कूल है, जो वायरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यह सिंगरेनी, कामेपल्ली, एनकूर और जुलुरपाडु मंडलों के एक दर्जन से ज़्यादा गांवों के छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है। अब, जो पढ़ाई का स्थान होना चाहिए, वह स्कूल के बाद शराबियों का अड्डा बन गया है। प्रधानाध्यापक एम. वेणुमाधव राव ने कहा, लगता है कल रात स्कूल परिसर में जन्मदिन की पार्टी थी। हमें कक्षाएं शुरू करने से पहले बचे हुए केक के टुकड़े और कचरा साफ करना पड़ा। यह हमारे लिए लगभग रोज़मर्रा की बात हो गई है। पूर्व छात्र सुरेश ने बताया कि छात्राओं के लिए स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक हो गई है। उन्होंने कहा, स्कूल के समय में भी कुछ युवक मोटरसाइकिलों पर आते हैं, मोबाइल पर तेज़ आवाज़ में संगीत बजाते हैं और कक्षाओं में व्यवधान डालते हैं।

स्कूल की मुश्किलें और भी बढ़ जाती हैं, क्योंकि उसके बगीचे में उगाई गई सब्ज़ियां अक्सर चोरी हो जाती हैं, पानी के नल खराब हो गए हैं, और दो साल पहले बोरवेल से एक सबमर्सिबल पंप भी चोरी हो गया था। हालांकि पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। राव ने बताया कि परिसर में दीवार बनाने का प्रस्ताव बहुत पहले ही पेश किया जा चुका है, लेकिन कोई प्रगति नहीं हुई है।

अपराधियों पर ध्यान केंद्रित करेगी राजकीय रेलवे पुलिस

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) अधिकारी चोरों और सेंधमारों की गतिविधियों पर निगरानी रखने की योजना बना रहे हैं, जिन्हें पहले गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, लेकिन रिहा होने के बाद वे अपराध कर रहे हैं। वरिष्ठ जीआरपी अधिकारियों के निर्देश के आधार पर, कर्मचारी जेल में बंद रिमांड कैदियों और जमानत पर रिहा हुए कैदियों की पहचान करने के लिए पहले ही काम पर लग गए हैं। जानकारी के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में सिकंदराबाद ज़िले में चोरी और डकैती के आरोप में 149 चेन स्नैचर और 694 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कुछ जेल में हैं, जबकि कुछ ज़मानत पर रिहा हो गए हैं, जिससे पुलिस के लिए उनकी गतिविधियों पर नज़र रखना मुश्किल हो गया है।

सिकंदराबाद ज़िले में 12 रेलवे पुलिस स्टेशन और 17 चौकियां हैं। हाल ही में, ट्रेनों से यात्रियों के मोबाइल फ़ोन और सामान गायब होने की घटनाएं रेलवे अधिकारियों के लिए चिंता का विषय रही हैं।

वी.एस. अच्युतानंदन एक बेदाग नेता थे : बी.वी. राघवुलु

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। माकपा पोलित ब्यूरो सदस्य बी.वी. राघवुलु ने आज कहा कि केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी.एस. अच्युतानंदन देश की राजनीति में एक बेदाग नेता थे। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री का निधन पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके आदर्शों पर चलना और पार्टी को आगे बढ़ाना ही अच्युतानंदन को सच्ची श्रद्धांजलि है। सोमवार शाम को बी.वी. राघवुलु ने हैदराबाद स्थित माकपा राज्य कार्यालय में अच्युतानंदन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बाद में, उन्होंने याद किया कि अच्युतानंदन उन लोगों में से एक थे जिन्होंने माकपा पार्टी के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि वी.एस. उन 32 दिवंगत लोगों में से अंतिम थे। उन्होंने कहा कि वीएस एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने जीवन में चाहे कितने भी उतार-चढ़ाव क्यों न आए, वैचारिक और जन संघर्षों में कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि वीएस एक ऐसे नेता थे, जिन्होंने देश के कम्युनिस्ट आंदोलन के इतिहास में अपनी छाप छोड़ी और वे उन लोगों में से एक थे, जिन्होंने वैचारिक मुद्दों पर संशोधनवादी रुख पर सवाल उठाया और संघर्ष किया। उन्होंने याद किया कि वीएस ने 17 साल की उम्र में जन संघर्षों में भाग लिया था।

उन्होंने केरल में जमींदारी-विरोधी व्यवस्था के खिलाफ उन्ना प्रवालर संघर्ष में वीएस की भागीदारी को याद किया। उन्होंने याद किया कि वीएस ने केरल में गरीब लोगों को जमीनें वितरित की थीं और उन्हें 150 रुपये मूल्य के घर दिए थे। उन्होंने वीएस की एक महान व्यक्ति के रूप में प्रशंसा की, जिनका कम्युनिस्टों के साथ-साथ केरल के सभी दलों और सामाजिक वर्गों द्वारा सम्मान और प्रशंसा की जाती थी। उन्होंने कहा कि वीएस उन नेताओं में से एक थे, जिन्हें आपातकाल के दौरान कड़े प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने केरल में कम्युनिस्ट आंदोलन को कई असफलताओं के बावजूद आकार देने में वीएस की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वीएस ने कई प्रमुख नेताओं के साथ जो बीज बोए, वही केरल में पार्टी की मजबूती का कारण बने। उन्होंने कहा कि वीएस उन तीन-चार नेताओं में से एक थे, जिन्हें सुंदरैया की तरह केरल में पहचान मिली। उन्होंने कहा कि वीएस का निधन पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। सीपीआई(एम) के राज्य सचिव सदस्य टी. सागर, पी. प्रभाकर, बंडारू रविकुमार, पूर्व सांसद मीडियम बाबूराव, राज्य समिति सदस्य बाबूराव, स्काईलैब बाबू, आशाय्या, उदुथा रविंदर, वरिष्ठ नेता राजा राव, अरिबंडी प्रसाद राव, वनगुरु रामुलु और अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

एनएमडीसी लिमिटेड में अंतर उपक्रम हिंदी वाक् प्रतियोगिता

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी, हैदराबाद ने अंतर उपक्रम हिंदी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता हिंदीभाषी वर्ग के प्रतिभागियों के लिए अपशिष्ट प्रबंधन 'सामाजिक जिम्मेवारी एवं अन्य भाषा वर्ग के प्रतिभागियों के लिए समय प्रबंधन सफलता की कुंजी' विषय पर पृथक-पृथक रूप से आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 36 कार्मिकों ने भाग लिया।

रुद्र नाथ मिश्र, उप-महाप्रबंधक (राजभाषा) ने हिंदी अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। मिश्रा ने एनएमडीसी द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए उपलब्धियों एवं नगर और मंत्रालय स्तर के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर एनएमडीसी को प्राप्त हो रहे पुरस्कारों एवं सम्मानों की जानकारी दी।

प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नराकास (उपक्रम) के सदस्य सचिव राजनारायण अवस्थी ने अपने संबोधन में एनएमडीसी को हिंदी वाक् प्रतियोगिता के एवं नई पहलों की जानकारी दी। निर्णायक डॉ.वी. वेंकटेश्वर राव, सहायक महाप्रबंधक (रा.भा.) सेवानिवृत्त, केनरा बैंक एवं श्रीमती सीमा कुमारी, कार्यक्रम एग्जीक्यूटिव, ऑल इंडिया रेडियो, हैदराबाद ने प्रतियोगिता के आयोजन पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए विजेताओं के नामों की घोषणा की। इस अवसर पर पर्यवेक्षक के रूप में इंद्रजीत सिंह, मुख्य प्रबंधक, आरसीएफ, हैदराबाद भी उपस्थित रहे।

आहार सुधारिए, स्वास्थ्य स्वयं सुधरेगा : चन्द्रप्रभ जी

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत श्री चन्द्रप्रभ जी महाराज ने कहा कि स्वस्थ, प्रसन्न एवं मधुर जीवन का पहला पायदान है निरोगी काया। अगर व्यक्ति बीमार होने से पहले ही शरीर के प्रति जागरूक रहे तो वह हमेशा रोगों से बचा हुआ रहेगा। शरीर परमात्मा का मंदिर है। जिस ईट, चूने, पत्थर के मंदिर को हम बनाते हैं, उसकी तो हम पूरी हिफाजत करते हैं, वहां पर कोई गलत चीज नहीं चढ़ाते हैं और जिस शरीर रूपी मंदिर को परमात्मा ने स्वयं बनाया फिर उसमें हम गुटखा, जर्दा, शराब जैसी गलत चीजें क्यों चढ़ा देते हैं। अगर व्यक्ति शरीर का मंदिर की तरह ध्यान रखना शुरू कर दे तो उसे कभी डॉक्टरों की शरण में जाना नहीं पड़ेगा।

वे मंगलवार को नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में कैसा करें आहार कि कभी ना पड़े बीमार विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि शरीर को वीणा के तारों की तरह साधो ताकि उसके संगीत का पूरा रसास्वादन किया जा सके। शरीर को न अति तपाओ न अति खिलाओ वरन् मध्यम मार्ग का सिद्धान्त अपनाओ। उन्होंने कहा कि व्यक्ति स्वाद की बजाय स्वास्थ्य प्रधान भोजन करे। स्वादु भोजन अंततः बीमारी का कारण बनता है और सात्विक भोजन बीमारियों को दूर करता है। जहां गरिष्ठ भोजन करने वाला जल्दी काल का ग्रास बन जाता है वहीं सादा खाने वाले का काल भी कुछ बिगाड़ नहीं पाता है। उन्होंने राजसिक अर्थात् तेल, घी, मिठाई, मिर्च, मसालेदार भोजन और तामसिक अर्थात् दूषित, दुर्गंधित भोजन और मांसाहार से बचने की प्रेरणा दी।

अन्नदान करने की प्रेरणा देते हुए संतश्री ने कहा कि अगर पेट भरा हो तो इंसान को धर्म और ईमान सूझता है, मन भरा हो तो दर्शन और विज्ञान सूझता है, आत्मा-परमात्मा-नैतिकता की बातें बहुत अच्छी है, पर भूखे को तो भोजन में ही भगवान सूझता है। उन्होंने कहा कि अन्न प्राण है और साक्षात ब्रह्म है।

संतश्री ने कहा कि कुछ लोग खाने के लिए जीते हैं तो कुछ लोग जीने के लिए खाते हैं। जो ज्यादा खाते हैं वे कम जीते हैं जो कम खाते हैं वे ज्यादा जीते हैं। स्वाद के लिए खाना पाप है, जीने के लिए खाना बुद्धिमानी है और संयम जीवन जीने के लिए खाना साधना है।

अगर हम घर का बना हुआ खाना खाएंगे तो ज्यादा स्वस्थ रहेंगे और बाजार का खाएंगे तो पेट भी बर्बाद होगा और बीमारियां भी फ्री में आएंगी। अगर कोई रसोइयों के हाथों का खाना पांच दिन लगातार खा ले तो वह गारन्टेड बीमार पड़ेगा। हम हितकारी, सीमित और ऋतु अनुसार भोजन लें। मिठाइयां और तली हुई चीजों को सप्ताह में अधिकतम एक बार लें।

संतश्री ने कहा कि विटामिन ए आंखों के लिए, विटामिन बी मांसपेशी और पाचन तंत्र के लिए, विटामिन सी चर्म रोगों के लिए और विटामिन डी हड्डियों के लिए बेहद उपयोगी है। भोजन में हमें विटामिन, प्रोट्रीन, आयरन, मिनरल, कार्बोहाईट्रेड आदि सभी पर्याप्त मात्रा में मिल सके इसके लिए दूध, पालक, गाजर, आम, पपीता, टमाटर, हरी फलियां, पत्तेदार सब्जियां, गिरी, मटर, सेम, आलू, मूंग, चावल, बाजरा, गेहूं, ताजे फल, आंवला, मौसमी, नींबू, संतरा, गोभी और सूर्य किरणों का पर्याप्त रूप में सेवन करना चाहिए।

भोजन में आहार-शुद्धि के लिए घर में पीसे हुए मसालों का उपयोग करें, मौनपूर्वक भोजन करें, पेट में ओवरलोडिंग न करें और भूख से दो कौर कम खाएं, खिलाकर खाने की आदत डालें। जो दूसरों को खिलाकर खाते हैं उनके लिए भोजन भोजन नहीं रहता प्रभु का प्रसाद बन जाता है।

जब संतश्री ने अन्न का करो आधा, शाक-सब्जी को करो दुगुना, पानी पियो तिगुना और हँसी को करो चौगुना, का हेल्थ सिक्रेट बताया तो सभी लोगों को आनन्द आ गया।

इससे पूर्व डॉ. मुनि शांति प्रिय सागर महाराज ने नवकार महामंत्र का सामूहिक संगान करवाया और मिलता है सच्चा सुख केवल भगवान तुम्हारे चरणों में... यह विनती है पल-पल छीन-छीन रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में... भजन गुनगुनाया तो श्रद्धालु झूम उठे।

कार्यक्रम में संघ सरक्षक विमल नाहर, अध्यक्ष मोतीलाल भलघट, वाइस चेयरमैन उमेश बागरेचा, अध्यक्ष प्रदीप सुराना, कार्य अध्यक्ष अमित मुणोत, स्वागत अध्यक्ष पवन पांड्या, प्रधान संयोजक नवरतन मल गुंदेचा, महामंत्री अशोक कुमार नाहर, कोषाध्यक्ष मानक चंद पोखरणा महावीर भलगट विशेष रूप से उपस्थित थे।

जूठा खाना न छोडने का संकल्प

एग्जिबिशन ग्राउंड में चल रहे विराट सत्संग महाकुंभ में गुरुदेव श्री चन्द्रप्रभ जी महाराज साहब के प्रवचन से प्रभावित होकर हजारों लोगों ने खड़े होकर लिया कभी भी झूठा नहीं छोड़ने और खाना खाने के बाद झूठी थाली धोकर के रखने का संकल्प। पूरे हैदराबाद में चर्चा का विषय बना यह संकल्प। घर में ही नहीं बल्कि शादी समारोह, धार्मिक समारोह और प्रोग्राम में भी थाली धोकर के रखेंगे, श्रद्धालुओं के इस संकल्प की पूरे हैदराबाद में की जा रही भरपूर सराहना।

एसबीआई कृषि दर्शन और अन्य सीएसआर गतिविधियों को दिखाई हरी झंडी

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एसबीआई फाउंडेशन ने सोमवार को आईसीएआर-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईआरआर) में सतत चावल उत्पादन के लिए सीधे बीज वाले चावल (डीएसआर) को बढ़ावा देने हेतु अपनी सीएसआर परियोजना का शुभारंभ किया। फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक संजय प्रकाश ने इस परियोजना का औपचारिक शुभारंभ किया। इस परियोजना का उद्देश्य खम्मम और नलगोंडा जिलों में स्थायी चावल उत्पादन के लिए डीएसआर पद्धति को बढ़ावा देना और किसानों की आय में सुधार करना है। डीएसआर प्रशिक्षण गतिविधियों में सहयोग के लिए दो वाहनों, 'एसबीआई किसान सारथी' और 'एसबीआई कृषि दर्शन' को भी हरी झंडी दिखाई गई। जबकि किसान सारथी आईसीएआर-आईआईआरआर और केवीके में प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए किसानों को मुफ्त परिवहन प्रदान करता है, 'कृषि दर्शन' एक मोबाइल जागरूकता अभियान वाहन है जो ऑडियो-विजुअल सहायक सामग्री से सुसज्जित है और एक समर्पित प्रशिक्षक गांव-स्तरीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित करता है और मृदा परीक्षण किट सहायता प्रदान करता है।

इसके अलावा, इस परियोजना के अंतर्गत, आईसीएआर-आईआईआरआर हैदराबाद परिसर में प्रत्यक्ष बीज से चावल उत्पादन पर प्रशिक्षण एवं अनुसंधान हेतु स्वचालित मौसम सेंसर युक्त एक वर्षा आश्रय स्थल की स्थापना और उद्घाटन किया गया है। इस वर्षा आश्रय स्थल का उद्घाटन कृषि विज्ञान, रोग विज्ञान, मृदा विज्ञान आदि पर डीएसआर-संबंधित अनुसंधान आरंभ करने के लिए किया गया। यह परियोजना 500 किसानों को खेत-स्तरीय सहायता भी प्रदान करती है, जिसमें बीज समर्थन, कीट प्रबंधन, और फसलों की वास्तविक समय निगरानी के लिए खेतों में आईओटी-सक्षम वैकल्पिक गीलापन और सुखाने (एडब्ल्यूडी) सेंसर शामिल हैं। लगभग 10,000 किसानों को गाँवों और परिसरों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे डीएसआर को बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा मिलेगा और इस प्रकार पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए किसानों की आय में वृद्धि होगी। संजय प्रकाश ने कहा कि एसबीआई फाउंडेशन स्थायी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। आईसीएआर-आईआईआरआर के निदेशक डॉ. आरएम सुंदरम ने कहा कि सीधी बुवाई वाले चावल (डीएसआर) तकनीक में तेलंगाना में चावल उत्पादन में क्रांति लाने की क्षमता है। इस अवसर पर पीजेटीएयू के निदेशक विस्तार डॉ.एम याकाद्री, अटारी के निदेशक डॉ. शेख एन मीरा, कृषि विज्ञान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ.आर महेंद्र कुमार, मृदा विज्ञान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एमबीबी प्रसाद बाबू और विभिन्न अन्य हितधारक उपस्थित थे।

एक व्यक्ति ने फर्जी ऐप डाउनलोड कर गंवाए 1.72 लाख रुपये

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के एक 34 वर्षीय निवासी ने साइबर धोखाधड़ी में 1.72 लाख रुपये गंवा दिए, कथित तौर पर एक आधिकारिक परिवहन विभाग ऐप के रूप में प्रच्छन्न एक दुर्भावनापूर्ण मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करने के बाद। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसे एक व्हाट्सएप संदेश मिला जिसमें एक दुर्भावनापूर्ण फ़ाइल थी। उसे असली ऐप समझकर उसने उसे डाउनलोड कर लिया, जिससे उसका डेटा लीक हो गया। इसके तुरंत बाद, उन्हें अपने बैंक खाते से अवैध निकासी के अलर्ट मिलने लगे। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

हंगामे की भेंट ...

और दूसरी ओर खुद ही बहस नहीं होने दे रहे हैं। यह दोहरा मापदंड है। उन्होंने कहा कि सोमवार को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में तय हुआ था कि पहले 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा होगी। सरकार की ओर से कहा गया कि वह हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष खुद ही संसद का समय बर्बाद कर रहा है।

लोकसभा के साथ-साथ विपक्ष की तरफ से राज्यसभा में जोरदार हंगामा किया गया। इस दौरान विपक्ष के सदस्यों ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जमकर हंगामा किया। जिसकी वजह से आज पूरे दिन राज्यसभा में कोई भी काम नहीं हो सका। जैसे ही सदन की कार्यवाही सुबह शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्षी सदस्य बिहार में एसआईआर, पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में चर्चा की मांग कर रहे थे।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने पहले दो बार सदन को स्थगित किया और आखिरकार दोपहर दो बजे के बाद सदन को पूरे दिन के लिए स्थगित करना पड़ा।

इससे पहले सीपीआई सांसद पी. संतोश कुमार ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अप्रत्याशित और असामान्य इस्तीफे पर भी चर्चा की मांग की थी। हालांकि, सभी 12 स्थगन प्रस्तावों को नियम 267 के तहत खारिज कर दिया गया।

दोपहर 12 बजे प्रश्नकाल के दौरान भी हंगामा जारी रहा और घनश्याम तिवारी, जो उस समय पीठासीन अधिकारी थे, ने सदन को दो बजे तक स्थगित कर दिया। इसी दौरान गृह मंत्रालय की अधिसूचना के जरिए जगदीप धनखड़ के तत्काल प्रभाव से इस्तीफे की जानकारी भी दी गई।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ...

इस बैठक में सदन के नेता जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू समेत ज़्यादातर सदस्य मौजूद थे। थोड़ी देर की चर्चा के बाद तय हुआ कि समिति की अगली बैठक शाम 4:30 बजे फिर से होगी।

शाम 4:30 बजे धनखड़ जी की अध्यक्षता में समिति के सदस्य दोबारा बैठक के लिए इकट्ठा हुए। सभी नड्डा और रिजिजू का इंतज़ार करते रहे, लेकिन वे नहीं आए। सबसे हैरानी की बात यह थी कि धनखड़ जी को व्यक्तिगत रूप से यह नहीं बताया गया कि दोनों मंत्री बैठक में नहीं आएंगे। स्वाभाविक रूप से उन्हें इस बात का बुरा लगा और उन्होंने बीएसी की अगली बैठक आज दोपहर 1 बजे के लिए टाल दी। इससे साफ है कि कल दोपहर 1 बजे से लेकर शाम 4:30 बजे के बीच जरूर कुछ गंभीर बात हुई है, जिसकी वजह से जेपी नड्डा और किरेन रिजिजू ने जानबूझकर शाम की बैठक में हिस्सा नहीं लिया।

अब एक बेहद चौंकाने वाला कदम उठाते हुए, श्री जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इसकी वजह अपनी सेहत को बताया है। हमें इसका मान रखना चाहिए। लेकिन सच्चाई यह भी है कि इसके पीछे कुछ और गहरे कारण हैं। श्री जगदीप धनखड़ का इस्तीफा उनके बारे में बहुत कुछ कहता है। साथ ही, यह उन लोगों की नीयत पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है, जिन्होंने उन्हें उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

याचिका में विशेष रूप से कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट), और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का नाम लिया गया था। याचिकाकर्ता ने इसे 1971 के राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम का उल्लंघन बताया था।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा, वे ऐसा कब से कर रहे हैं? कुछ दल तो यह काम स्वतंत्रता के समय से ही कर रहे हैं। इसके साथ ही अदालत ने याचिका खारिज कर दी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मैनचेस्टर टेस्ट की प्लेइंग-11 में 2 बदलाव करेगी टीम इंडिया

टॉप ऑर्डर में करुण नायर की जगह तय नहीं, मिडिल ऑर्डर में जुरेल की वापसी संभव

मैनचेस्टर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट की प्लेइंग-11 में टीम इंडिया कम से कम 2 बदलाव तो जरूर करेगी। लॉर्ड्स टेस्ट खेलने वाले आकाशदीप और नीतीश कुमार रेड्डी इंजर्ड हो गए हैं। ऐसे में दोनों प्लेइंग-11 से बाहर होंगे। उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दूल ठाकुर और अंशुल कम्बोज में से किन्हीं 2 प्लेयर्स को मौका मिल सकता है।

मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में चौथा टेस्ट 23 जुलाई को दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा। इंग्लैंड ने पहला और तीसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। भारत ने दूसरा मुकाबला जीता था।

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ही चौथे टेस्ट में भी ओपनिंग करते नजर आएंगे। राहुल सीरीज में 2 सेंचुरी लगा चुके हैं, उन्होंने लॉर्ड्स में भी शतक लगाया था। वहीं यशस्वी के नाम भी सीरीज में एक सेंचुरी है। हालांकि, नंबर-3 पोजिशन पर खेलने वाले करुण नायर बाहर हो सकते हैं।

नायर सीरीज की 6 पारियों में एक फिफ्टी तक नहीं लगा सके। उनका बेस्ट स्कोर 40 रन है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट को फैसला लेना है कि उन्हें एक और मौका दिया जाए या नहीं। अगर करुण को बाहर किया गया तो साई सुदर्शन या ध्रुव जुरेल को मौका मिल सकता है। सुदर्शन ने पहला टेस्ट खेला था, लेकिन बाकी 2 मुकाबलों में उन्हें बाहर बैठाया गया। वहीं जुरेल ने पिछले मुकाबले में ऋषभ पंत के इंजर्ड होने के बाद विकेटकीपिंग की थी।

ऋषभ पंत लॉर्ड्स टेस्ट में विकेटकीपिंग करने के दौरान इंजर्ड हो गए थे। ऐसे में वे चौथे टेस्ट में विकेटकीपर की भूमिका नहीं निभा पाएंगे। कप्तान शुभमन गिल नंबर-4 और पंत नंबर-5 पर बैटिंग करते हैं। नंबर-6 पोजिशन पर पिछले मुकाबले में रवींद्र जडेजा को मौका मिला था।

हालांकि, पंत अगर विकेटकीपिंग नहीं कर सके तो ध्रुव जुरेल को बतौर विकेटकीपर प्लेइंग-11 में मौका देना पड़ सकता है। अगर उन्हें खिलाया गया तो नायर को बाहर बैठाया जा सकता है। इस कंडीशन में नंबर-3 पर वॉशिंगटन सुंदर या जुरेल में से किसी एक को मौका मिलेगा।

नीतीश कुमार रेड्डी ने लॉर्ड्स टेस्ट में अपनी बॉलिंग से प्रभावित किया था। उनकी ऑलराउंड स्किल को देखते हुए उन्हें चौथे टेस्ट में भी मौका जरूर मिलता। हालांकि, वे घुटने में इंजरी के कारण बाहर हो गए। उनकी जगह अब ऑलराउंडर शार्दूल ठाकुर या स्पिनर कुलदीप यादव में से किसी एक को मौका मिल सकता है। शार्दूल ने सीरीज का पहला मुकाबला खेला था, वहीं कुलदीप अब तक एक भी मैच नहीं खेल सके।

रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर के रूप में टीम के पास 2 ऑलराउंडर पहले से हैं। जडेजा सीरीज में लगातार 4 फिफ्टी लगा चुके हैं। वहीं सुंदर ने पिछले टेस्ट की दूसरी पारी में 4 विकेट लेकर इंग्लैंड को 200 रन के अंदर समेट दिया था। सुंदर ने सीरीज में नंबर-8 पर बैटिंग की, लेकिन नायर को बाहर किया गया तो वे नंबर-3 पर भी उतर सकते हैं।

सीरीज के दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले आकाशदीप तीसरे टेस्ट के दौरान ही इंजरी से जूझ रहे थे। प्रैक्टिस के दौरान उनकी चोट बढ़ गई, जिस कारण वे सीरीज से लगभग बाहर हो गए। उनकी जगह अब टीम में प्रसिद्ध कृष्णा या अंशुल कम्बोज को मौका मिल सकता है। प्रसिद्ध ने सीरीज में 2 टेस्ट खेले, वहीं कम्बोज अब तक डेब्यू नहीं कर सके।

बीसीसीआई नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल के दायरे में आएगा

आज संसद में बिल पेश होगा; बोर्ड के पूर्व सेक्रेटरी बोले- इसकी जरूरत नहीं

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल के दायरे में आएगा। यह बिल बुधवार को संसद में पेश किया जाएगा।

खेल मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से लिखा- 'जब यह बिल कानून बन जाएगा तब बीसीसीआई को वैसे ही इसका पालन करना पड़ेगा, जैसे बाकी राष्ट्रीय खेल महासंघ देश के कानूनों का पालन करते हैं।'

क्रिकेट के 2028 के लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में शामिल होने से बीसीसीआई अब ओलिंपिक मूवमेंट का हिस्सा बन चुका है। यह बिल खेल संगठनों में समय पर चुनाव, प्रशासनिक जवाबदेही और खिलाड़ियों की भलाई तय करने के लिए एक मजबूत स्ट्रक्चर बनाने के लिए लाया जा रहा है।

टाईब्रेकर में जीत से दिव्या शतरंज विश्वकप के सेमीफाइनल में

हमवतन हरिका को दी मात

बटुमी, 22 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख ने शतरंज विश्वकप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। उन्होंने टाईब्रेकर में हमवतन द्रोणावल्ली हरिका को हराया। 19 साल की दिव्या ने टाईब्रेकर की पहली बाजी सफेद मोहरों से, जबकि दूसरी बाजी काले मोहरों से जीतीं। दोनों के बीच क्लासिकल प्रारूप की बाजियां बराबरी पर छूटी थीं। दिव्या पहली बार विश्वकप में खेल रही हैं। दिव्या से पहले 37 वर्षीय कोनेरू हंपी भी सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। दिव्या की सेमीफाइनल में चीन की तान जोंगयी से और हंपी की चीन की ही ली टिंग जी से टक्कर होगी।

शीर्ष तीन को मिलेगा कैंडिडेट्स का टिकट

यह पहली बार है जब दो भारतीय खिलाड़ियों ने विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। हंपी और दिव्या के पास कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने का बेहतरीन मौका है। शीर्ष तीन खिलाड़ियों को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में प्रवेश मिलना है। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का विजेता विश्व चैंपियन को चुनौती देता है। हरिका के पास दूसरे गेम में वापसी का मौका था, पर उन्हें मुकाबला गंवाना पड़ा। हरिका ने जैसे ही दिव्या से हाथ मिलाया, वह भावुक हो गईं। उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि वह सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं।

पुरुषों का विश्वकप भारत में शतरंज की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संस्था फिडे ने पुरुषों के विश्वकप की घोषणा कर दी है। यह विश्वकप 30 अक्तूबर से 27 नवंबर तक भारत में आयोजित किया जाएगा। अभी विश्वकप के आयोजन स्थल की घोषणा नहीं हुई है। इस टूर्नामेंट में कुल 206 शतरंज खिलाड़ी खेलेंगे। इससे पहले भारत ने 2002 में हैदराबाद में विश्वकप की मेजबानी की थी, जिसे आनंद ने जीता था।

पाकिस्तान के साथ मैच खेलने पर मोहम्मद सिराज की दो टूक

सिर्फ 6 शब्दों में दिया करारा जवाब

मैनचेस्टर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स के दूसरे सीजन में मुकाबला रद्द होने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट की टक्कर फिर से चर्चा में है. 20 जुलाई को बर्मिंघम में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला डब्ल्यूसीएल मैच रद्द हुआ तो 21 जुलाई को मैनचेस्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज से उस पर सवाल भी कर लिया गया. सिराज से जितना सीधा सवाल हुआ, उसका उतना ही सटीक उन्होंने जवाब भी दे दिया. सिराज से सवाल था कि क्या पाकिस्तान से भारत को मैच खेलना चाहिए? मोहम्मद सिराज प्रेस कॉन्फ्रेंस में मैनचेस्टर टेस्ट से जुड़े सवालों का जवाब देने आए थे. ऐसे में उन्होंने शायद ही सोचा होगा कि उन्हें एक ऐसे सवाल के बाउंसर का भी सामना करना पड़ेगा. लेकिन, जब वो बाउंसर आया तो उन्होंने उसे हैंडल भी बहुत अच्छे से किया. सिराज ने पाकिस्तान से मैच खेलने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब सिर्फ 6 शब्दों में दिया. अब सवाल है कि मोहम्मद सिराज ने कहा क्या है? मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट से पहले किए प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिराज से पूछा गया कि पाकिस्तान से मैच खेलना चाहिए या नहीं? उन्हें ये भी जानकारी दी गई कि डब्ल्यूसीएल में भारत-पाक मैच रद्द हो गया क्योंकि 5 भारतीय खिलाड़ियों ने अपने नाम वापस ले लिए थे? सिराज ने इन सारे सवालों को सुनते हुए बस इतना कहा कि- मुझे नहीं पता, मैं क्या बोलूं?

टीम इंडिया की गेंदबाजी लाइन-अप की मोहम्मद सिराज मजबूत कड़ी हैं. इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में वो सबसे सफल गेंदबाज हैं. उन्होंने अब तक खेले 3 टेस्ट में 32 की औसत से 6 पारियों में 13 विकेट चटकाए हैं. सिराज से ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद मैनचेस्टर में खेले जाने वाले चौथे टेस्ट में भी रहेगी, जहां भारत के लिए जीत बेहद जरूरी हैं. इंग्लैंड से 5 टेस्ट की सीरीज में भारतीय टीम फिलहाल 1-2 से पीछे हैं.

नहीं सुलझ रही नंबर-3 की समस्या

इस पोजीशन पर 7 देशों का बैटिंग औसत टीम इंडिया से बेहतर

खेल डेस्क, 22 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन किया है। सीरीज में अब तक खेले गए सभी तीन मैचों में टीम इंडिया ज्यादातर समय मेजबान टीम से आगे रही है। इसमें सबसे अहम योगदान हमारी बल्लेबाजी का रहा है, जिसने इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में खूब रन बनाए हैं।

बावजूद इसके तीन मैचों के बाद भारत सीरीज में 1-2 से पिछड़ रहा है। इस बीच, भारतीय टीम की सबसे बड़ी समस्या नंबर-3 पर बल्लेबाजी रही है। इस दौरे पर नंबर-3 के बैटर को छोड़कर भारत के टॉप-7 बैटिंग पोजीशन पर कम से कम एक अर्धशतक है। टेस्ट क्रिकेट में नंबर-3 बैटर का योगदान इसलिए अहम हो जाता है क्योंकि इसी पोजीशन पर जीत में सर्वाधिक 399 शतक लगे हैं।

इंग्लैंड दौरे पर नंबर-3 पर करुण नायर और साई सुदर्शन

इंग्लैंड दौरे पर भारत के लिए साई सुदर्शन और करुण नायर ने इस पोजीशन पर बल्लेबाजी की है। लेकिन दोनों ही बैटर फ्लॉप साबित हुए और कोई भी बैटर एक भी बार 40 का आंकड़ा पार नहीं कर सका है।

हालांकि, नंबर-3 बैटर की समस्या भारत के लिए कोई नई बात नहीं है। इस दशक की शुरुआत से यानी कि 2020 से हमारे नंबर-3 बैटर का औसत दुनिया में आठवें नंबर पर है। पिछले पांच सालों में हमने इस पोजीशन पर 11 बल्लेबाजों को आजमाया है। लेकिन 52 मैचों में उन्होंने 30.83 की औसत से रन बनाए हैं। इस मामले में हम सिर्फ बांग्लादेश, जिम्बाब्वे, आयरलैंड और वेस्टइंडीज से बेहतर हैं।

भारत के नंबर-3 करुण नायर ने करियर के 9 टेस्ट में 505 रन बनाए हैं। 303 रन एक ही पारी में आए थे। पुजारा की जगह लेने की कोशिश में लगे करुण करियर में सिर्फ 2 बार 40+ तक पहुंचे हैं। उनके इन दो 40+ स्कोर के बीच में पुजारा ने 3939 टेस्ट रन बनाए हैं।

इंग्लैंड दौरे पर नंबर-3 पोजीशन पर बल्लेबाजी करने वाले करुण नायर और साई सुदर्शन दोनों बैटर फ्लॉप साबित रहे हैं। सीरीज के पहले मैच में सुदर्शन ने अपना टेस्ट डेब्यू किया था, लेकिन वे पहली पारी में शून्य और दूसरी पारी में 30 रन बना सके।

उन्हें सिर्फ एक मौके के बाद टीम से ड्रॉप कर दिया गया। इसके बाद अगले दो मुकाबलों में करुण ने इस पोजीशन की जिम्मेदारी संभाली। लेकिन वह भी चार पारियों में सिर्फ 111 रन बना सके। इस सीरीज में हमारे टॉप-7 बैटर्स में नंबर-3 का औसत सबसे खराब 23.5 का रहा है।

द्रविड़ के बाद पुजारा ने उठाया जिम्मा, लेकिन उनके बाद कौन?

इस सदी में टेस्ट के 2 सबसे बेहतरीन बैटर्स ने टीम इंडिया में नंबर-3 की जिम्मेदारी निभाई। ये दोनों बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा रहे। इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा किसी ने भी इस पोजीशन पर 50 टेस्ट मैच नहीं खेले।

चाइना ओपन में प्रणय जापानी खिलाड़ी को हराकर प्री-क्वार्टर में पहुंचे

पहला गेम हारने के बाद वापसी की; लक्ष्य को चीनी खिलाड़ी ने हराया

चांगझोउ, 22 जुलाई (एजेंसियां)। चांगझोउ में खेले गए चाइना ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के एचएस प्रणय ने मेंस सिंगल्स में शानदार शुरुआत की।

उन्होंने जापान के कोकी वतनबे को 8-21, 21-16, 23-21 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जबकि लक्ष्य सेन टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उन्हें चीनी खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा।

पहला गेम हारने के बाद प्रणय ने वापसी की

पहला गेम 8-21 से गंवाने के बाद प्रणय ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और इसे 21-16 से जीता। तीसरे और निर्णायक गेम में वे 1-7 और फिर 13-20 से पीछे थे, लेकिन शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कोर 20-20 पर बराबर किया और अंत में 23-21 से गेम और मैच अपने नाम किया।

लक्ष्य आखिरी दो गेम हारे

लक्ष्य सेन पहले ही राउंड में चीनी खिलाड़ी ली शिफेंग से हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। लक्ष्य पहला गेम 21-14 से जीतने के बाद लगातार दो गेमों में 22-24 और 11-21 से हारे।

अनुपमा उपाध्याय को मिली हार

विमेंस सिंगल्स में भारत की अनुपमा उपाध्याय को चीनी खिलाड़ी लिन हिसयांग-ति के खिलाफ 23-21, 11-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। अनुपमा पहले गेम में कड़ी टक्कर देने में सफल रहीं, लेकिन दूसरे और तीसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने उन्हें आसानी से हरा दिया।

मिक्स्ड डबल्स में पहले ही दौर में बाहर

मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर-रुत्विका गद्दे और अशिथ सूर्य-अमृता प्रमुथेश की जोड़ियां पहले ही राउंड में बाहर हो गए हैं।

सिंधु, लक्ष्य और अन्य भारतीय खिलाड़ी भी मैदान में

चाइना ओपन में भारत की ओर से पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और पुरुष डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की जोड़ी भी हिस्सा ले रही है। महिला डबल्स में भारत की अमृता प्रमुथेश-सोनाली सिंह, कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंघी और रुतपर्णा पांडा-स्वेतपर्णा पांडा की जोड़ियां प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

इंग्लैंड से मैनचेस्टर टेस्ट खेलेंगे स्पिनर लियम डॉसन

इंजर्ड शोएब बशीर की जगह मिली; इंग्लैंड प्लेइंग-11 में और कोई बदलाव नहीं

मैनचेस्टर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के मैनचेस्टर टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 रिलीज कर दी है। टीम में एक ही बदलाव हुआ। इंजर्ड स्पिनर शोएब बशीर की जगह लेफ्ट आर्म स्पिनर लियम डॉसन को मौका मिला। बाकी 10 प्लेयर्स वही हैं, जो लॉर्ड्स टेस्ट में खेले थे। 5 टेस्ट की सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है। टीम ने पहला और तीसरा टेस्ट जीता था। भारत ने बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट जीता। चौथा टेस्ट जीतकर टीम इंडिया सीरीज को 2-2 से बराबर कर सकती है। पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के द ओवल स्टेडियम में होगा। चौथा टेस्ट 23 जुलाई से खेला जाएगा।

8 साल बाद टेस्ट खेलेंगे डॉसन

लियम डॉसन 8 साल बाद इंग्लैंड के लिए टेस्ट मैच खेलते नजर आएंगे। इससे पहले 2017 में उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ नॉटिंघम में आखिरी टेस्ट खेला था। उन्होंने 2016 में चेन्नई के मैदान पर भारत के खिलाफ ही टेस्ट डेब्यू किया था। डॉसन प्लेइंग-11 में ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की जगह लेंगे। जो लॉर्ड्स टेस्ट में बॉलिंग के दौरान पहली पारी में इंजर्ड हो गए थे। वे रवींद्र जडेजा को बॉलिंग कर रहे थे, जडेजा ने सामने की ओर शॉट खेला। बशीर ने गेंद रोकने की कोशिश की, लेकिन अपना बायां हाथ इंजर्ड कर बैठे। वे फिर पारी में दोबारा बॉलिंग नहीं कर सके।

बशीर दूसरी पारी में बॉलिंग करने उतरे। उन्होंने ही मोहम्मद सिराज के रूप में भारत का 10वां विकेट लेकर इंग्लैंड को 22 रन के अंतर से करीबी जीत दिलाई थी। मुकाबले के बाद मेडिकल टीम ने उन्हें सीरीज से बाहर होने की सलाह दी। जिसके बाद डॉसन को स्क्वॉड में जगह मिली।

लियम डॉसन के नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 371 विकेट हैं। 2021 के बाद से वे 12 बार पारी में 5-विकेट ले चुके हैं। जिनमें 3 बार मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है।

दिल्ली सरकार का बड़ा एलान

ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले को अब मिलेंगे सात करोड़ रुपये साथ में नौकरी भी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ऐतिहासिक फैसला लिया है। दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने जानकारी दी है कि ओलंपिक में जीतने वाले विजेताओं को सरकार की ओर से कैश रिवॉर्ड को बढ़ा दिया गया है।

मंत्री आशीष सूद ने बताया कि ओलंपिक गेम्स में गोल्ड जीतने वाल खिलाड़ी को सात करोड़ रुपये, सिल्वर मेडल जीतने वालों को पांच करोड़ रुपये और ब्रॉन्ज मेडल जीतने वालों को तीन करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

आगे कहा कि ओलंपिक गेम्स में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतने वालों को ग्रुप ए की नौकरी और ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को ग्रुप बी की नौकरी दिल्ली सरकार की ओर से दी जाएगी।

जानकारी के लिए बता दें पहले दिल्ली सरकार की ओर से ओलंपिक और पैरा-ओलंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को तीन करोड़, दो करोड़ और एक करोड़ रुपये दिए जाते थे। लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में प्रोत्साहन राशि को बढ़ा दिया गया है।

सोलन की निधि ठाकुर ने 800 मीटर दौड़ व सिरमौर की दीक्षिता ने किक बॉक्सिंग में जीता स्वर्ण

पटना, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सोलन जिले की निधि ठाकुर ने बिहार के पटना में राष्ट्रीय स्तर की ओपन एथलेटिक्स मीट में गोल्ड मेडल हासिल किया है। निधि ने 800 मीटर की दौड़ में सफलता हासिल की। बीते एक वर्ष से निधि ऊना में खेल विभाग के कोच राकेश चौधरी के पास प्रशिक्षण हासिल कर रही हैं। ऊना कॉलेज में एमए अंग्रेजी की द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। निधि इससे पहले बिलासपुर में भी राकेश चौधरी से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं थी। उनका तबादला यहां होने के बाद से वह अपने उम्दा प्रदर्शन को जारी नहीं रख पाईं। आखिरकार बीते वर्ष निधि यहां ऊना आकर फिर से कोच राकेश से प्रशिक्षण पाकर कड़ी मेहनत में जुट गई। अब राष्ट्रीय स्तर की ओपन प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किया। निधि सोलन के अर्की तहसील के गांव खनोल की रहने वाली हैं, उनके पिता जतिंदर ठाकुर पेशे से चालक हैं माता सुनीता ठाकुर हैं।

सिरमौर की दीक्षिता को स्वर्ण, किक बॉक्सिंग में अब देश के लिए खेलेंगी

वहीं छत्तीसगढ़ में हुई राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में दीक्षिता चौहान ने गोल्ड मेडल जीता है। उनका चयन आबूधाबी में नवंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए हुआ है। मूल रूप से टिक्कर डिसवानी निवासी दीक्षिता चौहान ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया है।

भारतीय घुड़सवार अनुष अग्रवाल ने ड्रेसेज स्पर्धा जीती

पिया दूसरे और कथरीना तीसरे स्थान पर

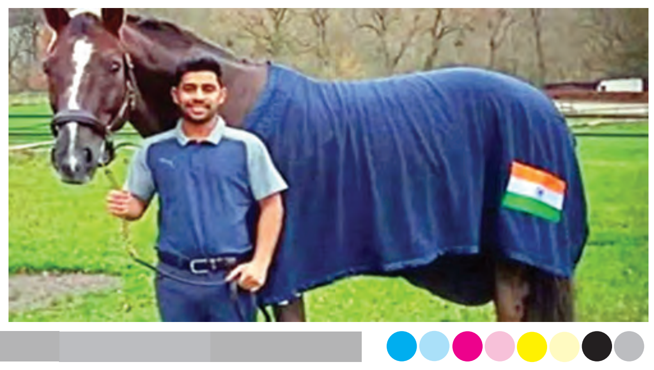

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के अनुष अग्रवाला ने अपने घोड़े फ्लोरियाना के साथ जुबिलमस्टर्नियर हॉफगेइसमर ओपन के ड्रेसेज स्पर्धा में अपनी पहली जीत दर्ज की। अग्रवाला पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने 69.891 प्रतिशत अंकों के प्रभावशाली स्कोर के साथ छह खिलाड़ियों में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसमें बाकी के अन्य प्रतियोगी जर्मनी के थे। पिया पियोट्रोव्स्की और कथरीना हेमर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। यह जीत इस जोड़ी के लिए 'एस' स्तर पर पहली सफलता है। अग्रवाला और सात साल की उनके घोड़े की यह एक साथ सिर्फ दूसरी प्रतियोगिता थी। अग्रवाला ने कहा, फ्लोरियाना के लिए यह तो बस शुरुआत है। मैं भविष्य को लेकर उत्साहित हूं।

सिनर और जोकोविच के बाद अल्कारेज भी टोरंटो मास्टर्स से हटे

टोरंटो, 22 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने टोरंटो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन की तैयारियों से पहले इस एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में अल्कारेज के नहीं खेलने से इसकी चमक फीकी पड़ गई है। अल्कारेज पहले ऐसे खिलाड़ी नहीं है जिन्होंने इस टूर्नामेंट से नाम वापस लिया है।

अल्कारेज से पहले दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और पांचवें नंबर के खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने अगले सप्ताह शुरू होने वाली इस हार्ड कोर्ट प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया था। पांच बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन अल्कारेज विंबलडन के फाइनल में सिनर से हार गए थे और इस तरह से ऑल इंग्लैंड क्लब में लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूक गए थे।

अल्कारेज ने बताया कि उन्होंने थकान के कारण टोरंटो मास्टर्स से हटने का फैसला किया है। अल्कारेज ने कहा, मैं अभी विंबलडन की थकान से उबर रहा हूं और इस कारण टोरंटो मास्टर्स में भाग नहीं ले पाऊंगा।

सूर्यापेट में बड़े पैमाने पर सोने की चोरी

गिरोह का पता लगाने के लिए विशेष टीमें तैनात

सूर्यापेट, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोने की एक बड़ी चोरी में, अज्ञात चोरों ने 20 जुलाई की तड़के सूर्यापेट में एमजी रोड पर साई संतोषी ज्वैलर्स से 18 किलोग्राम सोना और लगभग 22 लाख रुपये लूट लिए। इस सुनियोजित चोरी ने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया है। पुलिस के अनुसार, चोर इमारत के पिछले हिस्से में बने बाथरूम से ज्वेलरी स्टोर में घुसे। गैस कटर की मदद से उन्होंने लोहे के शटर और अन्य सुरक्षा परतों को काटकर उस स्टोरेज एरिया तक पहुंच गए जहां कीमती सामान रखा हुआ था।

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि इसमें किसी पेशेवर गिरोह का हाथ है। घटनास्थल का निरीक्षण करने वाले सूर्यपेट के पुलिस अधीक्षक के. नरसिम्हा ने बताया कि चोरों ने रविवार आधी रात के बाद वारदात को अंजाम दिया और उन्होंने पहले से ही परिसर का मुआयना कर लिया था। पुलिस ने बताया कि संदिग्धों ने आभूषण की दुकान के पास एक मकान किराए पर लिया था और पिछले दो महीनों से वहीं रह रहे थे, संभवतः दुकान की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए। शुरूआती सुरागों के आधार पर, जांचकर्ताओं को शक है कि गिरोह के तार उत्तर प्रदेश से जुड़े हो सकते हैं। अपराधियों का पता लगाने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

किसानों को असुविधा होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी

इंदिराम्मा आवासों के निर्माण में गरीबों को कोई समस्या न हो मंत्री ने जिला कलेक्टरों की वीडियो कॉन्फ्रेंस में दिए निर्देश

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना की जनता के विचार, आकांक्षाओं के अनुरूप, जिला कलेक्टरों की जिम्मेदारी है कि वे इंदिराम्मा आवासों के निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तैयार किए गए भू-भारती अधिनियम का कड़ाई से पालन करें। मंगलवार को, मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव के साथ डॉ.बी.आर. अंबेडकर सचिवालय स्थित मुख्य सचिव कार्यालय से जिला कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि भूमि संबंधी मुद्दों को सुलझाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा लाए गए अद्भुत भूमि भारत अधिनियम के परिणाम आम लोगों को तभी मिलेंगे जब इसे सख्ती से लागू किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तीन चरणों में आयोजित राजस्व बैठकों में प्राप्त आवेदनों के समाधान में आम लोगों, खासकर किसानों को असुविधा हुई तो सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि ऐसा दोबारा न हो क्योंकि ऐसी जानकारी है कि कुछ अधिकारी क्षेत्र स्तर पर किसानों को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व बैठकों में 8.65 लाख आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से लगभग 6 लाख आवेदन मुख्य रूप से साधारण शीर्षक विलेख, सर्वेक्षण संख्या गुम, आवंटित भूमि, आवंटित भूमि नियमितीकरण और उत्तराधिकार के लिए प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि इन्हें पांच श्रेणियों में विभाजित किया जाना चाहिए और प्रत्येक आवेदन की गहन जांच की जानी चाहिए तथा 15 अगस्त तक यथासंभव समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि साधारण स्वामित्व विलेखों का मामला वर्तमान में न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में है, और न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा किए बिना आवेदनों की जांच की जानी चाहिए और समाधान हेतु तैयारी की जानी चाहिए। कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस महीने की 30 तारीख तक जिलों में आवंटित भूमि और लाभार्थियों का विवरण सरकार को भेजें। उन्होंने सलाह दी कि आवेदकों की संख्या कम करने के लिए मनमाने ढंग से आवेदनों को अस्वीकार न किया जाए और अस्वीकृति के कारणों से आवेदक को लिखित रूप में अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में राज्य स्तर पर एक विशेष विभाग स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस महीने की 27 तारीख को जेएनटीयू के तत्वावधान में राज्य भर के जीपीओ और लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों के लिए एक परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके लिए आवश्यक व्यवस्था की जानी चाहिए और परीक्षा सख्ती से आयोजित की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार इंदिराम्मा घरों, यानी गरीबों के घरों के निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। कलेक्टरों को कीमतों, भुगतान, रेत, सीमेंट और स्टील की निरंतर निगरानी करनी चाहिए ताकि कोई समस्या न हो और मूल्य नियंत्रण समिति सक्रिय रूप से काम करे। उन्होंने कहा कि सरकार इंदिराम्मा घरों के निर्माण के लिए आवश्यक रेत निःशुल्क उपलब्ध कराएगी और कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि यह लाभार्थियों तक उचित तरीके से पहुंचे। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों पर ज़्यादा बोझ डाले बिना रेत यथासंभव निकट से उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बेसमेंट निर्माण के लिए वहां से मिट्टी ले जाने वाले लाभार्थियों के खिलाफ पुलिस द्वारा मामला दर्ज करना उचित नहीं है और कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि एल-1, एल-2 और एल-3 सूची के बावजूद गरीबों को घर आवंटित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वित्तीय कठिनाइयों के बावजूद हर सोमवार को भुगतान कर रही है, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण कुछ लाभार्थियों के खातों में पैसा जमा नहीं हो पा रहा है। ऐसी समस्याओं की पहले ही पहचान कर ली जाए और लाभार्थी को कोई परेशानी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि डबल बेडरूम आवासों के लिए विशेष अभियान चलाकर पात्र लाभार्थियों को आवास आवंटित किए जाएं।

पोंगुलेटी ने सरकार की संचार विफलताओं पर प्रकाश डाला

बेहतर संपर्क का आग्रह किया

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने खेद व्यक्त किया है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा पिछले डेढ़ साल में विकास और कल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता देने के लिए किए गए पर्याप्त प्रयासों के बावजूद, उपलब्धियों को लोगों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंचाया जा सका है। सचिवालय में जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारियों के साथ मंगलवार को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान, उन्होंने विपक्षी बीआरएस पार्टी की गोएबल्स की याद दिलाने वाले दुष्प्रचार के जरिए लोगों को गुमराह करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसे कदम उठाए हैं जो वे अपने एक दशक के कार्यकाल के दौरान नहीं उठा पाए और झूठी जानकारी फैलाने का यह सिलसिला जारी रखा है। पोंगुलेटी ने कहा, हम राज्य सरकार द्वारा अब तक की गई उपलब्धियों को पूरी तरह से व्यक्त नहीं कर पाए हैं। की गई सकारात्मक पहलों को लोगों के साथ प्रभावी ढंग से साझा नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 15 लाख गरीब लोगों का पंजीकरण किया है जो पिछले एक दशक से राशन कार्ड पंजीकरण का इंतजार कर रहे थे। इसके अलावा, सरकार ने 7 लाख नए राशन कार्ड जारी किए हैं और भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए भू-भारती अधिनियम लागू किया है। पोंगुलेटी ने कहा कि वित्तीय चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, सरकार वंचितों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने यह भी बताया कि जिला स्तर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे यह सुनिश्चित करें कि राज्य सरकार द्वारा कार्यान्वित विकास और कल्याणकारी पहल लोगों तक पहुंचें।

करोड़ों महिलाओं की आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा पूरी : पोन्नम

मुफ्त यात्रा करने के उपलक्ष्य में समारोह आयोजित करने का आह्वान किया

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बुधवार को तेलंगाना राज्य के 97 आरटीसी डिपो और 341 बस स्टेशनों पर भव्य समारोह और विशेष कार्यक्रमों की योजना की घोषणा की है, जो 200 करोड़ महिलाओं को मुफ्त यात्रा करने में सक्षम बनाने की उपलब्धि का सम्मान करेंगे।

मंगलवार को जारी एक बयान में, मंत्री प्रभाकर ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि अब तक 200 करोड़ महिलाओं को आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा का लाभ मिला है, जिसकी कुल यात्रा खर्च 6,700 करोड़ है। उन्होंने आगे कहा, महिलाओं के लिए मुफ़्त बस यात्रा की पहल 9 दिसंबर, 2023 से प्रभावी रूप से लागू हो गई है, यानी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद। सरकार नियमित रूप से इस योजना के कार्यान्वयन से जुड़ी लागतों की प्रतिपूर्ति निगम को करती है। मंत्री ने सुझाव दिया कि ये कार्यक्रम हर डिपो और प्रमुख बस स्टेशनों पर आयोजित किए जाने चाहिए और सांसदों, मंत्रियों, विधायकों, महापौरों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों सहित स्थानीय अधिकारियों को इन उत्सव समारोहों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए। कर्मचारियों, शिक्षकों, स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों, व्यवसायी महिलाओं, शहरी अस्पतालों में उन्नत चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने वाली महिलाओं और तीर्थयात्रियों को भाषणों के दौरान अपने यात्रा अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा, इस पहल की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रत्येक डिपो के शीर्ष पांच ड्राइवरों और पांच कंडक्टरों के साथ-साथ ट्रैफ़िक गाइड और सुरक्षा कर्मियों को भी सम्मानित किया जाना चाहिए।

दुर्घटना में पीजी मेडिकल छात्र की मौत, तीन घायल

करीमनगर, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर ग्रामीण मंडल के जुबलीनगर के निकट मंगलवार तड़के एक सड़क दुर्घटना में एक स्नातकोत्तर मेडिकल छात्र की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा रात करीब 2 बजे हुआ जब जिस चार पहिया वाहन में वे सवार थे, वह सड़क किनारे एक पेड़ से टकराकर पलट गया। चारों छात्र प्रथिमा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के छात्र थे। पीजी मेडिकल छात्र राहुल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया, घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मामला दर्ज किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया गया है।

तेलंगाना टीईटी जून 2025 के परिणाम घोषित

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीजी टीईटी) जून 2025 के परिणाम मंगलवार को घोषित किए गए, जिसमें 61.50 प्रतिशत पेपर-I और 33.98 प्रतिशत पेपर-II उत्तीर्ण हुए हैं। शिक्षा विभाग की सचिव डॉ. योगिता राणा, स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ.ई. नवीन निकोलस और एससीईआरटी निदेशक जी. रमेश द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, पेपर-1 में 47,224 अभ्यर्थी शामिल हुए और 29,043 उत्तीर्ण हुए। इसी प्रकार, पेपर-2 में 90,205 अभ्यर्थियों में से 30,649 उत्तीर्ण घोषित किए गए। 18 से 30 जून के बीच 16 सत्रों में आयोजित परीक्षा के परिणाम वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं।

इस वर्ष जनवरी में आयोजित टीईटी की तुलना में अर्हता प्रतिशत में वृद्धि हुई है, जो पेपर-I में 59.48 से बढ़कर 61.50 और पेपर-II में 31.21 से बढ़कर 33.98 हो गया है। हालांकि, टीईटी 2024 की तुलना में, अर्हता प्रतिशत में उल्लेखनीय गिरावट आई है। टीईटी 2024 में पेपर-I में 67.13 और पेपर-II में 33.18 का अर्हता प्रतिशत दर्ज किया गया था। टीईटी पेपर-I उन उम्मीदवारों के लिए आयोजित किया जाता है जो कक्षा 1 से 5 तक के शिक्षक बनना चाहते हैं, जबकि पेपर-II उन उम्मीदवारों के लिए है जो कक्षा 6 से 8 तक के शिक्षक बनना चाहते हैं। यह राज्य के सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती के लिए आयोजित जिला चयन समिति के लिए पात्रता मानदंडों में से एक है। टीईटी के अंक जीवन भर के लिए मान्य होते हैं।

कविता ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक पर भाजपा नेताओं के दावे की आलोचना की

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की संस्थापक और विधान पार्षद कल्वाकुंतला कविता ने आज राज्य भाजपा नेताओं के इस दावे की आलोचना की कि पिछड़ा वर्ग के लिए 42% आरक्षण प्रदान करने वाले विधेयक को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया जा सकता। वह भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष एन रामचंदर राव द्वारा दिन में दिए गए उस बयान का जवाब दे रही थीं जिसमें उन्होंने कहा था कि नौवीं अनुसूची में बदलाव करना संभव नहीं होगा क्योंकि विधेयक को उचित न्यायिक समीक्षा के बिना पारित किया गया था। उन्होंने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा नेता इस तरह के बयान दे रहे हैं। कई उत्तरी राज्यों में, जहाँ भाजपा को राजनीतिक लाभ होने की संभावना है, 50% की सीमा से अधिक आरक्षण प्रदान किया गया है। तेलंगाना के संबंध में वे एक अलग रुख अपना रहे हैं।" शिक्षा, रोज़गार और सार्वजनिक जीवन में पिछड़ी जातियों के लिए 42% आरक्षण प्रदान करने वाला विधेयक कुछ महीने पहले तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित किया गया था और वर्तमान में भारत के राष्ट्रपति के पास स्वीकृति के लिए लंबित है। कविता ने बताया कि लोकसभा में भाजपा के आठ सांसद हैं, लेकिन उनसे राज्य को कोई लाभ नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी मांग की कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी, जो अक्सर जाति जनगणना और पिछड़ी जातियों के आरक्षण के बारे में बोलते हैं, को संसद में यह मुद्दा उठाना चाहिए और केंद्र पर विधेयक पारित कराने के लिए दबाव बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, "अन्यथा, दोनों दलों को तेलंगाना के पिछड़ी जातियों को लाभ पहुँचाने के किसी वास्तविक इरादे के बिना धोखा देने वाला माना जाएगा।"

योजनाओं पर जिला कलेक्टर ने समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट का मीटिंग हॉल में गुरुकुल विद्यालयों की सुविधाएँ, समस्याएँ, इन्दिरम्मा इंडला की प्रगति, वन महोत्सव आदि पर संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए कलेक्टर ने कहा कि मंडल स्तर पर विशेष अधिकारी का क्षेत्रीय स्तर पर जाकर आवासीय गृहों और गुरुकुलों का निरीक्षण करना अनिवार्य है। स्कूलों में बुनियादी ढांचा, उचित पेयजल सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति का पता लगाने का निर्देश दिया गया कि उन्हें धनराशि मिल रही है या नहीं और समस्याओं का समाधान किया जाए। विद्यार्थियों को मेनू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने के लिए विशेष पहल की जानी चाहिए। इसी प्रकार, छात्रों को होने वाली किसी भी असुविधा के लिए अधिकारी जिम्मेदार होगे । उन्होंने कहा कि रसोईघर की सफाई सप्ताह में एक बार की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, "यदि कर्तव्यों में लापरवाही बरती गई तो उचित कार्रवाई की जाएगी।" कलेक्टर ने कहा कि इंदिराम्मा ने घरों के निर्माण में तेज़ी लाई जाए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। लाभार्थियों को मकान निर्माण की प्रगति के आधार पर धनराशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विभागों द्वारा दिए गए लक्ष्यों को शीघ्र पूरा किया जाए। अधिकारियों को स्कूलों और कॉलेजों में शत-प्रतिशत पौधे लगाने के निर्देश दिए गए।

इसके तहत संबंधित अधिकारियों को बड़ी मात्रा में जलीय पौधे उगाने के लिए कहा गया है। समीक्षा बैठक में जिला अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह, डीआरओ संगीता, पीडी आवास हनुमंतु नायक, डीपीओ सुरेश मोहन, बागवानी विभाग अधिकारी सुरेश, कृषि विभाग अधिकारी उषा, डीईओ सुशींदर राव, बीसी कल्याणअधिकारी केसुराम, अनुसूचित जाति कल्याण अधिकारी रामाराव, आदिवासी कल्याण अधिकारी रामवेश्वरी, एससी निगम ईडी पद्मावती, संबंधितअधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

सीएम रेवंत हमारी पार्टी के नेताओं के फोन टैप कर रहे हैं : प्रवीण कुमार

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेता आरएस प्रवीण कुमार ने आज कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी फोन टैपिंग मामले में विपक्षी दलों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रमुख बीआरएस नेताओं के साथ-साथ रेवंत रेड्डी अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के फोन भी टैप करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक पत्रिका ने राज्य के मंत्रियों की फोन टैपिंग की सच्चाई उजागर की थी। उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी को फोन टैपिंग के ज़रिए दोनों मंत्रियों के बीच हुई बातचीत का पता चला। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में एक मंत्री को बुलाकर उस बातचीत के बारे में क्लास लगाई गई। आरएस प्रवीण कुमार ने कहा कि फोन टैपिंग सीएम रेवंत रेड्डी और गृह मंत्री की निगरानी में की जा रही थी। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा फोन टैपिंग मामले में सीएम रेवंत रेड्डी का समर्थन करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सीएम ने बीआरएस पार्टी के नेता हरीश राव के साथ अपनी बातचीत के लीक होने के बारे में दिल्ली में एक पत्रकार से पूछताछ की थी। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर हरीश राव का फोन टैप नहीं किया गया था, तो मुख्यमंत्री को हरीश राव और पत्रकार के बीच हुई बातचीत के बारे में कैसे पता चला। उन्होंने कहा कि उन्हें इस महीने की 14 तारीख को फोन टैपिंग मामले में नोटिस मिला था। उन्होंने कहा कि संदेह है कि रेवंत रेड्डी कांग्रेस नेता राहुल गांधी और एआईसीसी सदस्यों के फोन भी टैप कर रहे है। उन्होंने मांग की, "मुख्यमंत्री कहते हैं कि वह पारदर्शिता और कानून के अनुसार काम कर रहे हैं, और अगर मुख्यमंत्री ईमानदार हैं, तो उन्हें उन लोगों के नाम सीलबंद लिफाफे में रखकर उच्च न्यायालय को सौंपने चाहिए जिनके फोन टैप किए जा रहे हैं।" उन्होंने यह भी मांग की कि टेलीग्राफ अधिनियम के तहत किन लोगों के फोन टैप किए जा रहे हैं, इसकी निगरानी के लिए मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता, एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और संबंधित अधिकारियों की एक समिति बनाई जाए। उन्होंने बताया कि टेलीग्राफ अधिनियम की धारा 5 के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक होने पर फोन टैप किए जा सकते हैं।

केटीआर ने अपनी 'गिफ्ट ए स्माइल' पहल के तहत 5,000 केसीआर किट किए वितरित

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मंगलवार को 24 जुलाई को अपने जन्मदिन से पहले अपनी 'गिफ्ट ए स्माइल' पहल के तहत तेलंगाना भवन में नई माताओं को 5,000 केसीआर किट वितरित किए। इस कदम ने बीआरएस सरकार की प्रमुख मातृ कल्याण योजना के प्रतीकात्मक पुनरुद्धार को चिह्नित किया। रामाराव ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने जानबूझकर इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है। उन्होंने कहा कि केसीआर किट योजना से संस्थागत प्रसव में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और तेलंगाना में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में मदद मिली है।

उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को राजनीतिक श्रेय न देने के लिए किटों का वितरण रोक दिया था। उन्होंने कहा, पिछले 20 महीनों से अनगिनत माताएं पीड़ित हैं क्योंकि रेवंत सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में बदलाव लाने वाली किटों का वितरण करने से इनकार कर रही है। राज्य बनने से पहले की स्वास्थ्य सेवा की स्थिति को याद करते हुए, रामाराव ने कहा कि लोग डर के मारे सरकारी अस्पतालों से दूर भागते थे। उन्होंने कहा, केसीआर किट ने सरकारी अस्पतालों की सूरत बदल दी। फिर भी, आज केसीआर के प्रति अंतहीन नफ़रत और गुस्से के कारण उन्हें रोका जा रहा है।

उन्होंने जन कल्याण के बजाय राजनीति को प्राथमिकता देने के लिए कांग्रेस सरकार के 'प्रतिशोधी शासन' की निंदा की और कहा कि किट देने से इनकार करने से पूर्व मुख्यमंत्री को नहीं, बल्कि माताओं और नवजात शिशुओं को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा, इसलिए, मैंने 'गिफ्ट ए स्माइल' पहल के तहत केसीआर किट वितरित करने और कुछ परिवारों की सहायता करने का निर्णय लिया।

बहुभाषावाद जरूरी : पवन कल्याण

अंग्रेजी बनती जा रही सोच की भाषा, नेताओं से की ये खास अपील

अमरावती, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाषा को लेकर देशभर में जारी चर्चाओं के बीच आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री और अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण ने मंगलवार को बहुभाषी होने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोग चाहते हैं कि वे बहुभाषी हों और उन्हें इसके लिए उचित मौका दिया जाना चाहिए। उन्होंने राजनीतिक नेताओं से अपील की कि वे अपने विचारों को व्यापक बनाएं और नई सोच अपनाएं। पवन कल्याण ने कहा कि बहुमत का मानना है कि वे बहुभाषी बनना चाहते हैं। हमें उन्हें एक उचित अवसर देना चाहिए।

अंग्रजी हमारी सोंच की भाषा बनती जा रही :

आंध्र के उप-मुख्यमंत्री ने आगे अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि अंग्रेजी उनकी सोच की भाषा बन गई है, जबकि वह हिंदी, कन्नड़ या मराठी में ऐसा महसूस नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि मेरा मातृभाषा अंग्रजी नहीं है। कभी-कभी मुझे यह सोचकर दुख होता है कि मेरी सोच की भाषा अंग्रेजी या तेलुगू हो गई है। कल्याण ने कहा कि तेलुगू तो स्वाभाविक है, लेकिन मैंने अंग्रेजी को भी अपनी सोच की भाषा के रूप में अपना लिया है।

इसके साथ ही इंटरव्यू के दौरान पवन कल्याण ने बहुभाषावाद (मल्टीलिंग्वलिज्म) का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में, जब हम विभिन्न संस्कृतियों के साथ जुड़ रहे हैं, तो बहुभाषा कौशल होना जरूरी है और इसमें कोई बुराई नहीं है। उन्होंने राजनीतिक नेताओं से कहा कि उन्हें आने वाली पीढ़ियों के बारे में सोचते हुए उनके लिए जगह बनानी चाहिए और बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करना चाहिए।

बता दें कि उनका यह बयान उस समय आया है जब देश में भाषा को लेकर बहस छिड़ी हुई है। पवन कल्याण ने इस बहस में नई सोच और खुले दिमाग की जरूरत पर जोर दिया है और कहा कि भाषा को लेकर लोगों की इच्छाओं को समझते हुए उन्हें मौका दिया जाना चाहिए ताकि वे कई भाषाओं को सीखकर बेहतर संवाद कर सकें। इसके साथ ही इस तरह पवन कल्याण ने बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की बात कही है और राजनीतिक नेतृत्व से अपील की है कि वे इस मुद्दे पर सकारात्मक कदम उठाएं ताकि आने वाली पीढ़ी बहुभाषी बनकर समाज में बेहतर योगदान दे सके।

इसके साथ ही आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। धार्मिक परिवर्तन के मामले पर उन्होंने बताया कि उप मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद कुछ ऐसे मामले उनके सामने आए जिन्हें पुलिस ने सुलझाया। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि एक लड़की को केरल से बेंगलुरू ले जाया गया और आखिरकार पुलिस उसे जम्मू में ढूंढ पाई। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले होते रहते हैं और देश को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, खासकर उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में।

साथ ही तमिलनाडु की राजनीति में कदम रखने के सवाल पर पवन कल्याण ने कहा कि वे एनडीए के सहयोगी हैं और जहां भी एनडीए के उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे, उनका समर्थन करेंगे। उन्होंने स्वीकार किया कि जनसेना पार्टी राष्ट्रीय पार्टियों से मुकाबला करना अभी मुश्किल समझती है और पार्टी को मजबूत होने में कई दशक लग सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर उप-मुख्यमंत्री ने इसे एक बड़ी चुनौती बताया और कहा कि यह उनका व्यक्तिगत संकल्प है। उन्होंने कहा कि धन की कमी है, लेकिन इसके लिए सबसे जरूरी है प्रशासनिक कर्मियों की प्रतिबद्धता और जनता की भागीदारी। उन्होंने नदियों और नालों की सफाई पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय नदियां कूड़ा-करकट का गड्ढा बन गई हैं। इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के बयान पर पवन कल्याण ने कहा कि उनके कार्यकाल में इंटेलिजेंस चीफ जेल गए थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.